# The Gazette of Indian

प्राधिकार से प्रकाशित

**सं**0 8)

नई बिल्ली, शनिवार, फरवरी 21, 1987 (फाल्गुन 2, 1908)

No. 81 NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1987 (PHALGUNA 2)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग Ш—खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, ि स्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार ंलग्न और अधीनस्य कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय. . . .
विदेशी मुद्रा विनियमन ग्रिधिनियम
नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 जनवरी 1987
सं० ए-11/10/76-प्रवर्तन निर्देशक एतद्द्वारा इस
निदेशालय के प्रवर्तन ग्रिधिकारी श्री ए० के० दाषाण्डे को इस
निदेशालय के जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय में 5-1-1987 (पूर्वाह्न)
से तदर्थ ग्राधार पर 6 महीने के लिए स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन
ग्रिधिकारी के रूप में नियुक्त करने हैं।

.कालीचरण, मुख्य प्रवर्तन ग्रधिकारी (प्रणासन)

केन्द्रीय संतर्कता श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1987

स० 2/3/87-प्रणामन—मेन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एनद्द्वारा द्वारा श्री छण्ण लाल भ्ररोड़ा, स्थायी वैयक्तिक महायक को इस भ्रायोग में वरिष्ठ वैयक्तिक महायक केतनमान क० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के पद परतर्थ रूप से 3 माह की 1-45601/86

भ्रविध या श्रगले आदेण तक जो भी पहले हो, 14-1-87 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

> मनोहर लाल ग्रवर मचिव (प्रशासन) इन्ते केन्द्रीय सतर्कता श्रायु

गृह मतालय महानिदेणालय के० रि० पू० बल

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1987 सं० ष्रो० दो०-2/85-प्रणा०-3--श्री मोहन सिंह, श्रनुभाग ग्रिधकारी का सं० स० नि० (लेखा)/लेखा-परीक्षा ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में पदोन्नति के फलस्वरूप उन्होंने श्रांतरिक लेखा-परीक्षा दल (उत्तरी क्षेत्र), के० रि० पु० बल, नई दिल्ली में तारीख 13-1-87 (पूर्वाह्न) को लेखा-परीक्षा ग्रिधकारी का कार्य ग्रहण कर लिया ।

सं० ग्रो० दो-5/87-प्रणासन-3--श्री जे० एल० बजाज, सूबेदार मेजर (कार्यालय ग्रधीक्षक) ने श्रनुभाग ग्रधि कारी के रूप में पदीन्नति होने पर दिनांक 16-1-8′

(1431)

(पूर्वाह्म) को महानिदेशालय , के० रि० पु० बल, नई दिल्ली में श्रपना कार्यभार सम्भाल लिया है ।

> हस्ताक्षर/अपठनीय उपनिदेशक (प्रशासन)

# महानिदेशालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई-दिल्ली 110003, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं० ई-16013(2)/23/82-कार्मिक-1/115--इस मुख्यालय के दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1986 की समसंस्यक श्रिधमूचना के श्रिधिक्रमण में, श्री दिलीप मित्र, भा० पु० से० (पं० बंगाल: 76) को दिनांक 7 जनवरी, 1987 के श्रपराह्म में के० श्री० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर के कमांडेंट के पद के कार्यभार से मुक्त किया गया है।

## दिनांक 23 जनवरी 1987

सं० ई-28017/10/84-कार्मिक-II/139--निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फल-स्वरूप श्री एस० सी० जाना, ने 31 दिसम्बर, 1986 के अपराह्म से कमांडेंट, के०श्री०मुख यूनिट, दुर्गापुर, स्टील ण्लांट, दुर्गापुर के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

### П

नियर्तन की भ्रायु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा मे निवृत्त होने के फलस्वरूप श्री के० एन० सबसेना ने 31 दिसम्बर, 1986 के भ्रपराह्म से कमांडेंट, के भ्रौ मुख यूनिट, बालको, कोरबा, बालको नगर, जिला बिलासपुर के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

निधर्तन की श्रायु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप श्री पी० के० ग्रार० नायर ने 31 दिसम्बर, 1986 के ग्रपराह्म से कमांडेंट, के० ग्रौ० सुब यूनिट, फैक्ट, कोचीन डिबीजन, कोचीन के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

> डी० एम० मिश्र महानिदेशक/के०ग्रौ० सुब

# वित्त मंत्रालय (ए।जस्च विभाग)

केन्द्रीय उत्पादन मुल्क तथा सीमा भुल्क समाहर्ता कार्यालय

कोचीन-682031 दिनांक 26 दिसम्बर 1986 सं 1/86--समाहर्ता ने श्री ए राधाकृष्ण मारार, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षक को 650-30-740-35-

- 810; द० रो०-35-880-40-1000-व० रो०40-1200/-रूपए के पुनरीक्षण पूर्व वेतनमान में केन्द्रीय
  उत्पादन शल्क तथा सीमाशुल्क प्रधीक्षक (ग्रुप "ख") के
  ग्रेड में महर्ष नियुक्त किया है।
- 2. ग्रधिकारी ने तद्नुसार, 23-7-1986 पूर्वाह्न में केन्द्रीय उत्पादन भृत्क, मुख्यालय, कोचिन में ग्रधीक्षक (ग्रुप ख) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

सं० 2/86—समाहर्ता ने श्री पी० राधाकृष्णन (नं० II), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क निरीक्षक को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के पुनरीक्षण पूर्व वेतनमान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क ग्रधीक्षक (ग्रुप "ख") के ग्रेड में महर्ष नियुक्त किया है ।

- 2. श्रिधिकारी ने तदनुसार 31-7-1986 पूर्वाह्म में विशेष सीमा मुल्क निवारक यूनिट, कांञ्नांशाड में प्रधीक्षक (प्रप "ख") का कार्याभार ग्रहण कर लिया ।
- सं० 3/86-समाहर्ता ने श्री के० शंकरनारायणन, कार्यालय श्रधीक्षक को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के पुनरीक्षण पूर्व वेतनमान में प्रशासन श्रधिकारी (ग्रुप "ख") के ग्रेड में सहर्ष नियुक्त किया।
- 2. श्रधिकारी ने तदनुसार 30-3-85 पूर्वाह्न से तद्यर्थ श्राधार पर श्रीर 21-7-86 पूर्वाह्न से नियमित श्राधार पर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिबीजन कार्यालय, कण्णूर के प्रशासन श्रधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

सं० 4/86—समाहर्ता ने श्रीमती बी० पी. सरोजिनी, कार्यालय ग्रधीक्षक को 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200/—रुपए के पुनरीक्षण पूर्व वेतनमान में महायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी (ग्रुप-"ख") के ग्रेड में सहर्ष नियुक्त किया ।

2. ग्रधिकारी ने तदनुसार 5-12-85 पूर्वाह्म से तवर्थं ग्राधार पर और 21-7-86 पूर्वाह्म से नियमित ग्राधार पर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय, कोचिन के सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी (सं० II) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 5/86—समाहर्ता ने श्री एस० जयरामन, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क निरीक्षक को 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880-40-1000 द०—रो०—40—1200/— रुपए के पुनरीक्षण पूर्व देतनमान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क श्रधीक्षक (गुप —"ख") के के ग्रेड में सहर्ष नियुक्त किया है।

2. श्रिधिकारी ने तबनुसार 22-9-86 पूर्वाह्म में सीमा-शुल्क गृह, कोषिक्कोड (वि० सी० शे० नि० डिबीजन, कोषिक्कोड) में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क प्रधीक्षक (ग्रुप-'ख'') का कार्यभार ग्रहण कर लिया । सं० 6/86—समाहर्ता ने श्री एन० गंकरन नायर (नं० II) केन्द्रीय उत्पादन गुल्क तथा सीमाशुल्क निरीक्षक को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के पुनरीक्षण पूर्व वेतनमान में केन्द्रीय उत्पादन गुल्क तथा सीमाशुल्क ग्रंधीक्षक (ग्रुप -''ख'') के ग्रेड में सहर्ष नियुक्त किया है ।

2. ग्रधिकारी ने तदनुसार , 16-10-86 पूर्वाह्म में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन कोल्लम - रिंज में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क ग्रधीक्षक (ग्रुप -ख") के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

सं० 7/86—समाहर्ता ने श्री सी० श्रय्यप्त पिल्ले, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क को जो 50-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-रुपए के पुनरीक्षण पूर्व वेतनमान में केन्द्रीय उत्पादन शुक्क तथा सीमाशुल्क श्रधीक्षक (ग्रुप-"ख") के ग्रेड में गहर्प नियुक्त किया है।

2. श्रिष्ठकारी ने तदनुसार, 14-10-86 श्रपराह्म में वंडिपेरियार रेंज, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन कोट्टम में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क अधीक्षक (ग्रुप -- "ख") के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

. सं० 8/86—समाहर्ता ने श्री एन० माधवन एपुत्तच्चन, केन्दीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क निरीक्षक की 650—30—740—35—810-द० रो०—35—880—40—1000— द० रो०—40—1200/~रुपए के पुनरीक्षण पूर्व वेतनमान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क श्रधीक्षक (ग्रुप — 'ख') के ग्रेड में सहर्ष नियुक्त किया है ।

2. ग्रधिकारी ने तदनुसार 3-11-1986 पूर्वाह्म में कलमश्योरी -II रेंज, केन्दीय उत्पादन णुल्क डिबीजन-I, एरणा-कुलम, में केन्द्रीय उत्पादन णुल्क तथा सीमाशुल्क श्रधीक्षक (ग्रुप —"ख") के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 9/86—समाहर्ता ने री० वी० ई० डिमिल्वा, केन्द्रीय उत्पादन ग्रुल्क तथा सीमागुल्क निरीक्षक को 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०— 40—1200/— रुपए के पुनरीक्षण पूर्व वेतनमान में केन्द्रीय उत्पादन ग्रुल्क तथा सीमा ग्रुल्क ग्रधीक्षक (ग्रुप——"ख") के ग्रेड में सहर्ष नियुक्त किया है।

2. अधिकारी ने तदनुसार, 3-11-1986 पूर्वाह्म में केन्द्रीय उत्पादन शुरुक डिवीजन पुनलूर रेंज में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क अधीक्षक (ग्रुप-"ख") के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

सं 10/86--समाहर्ता ने श्रा क एम ० एडिसन, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क तथा सीमा गुल्क निरीक्षक की 2000-60-2300-द रो॰-75-3200-100-3500/- रुपए के पुन-रिक्षित वेतनमान में केन्दीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क

अधीक्षक (ग्रुप---''ख'') के ग्रेड में सहर्ष नियुक्त किया है।
2. श्रिधकारी ने तदनुसार, 1-12-1986 पूर्वाह्म में आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग, केन्दीय उत्पादन ग्रुल्क समा-हर्तालय, कोचिन में केन्दीय उत्पादन ग्रुल्क तथा सीमाशुल्क श्रिधीक्षक (ग्रुप-''ख'') के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एम० ए० श्रल्लाम,
उप समाहर्ता (का० व स्था०)

### जयपुर, दिनांक 6 जनवरी 1987

फा० सं० 11-3(5)स्था०-1/86/8—समाहर्ता महोदय ने केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा गुल्क, जयपुर के निरीक्षक ग्रेड के निम्न लिखित श्रिधकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने निर्दिष्ट तारीख से 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100 3500 र० के वेतनमान में स्थानापन्न श्रधीक्षक ग्रुप "ख" की श्रेणी में नियुक्त किया है :—

ऋ० सं०	नाम	श्रधीक्षक ग्रुप "ख" के पद पर नियुक्ति की तारीख	पदोन्नति होने पर की गयी सैनासी
(1)	(2)	(3)	(4)
	<del></del> ोश्री		
1. वार	ी लाल	5-3-86	कें० उ०् गु० संभाग,
		(पूर्वाह्म०)	<b>प्र</b> जमेर
् 2. के०	एल० शर्मा	7-8-86	के० उ० शु०, मुख्यालय,
		(पूर्वाह्न)	जयपुर
3. जे०	एन० शर्मा	26-8-86	के० उ० शु०, संभाग,
		(पूर्वाह्न)	जयपुर
4. मद	न सिंह	8-7-86	कें० उ० शु०, संभाग,
		(पूर्वाह्न)	उदयपुर
5. एस	'० सी० वर्मा	30-6-86	कें० उ० शु०, संभाग,
		(पूर्वाह्न)	कोटा -
6. एस	० बी० गुप्ता	18-9-86	के० उ० शु० मुख्यालय
·	9	(पूर्वाह्न)	जयपुर
7. केंद	सी० पटेल	23-9-86	कें० उ० शु० <b>संभाग,</b>
- '		(पूर्वाह्म)	जोधपुर

8. श्री वी० वी० सुभ्रमण्यम् ने अपीलेट द्रिब्यूनल केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं गोल्ड कण्ट्रोलं मद्रास से सहायक पंजीयक के पद पर पदस्थापना की अवधि समाप्त होने पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, जयपुर में प्रशासनिक श्रिधकारी (मु०) के रूप में दिनांक 10-7-86 (पूर्वाह्म) को कार्यग्रहण किया।

किशन सिंह उप समाहर्ता (कार्मिक एवं स्था०)

# र्म्यार्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मुद्रणाालय

नासिक रोड, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं० 604/क—सर्वंश्री जी० ए० पगारे और टि० ह्वी० उलहनन को चलार्थ पत्न मुद्रणालय श्रौर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में सुरक्षा ग्रधिकारी के पद पर (वर्ग-ख) (राजपित) तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है श्रौर नियमित णतों श्रौर प्रतिबन्धों के श्रधीन उनका कार्यकाल का समय निम्नानुसार होगा ।

- (क) 3/4/1982 से 24/9/1982 तक
  - (खा) 4/7/1984 से 3/4/1985 तक

ग्रिधिसूचना संख्या 390/क दिनांक 19/9/1986 में बतायी गयी तिथि 14-4-1986 के जगह सुधारित तिथि 15-4-1986 होगी ।

पा० सु० शिवराम महाप्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय,

# बैक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 24 जनवरी 1987

नस्ती के बी एन पी श्री श्री श्री हस कार्यालय की प्रिक्ष्मिका कमांक बी एन एपी श्री श्री हिन की प्रतिनियुक्ति की प्रविधि उन्हीं शर्तों व प्रनुबन्धों पर दिनांक 30-4-87 (प्रपराह्म) तक या पदोन्नति हेतु योग्य प्रभ्यर्थी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

मु० बै० चार महाप्रबन्धक

# कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध—]<sup>1</sup> नई दिल्ली—1, दिनांक 28 जनवरी 1987

सं० प्रशासन-3/2(1)/9/129—निदेशक लेखा परीक्षा, बाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध—1 नई दिल्ली, निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारियों को उनके नामों के सामने दर्शायी गयी तिथियों से रु० 2375—3200—ई० बी०—100—3500 के वेतनमान में श्रन्तिम श्राधार पर ग्रस्थाई लेखा परीक्षा श्रिधकारियों के रूप में पदोन्नत करने का श्रादेश देते हैं:—

सं० नाम	पदोन्नति की तिथि
(1) (2)	(3)
1. वी० वासुदेवन मूर्ति	31-3-86
2. ई० एम० वारियर	17-3-86

(1) (2)	(3)
3. वी० डी० वासुदेव	29-5-86
4. बाल कृष्ण दास	1-5-86
5. जे० पी० म <del>ित्तल</del> – <sup>I</sup>	, 15-7-86
6 ० पी० मित्तल–11	13-6-86
🗆 बोध राज	8-12-86
8. दीन दयाल गुप्ता	19-12-86
9. ग्रार० डी० माथुर	17-12-86
10 भीम सेन शर्मा	17-12-86
	(ग्रपराह्न∙)

### दिनांक 29 जनवरी 1987

सं प्रशासन-3/2(8)/स० ले० प० श्र०/84-87/130-- निर्देशक लेखापरीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध-1 नई दिल्ली, निम्नलिखित अनुभाग श्रीधकारियों का उनके नाम के सामने दणियी गयी विधियों से रूपए 2000-60-2300-ई० बी०-75-3200 के वेसनमान में श्रनन्तिम श्राधार पर श्रस्थायी सहायक लेखा परीक्षा श्रीधकारियों के रूप में पदोन्नत करने का श्रादेश देते हैं :---

सं० नाम	पदोन्नति कीतिथि
सर्वेश्री	
1. वी० कृपावरम	1-1-1987
2⊢ बी० पी० एस० तोमर	<del>~-व</del> ही—
<ol> <li>रघुवीर चन्द</li> </ol>	वही
4. गुलशन लाल	वही
<ol> <li>श्रिखल कुमार</li> </ol>	वही
6 चन्द्र कृमार	~-वही

ए० सी० गर्ग स० निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन).

# कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1987

सं० प्रणासन I/सी/490—िन्देणक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता ने इस कार्यालय के निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रधि-कारियों को उनके नामों के साथ दर्शाए गए तारीख से मूल रूप से लेखापरीक्षा प्रधिकारी की श्रेणी में नियुक्त किए हैं:—

ऋ० सं० नाम	पुष्टि की तारीख
1 2	3
सर्वश्री—	·———
1. नलिनाक्ष राय	28-12-85
2. सुधीर रन्जन राय	1-1-86

1 2	3
3. र्पचानन दास	1-6-86
4 रमेन्द्र कुमार सेन शर्मा	1-6-86
<ol> <li>रिवदास नस्कर (भ्रिधिसूचित जाति)</li> </ol>	8-7-86
6. कान्त चरन वर्मण	1-9-86
. 7. ग्रुरुण वरण चौधरी	1-10-86
8. भ्रमिल कुमार विष्यास	1-10-86

सुनील, उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशा०)

# महालेखाकार का कार्यालय, ग्रांध्रप्रदेश

# हैदराबाद, दिनांक 21 जनवरी 1987

सं० प्रणा० -I/18-132/86-87 / 156—श्री एस० सुब्रह्मण्यम-4, लेखापरीक्षा प्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा) श्रांध्र प्रदेश हैदराबाद से दि० 30-11-86 (श्रप) को सेवा निवृत्त हुए हैं।

हस्ता० अपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), गुजरात अहमदाबाद-380001, दिनांक 23 जनवरी 1987

सं० स्था० ए०/जी०पी०/3(3) / 30 / (9) / 13— महालेखाकार (लेखापरीक्षा), गुजरात, ब्रह्मदाबाद के निर्णय के ब्रनुसार निम्नलिखित ब्रनुभाग ब्रिधकारी लेखापरीक्षा को कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात, ब्रह्मदाबाद /राजकोट में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा ग्रिधकारी के रूप में उनके नाम के सामने बतायी गयी तारीख से ब्रगले धादेश मिलने तक नि युक्त किया जाता है :—

- 1. श्री डी० ईंग्वरन 8-1-87 अपराह्म से म्रहमदाबाद
- 2. श्री ग्रार० ग्राई० भावसार """
- - " " " "

(राजकोट)

उपरोक्त नियुक्ति ग्रस्थायी है श्रौरं 1984 की विशेष मिविल श्रावेदन पन्न सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है ।

> संजीव सलूजा, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (ले० प०) 1, कर्नाटक बेंगलूर, दिलांक 23 दिसम्बर 1986

### कार्यालय स्रादेश

सं० म० ले० (ले० प) 1/ ण० 1/ए-1/86-87/510— महालेखाकार (ले० प) 1, श्री के० ग्रार० पार्थसारथी, सहायक लेखापरीक्षा ग्रधिकारी को क० 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 वेतनमान पर, श्राणे के ग्रादेश तक, उनके विष्ठों की दावों को प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, उनसे पदग्रहण करने की तारीख़ से लेखापरीक्षा ग्रधिकारी के रूप में सहर्ष पदोक्षति कर रहे हैं।

लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत होने के परिणाम स्वरूप मूल नियम 22(सी) के अन्तर्गत भाव सव निव (15), स्वामी संकलन (1/11 संस्करण) जीव आईव एमव एव एव कर्मचारी तथा प्रकासनिक सुधार विभाग काव जाव संव 7/1/80-स्थाव पीव 1 दिनांक 26 सितम्बर 1981) के अनुसार उच्चतर वेतनमान में वेतन निर्धारण करने के विकल्प को वे अपने पददोन्ननि होने के दिनांक संएक महीने के अन्दर देना चाहिए ।

भ्रवन्दराय, लेखा परीक्षा भ्रधिकारी

महालेखाकार (ले॰ प॰) 1 कॉर्यालय महाराष्ट्र बम्बई-400020, दिनांक 13 जनवरी 1987

सं० प्रणासन 1/ले० प०/सामान्य/ले० प० अ०/1(1)/6-महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गयी तिथियों से प्रभावी पुनः आदेश जारी होने तक लेखा परीक्षा अधिकारी पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है ।

क्रम०सं० नाम ं ले०प०श्र०	पदपरनियुक्तिकी तिथि
(1) श्री ह्वी० जी० मुर्वे	1-12-1986 पूर्वाह्न
(2) श्री एम० एन० खंडारे	19-12-1986 पूर्वाह्म
(3) श्री ग्रारु एन० रामटेके	16-12-1986 पूर्वा <b>ह</b>

### दिनांक 20 जनवरी 1987

क्र० सं० प्रशा 1/लें० प०/सामान्य/से० ले० प० अ०/2 (1)/28—महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी नयी तिथियों से प्रभावी पुनः

भावेग जारी होने तक, सहायक लेखा परीक्षा श्रिधकारी (वर्ग समूह-ब-राजपत्नित) पद पर नियुक्त किया है ।

ऋ०सं० नाम स०ले०प०श्र	० पद पर नियूक्ति की तिथि
1. श्रीमती एम० वर्गीस	1-1-1987 पूर्वाह्न
<ol> <li>श्री पी० भ्रार० खानजोडे</li> </ol>	2-1-1987 "
3. श्रीटी० पी० मिश्र	1-1-1987 "
4. श्रीमती ह्वी० गोपाल कृष्णन	5-1-1987 "
<ol> <li>श्री पी० पी० हिस रेकर</li> </ol>	1-1-1987 "
6. श्री <b>म</b> ती सगाया जॉर्ज	1-1-1987 "
7. श्री एस० ह्वी० काथवटे	1-1-1987 "
8. श्रीमती इन्दिरा रामकृष्णन	1-1-1987

णुभ सक्ष्मी वरिष्ट उप महालेखाकार/प्रशासन

# कार्यालय निदेशक लेखापरीका रक्षा सेवाए,

नई दिल्ली-110 001, दिनांक 22 जनवरी 1987 सं० 4501—प्रशासन/130/86—निवेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं नई दिल्ली निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को उनके सामने श्रंकित तिथि के स्थानापन्न लेखा-परीक्षा प्रधिकारी के रूप में श्रंगले प्रावेश परन्ति, सहर्ष नियुक्ति करते हैं:—

ক্ত	नाम एवं पदनाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की	नियुक्ति की
सं०		गयी है	तिथि
	सर्वश्री		
1.	बी०के० खन्ना,	संयक्त निवेशक लेखा-	13-10-86
	स <b>ेल</b> ०प०म्रधिकारी	परीक्षा (म्रा० के०′)	
		कानपुर ।	
2.	म्रोम प्रकाश⊸।,	उपनिदेशक लेखाग परीक्षा	12-11-86
	स०ले०प०ग्रधिकारी	रक्षा सेवाएं, (उसरी	
		कमान) जम्मू ।	,
3.	<b>ए०के० ग्र</b> धिकारी,	संयुक्त निदेशक लेखा-	1-12-86
	स०ले०प० श्रधिकारी	परीक्षा रक्षा सेवाएं (पूर्वी	
		कमान) पटना ।	
4.	तुलसी दास,स,०ले०	उपनिदेशक लेखापरीक्षा	5-1-87
	प <b>े प्रधिका</b> री	रक्षा सेवाएं (उत्तरी	
		कमान),जम्मू।	
5.	एस० एन० सिंह,	निदेशक लेखापरीक्षा	31-12-86
	स० ले० प०ग्रधिकारी	ो (वायु/नौसेना)	

नई दिल्ली।

बलजीत सिंह गिल संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेंवाएं, नई विल्ली।

(ग्रपराह्न)

### रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनेंस फैक्टरियां सेवा, ग्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी 1987

सं 1/जी/87—राष्ट्रपति महोदय ने निम्नलिखित ग्रधि-कारियों को स्टाफ श्राफिसर के पद पर उनके सामने दर्शायी गयी तिथियों से पुष्ट करते हैं :—

ऋ० सं० नाम एवं पद पुष्टिकरण <sup>ह</sup>	ती तारीख
<ol> <li>सवितांशु प्रकाश गोस्वामी, एस० श्रो० (श्राभी निवृति)</li> </ol>	1-8-83
2. धिरेन्द्र नाथ साहा (एस० सी०) ''	1-8-83
3ः दिलीप कुमार मिस्न (।।), "	1-8-83
4. बारिन्द्र नाथ घोष, एस० ग्रो०	1-8-83
<ol> <li>म्रामिय कुमार बासु, एस० श्रो० (श्राभी निवृति)</li> </ol>	28-2-85
एम	० ए० प्रसहन
संयुक्त	निदेशक/जि०

### उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1986

सं ए-31012(50)/85-प्रणा० (राज०)--विकास म्रायुक्त (लघु उद्योग) निम्नलिखित म्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पायुका) के पद पर स्थायी रूप में नियक्त करते हैं।

ऋमांक	श्रधिकारी का नाम	स्थायी रूप में नियुक्त करने की
		तारीख
सर्व	<u> </u>	
1. के०	के० मक्कड़	31-12-85
2. एम	० जी० सेषाद्रि	31-12-85
3. के०	एस० नायडू	31-12-85

सं० ए० 31013(52)/85 प्रणा० (राज०)—विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) श्री पी० सी० भावसार की नियुक्ति, लघु उद्योग विकास संगठन में 25-11-85 से सहायक निदेशकं ग्रेड-2 (खाद्य संरक्षण) के पद पर स्थायी रूप में करते हैं।

# दिनांक 17 नवम्बर, 1987

सं० ए०-31012(47)/85-प्रशा० (राज०)-विकास श्रायक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग विकास संगठन में, निम्नलिखित प्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से सहायक निदेशक (ग्रेड-2) (वैद्युत) के पद पर स्थायी रूप में नियक्त करते हैं :---

क्रम <b>ं</b> क	मधिकारी भ्रक्षिकारी	कानाम	स्थायी	रूप में नियुष	त करने की तारीख
सर्वः	—————————————————————————————————————	<b></b>			
1. बीस	रुकुमारन				8-11-85
2. एम०	<b>भार</b> ० प <b>ग</b>	नाभन			8-11-85

सं० ए-31012(49)/85-प्रशा० (राज०)-विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग विकास संगठन में, निम्निलिखित प्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने वी गयी तारीख से सहायक निदेशक (ग्रेड-2) (रसायन) के पद पर स्थायी-रूप में नियक्त करते हैं:--

क मांक श्रधिकारीकानाम	स्थायी रूप में नियुक्त करने की
	तारीख
सर्वेश्री	
1. के० एस० राजन	31-12-85
<ol> <li>भ्रार० मखोपाध्याय</li> </ol>	31-12-85
3. वी० जी० वानी	31-12-85
4. पी० ए० एस० सुब्रह्मणिय	म 31-12-85
5₄ ए० मुखर्जी	31-12-85
6. पी० एन० पटोदिया	31-12-85

सं० ए० 31013(42)/85-प्रशा० (राज०)-विकास स्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग विकास संगठन के निम्न-लिखित स्रिधिकारियों को सहायक निदेशक, ग्रेड-।।, (यांत्रिकी) के पद पर, प्रत्येक के नाम के स्रागे दी गयी तारीख से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:—

# क अधिकारी का नाम स्थायी रूप में नियुक्त किए जाने की तारीख

	ताराख
सर्वश्री	
1. के० सी० <b>धर्ज</b> ुनराजा	31-12-1985
2. मार० एस० गांगुली	31-12-1985
3. भार० एन० नन्दी	31-12-1985
4. जे० एल० कौल	31-12-1985
5. के० के <b>०</b> सिक्का	31-12-1985
6. एच० एन० दे	31-12-1985
7. एस० ग्ररधुमन सिंह	31-12-1985
8. पी० भ्रार० एस० रमन	31-12-1985
9. के० एस० धर्मराजु	31-12-1985
10. टी॰ डी॰ श्रीनिवासन	31-12-1985
11. एन० वी० वेकटरमण	31-12-1985

### दिनांक 27 नवम्बर 1986

सं० ए-31013(42)/85-प्रमा० (राज०)---राष्ट्रपित लघु उद्योग विकास संगठन के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को सहायक निदेणक ग्रेड-1 (औद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) के पद पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:--

क्रमांक ग्रिधिकारी का नाम	स्थायी रूप में नियुक्त करने की तारीख
 सर्वेश्री	
1. जे० बी० राममूर्ति	31-12-1985
2. ए० पी० बोस	31-12-1985
3. के० टी० सम्बन्धम्	31-12-1985
4. ए० के० सरकार	31-12-1985
5. एस० एस० पी० राव	31-12-1985
6. बी० एम० शर्मा	31-12-1985
7. <b>दिनक</b> र राव	31-12-1985
8. के० एस० गोविन्दराजन	31-12-1985
9. वी० सरदाना	31-12-1985
10 एल० पी० सिंह	31-12-1985
11. के० सी० वर्गीज	31-12-1985
12. एम० <b>ए</b> स० एन० मूर्ति	31-12-1985
13. जी० एम० भ्रम्भीर	31-12-1985

सं० ए-31013(35)/85-प्रशा० (राज०)--राष्ट्रपति लघु उद्योग विकास संस्थान में निम्नलिखित ग्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (वैद्युन) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:--

क्रमांक ग्रिधिकारी का नाम	स्थायी रूप में नियुक्त करने की तारीख
सर्वेश्री	
1. टी० भ्रार० राजगोपालन	31-12-85
<ol> <li>एच० भट्टाचार्य</li> </ol>	31-12-85
3. के० के० म <b>नभ</b> न्या	31-12-85
4. ए० बन्धोपाध्याय	31-12-85
<ol> <li>मार० सुक्रहाणियम ग्रम्यर</li> </ol>	31-12-85
6. जी० डी० गिडवानी	31-12-85

### दिनांक 10 दिसम्बर 1986

सं० ए-31013(15)/85-प्रमा० (राज०)---राष्ट्रपति लघु उद्योग विकास संगठन के निम्नलिखित स्रधिकारियों को निदेशक ग्रेड-2 (रसायन) के पद पर प्रत्येक के नाम के श्रागे दी गयी तारीख से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:--

क्रम सं० ग्रिधिकारी का नाम स्थायी रूप में नियुक्त किए जाने की तारीख

सर्वश्री--

1. पी० श्रार० मल्हन

31-12-85

2. एस० के० चक्रवर्ती

31 - 12 - 85

### विनांक 18 दिसम्बर 1986

सं० ए-31013(12)/85-प्रशा० (राज०)--राष्ट्रपति श्री एस० पी० सिह्ना की नियुक्ति लघु उद्योग विकास संगठन में 31-12-85 से निवेशक (ग्रेंड-11) (धातु) के पद पर स्थायी रूप से करते हैं।

# विनांक 21 जनवरी 1987

सं० 12(104)/61-प्रशा० (राज०)--सेवानिवृत्ति की श्रायु प्राप्त करने पर विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय नई दिल्ली में औद्योगिक सलाहकार (रसायन) श्री पी० श्रार० मल्हन ने तारीख 31 दिसम्बर 1985 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है ।

# विनांक 22 जनवरी 1987

सं० ए० 19018 (61)/73-प्रशा० (राज०)--राष्ट्रपति खेद सहित सूचित करते हैं कि श्री सी० एल० शर्मा सहायक निदेशक ग्रेड-1 (श्रा० श्र०) लघु उद्योग सेवा संस्थान श्रागरा का 9 नवम्बर 1986 को निधन हो गया है।

सं० ए०-19018(220)/75-प्रशा० (राज०)--जिला उद्योग केन्द्र दादरा एवं नगर हवेली सिल्वासा में महाप्रबन्धक के रूप में नियुक्ति हो जाने पर श्री सी० एन० मुन्नह्मणियम ने शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान सिल्वासा में उप निदेशक (कांच/मृत्तिका) के पद का कार्यभार 31-1-86 (ग्रपराह्म) से छोड़ दिया है ।

> ्सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

कार्यालय ॰ महानियंत्रक एकस्व∙ रूपांकन एवं व्यापार चिह्न बम्बई-4000 20 दिनांक 8 जनवरी 1987

सं० सी० जी०/एफ०/14/7(13)/एकस्व/86-8,राष्ट्रपति श्री श्रीकान्त जयाचार्य वैद्य को दिनांक 27-111986 (पूर्वाह्म) से परीक्षक एकस्व एवं रूपांकन (ग्रुप 'ग्र'
राजपितत) के पद पर नियमित रूप से वेतनमान ६० 7001300 पर एकस्व शाखा कार्यालय बम्बई में नियुक्त करते
हैं। वे उपरोक्त दिनांक से 2 वर्ष की ग्रवधि तक परिवीक्षाधीन
रहेंगे ।

विनांक 14 जनवरी 1987

• सं० सी० बी०/एफ/1/2(7)86—श्री एम० राजामानिकम् को दनांक 12-11-86 (पूर्वाह्म) से प्रशासकीय श्रिधिकारी (ग्रुप 'श्र' राजपित्रत) के पद पर प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर वेतनमान रु० 2000-3500/- पर एकस्व शाखा कार्यालय नई दिल्ली में नियुक्त किया जाता है ।

ग्रार० ए० श्राचार्य महानियंद्रक

एकस्व रूपाँकन एवं व्यापार चिह्न।

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक मर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 जनवरी 1987

मं० 558बी/ए-32013/1-वं० उ० मं० नि० (प्रशा०)/ 86-19ए—-राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित उप महानिदेशक को विरुष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 2500/-125/2-2750 रू० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी स्रादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहें हैं। :—

श्री एस० के० श्रीवास्तव 12-12-86 (श्रपगह्म)
 डा० एच० एस० पारीक 15-12-86 (पूर्वाह्म)

सं० 574बी/ए-32013/1-व० उ० म० नि० (परि०)/86-19ए--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के उप महानिदेशक (भूविज्ञान) श्री सी०पी० वोहरा को विरुष्ट उप महानिदेशक (प्रचालन) के रूप में उसी विभाग में नियमा-नुसार 2500-125/2-2700 र० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 12 विसम्बर 1986 के श्रपराह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 585बी/ए-32013/1/व० उ० म० नि०(प्रचा०)/86-19ए--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के उप महानिदेशक (भूविज्ञान) डा० डी० के० राय को वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन) के रूप में उसी विभाग में नियमान्तुसार 2500-125/2-2750 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन कमता में श्रागामी आदेश होने तक 12 दिसम्बर 1986 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

एन० के० मुखर्जी वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन)

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं० ए०-20012/84/70-प्र० (प्र०)-िनिवर्तन की प्रायु होने पर विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार ्निदेशालय में अरिष्ठ

कलाकार के पद पर कार्यरत श्री प्यारेलाल 31 दिसम्बर, 1986 श्रपराह्न में मेथानिवृत्त हो गए हैं।

> ण्याम सिंगला उप निदेशक (प्रशासन)

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1987

सं० ए० 32014/2/86-प्रणासन—Ï—स्वास्थ्य मेवा महा-निदेशक ने श्री लिलत किशोर, वृरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (एस० एस० ए०), को 6 जनवरी, 1987, अपराह्म से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय श्रीषध मानक नियंत्रण संगठन में तकनीकी श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है ।

सं० ए० 32014/4/86-प्रणासन- — स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने श्री मुन्दर लाल, श्रनुसंधान सहायक (पी० एफ० ए०) को 8 जनवरी 1987, पूर्वाह्म में श्रागामी श्रादेशों तक स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय में तकनीकी श्रिधकारी (पी० एफ० ए०) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

पी० कें० घई उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड घी०)

नई दिल्ली, विनांक 20 जनवरी 1987

सं० ए० 12025/6/80-एन० श्राई० सी० डी०/पी० एच०/(सी० डी० एल०)---राष्ट्रपति ने डा० सी० राजेन्द्रन को राष्ट्रीय संचारी-रोग संस्थान, दिल्ली में 20 श्रश्रैल, 1985 से सहायक निदेशक (कवक विज्ञान) के स्थायी पद पर स्थायी श्राधार पर नियुक्त कर दिया है ।

सं० ए० 12025/2/83-एन० श्राई० सी० डी०/पी० एख० (सी० डी० एल०)---राष्ट्रपति ने डा० (कुमारी) रिमन्द्रर कौर को 18 दिसम्बर, 1986 के पूर्वाह्न स श्रागामी श्रादेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (एंटोमोलाजी) के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

श्रीमती जैस्सी फ़ांसिस उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

# परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय श्रीर भंडार निदेणालय

बम्बई-400 085, दिनांक 15 जनवरी 1987

मं० क भं०नि०/डी-40/स्था०/87-प्रशा०/2201--निवर्तन की ग्रायु प्राप्ति के फलस्वरूप इस निदेशाल्य के केन्द्रीय भंडार एकक के सहायक भंडार ग्राधिकारी, श्री के० पी० दोईफोड़े तारीख 31-12-1986 (ग्राप्तिक्ष) को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन श्रधिकारी

# परमाण खनिज प्रभाग हैदराबाद दिनांक 22 जनवरी 1987

स० पखप्र-16/9/85-भर्ती/957---निदेशक, परमाणु खिनज प्रभाग, परमाण ऊर्जा विभाग एतद्हारा परमाणु खिनज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न महायक श्री पुरजीत सिंह को उसी प्रभाग में श्री ग्रो० भारतन, महायक कार्मिक श्रीश्वकारी को छट्टी मंजूर किए जाने पर 22-12-1986 के पूर्वीह्न से लेकर 9-2-1987 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न महायक कार्मिक ग्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

श्र० व० खान वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

# महानिदेशक नागर विमान का कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 12 दिसम्बर 1986 सं० ए-32013/4/86-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्न-वित स्रधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी

लिखित अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में की गयी तदर्थ नियक्ति की अवधि प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी अवधि के लिए बढ़ा दी है :---

ऋम	नाम	भ्रवधि	
सं०		<u>, म</u>	<del></del> तक
<del>-,</del>	सर्वेश्री	<u>-</u>	
1.	एन० वी० सुक्रमण्यन	01-04-86	30-04-86
2.	_	बही- <del>-</del>	31-05-86
3.	जी० पिचयुमन <u>ी</u>	—-वही- <del></del>	वही
4.	एच० एल० चावला	वही <i>-</i>	वह <del>ी</del>
5.	जी० जे० मेहता	<b></b> -वही	<del>व</del> ही
6.	एस० पी० श्रीवास्तव	वही	वही
7.	भ्रो० पी० बतरा	वही- <del></del> -	<del>व</del> ही
8	एस० पी० चौधरी	वही <b></b> -	—वही—
9.	ईक्वर दयाल	वही <i></i>	—ंवही— <u>—</u>
10.	ए० महालिगेश्वर	वही	वही
e 11.	एफ० एस० भाटिया	वही	- <del></del> वही
12.		वही <i>-</i>	वही <b></b> -
13.	बी० के० मुखर्जी	वही	वही
14.	जोगिन्दर सिंह मान	<b></b> -वही	व <i>ही</i>
15.	पी०एस० दलवी	—–व <i>ही</i> -–-⁵	वही <b>-</b> -
16.	टी० के० दास गुप्ता	वही	—वही— <u> </u>
17.	एस० पी० शर्मा	वही	वही <i></i>
18.	श्राई० एस० वेदी	वही	वही
19.	पी० एस० बजाज	<b>–</b> बही	—-वही <u>-</u>
20.	जी० एल० श्रकोलकर	वही	व <i>ह</i> ी
21.	के० के० ईचुपुनानी	वही	वही
22.	वी० एम० खट्टरमल	वही	<del>व</del> ही
23.	एस० के० बिश्वास	—–वही~	वही

布の	नाम	म्रवी	ध	ऋ०सं० नाम	গ্ল হ	<b>មែ</b> 
सं०	•	<del></del>	तक	_	से	 तक
<u> </u>	<del></del> सर्वश्री			 सर्वेश्री—		
24.	के० एस० नेगी	01-4-86	31-05-86	66. के० एल० बजाज	1-4-85	31-5-86
	जोगिन्दर सिह	वही	<b>व</b> ही	67. एम० एम० वारियर	वही	<del>—व</del> ह <del>ी—-</del>
	एम० के० साठये	वही <i>-</i>	वही <b></b> -	68. टी० एम० नायर	वही	· —-वही-—
27	वाई० सी० पुनीथा	वही <del></del>	—वही— <u> </u>	69. एम० एस० मोतवानी	वही	—वह <del>ी —-</del>
28	ए० एस० मिल	— <del>वही</del> —	—-वही <i></i>	70. जे० ए० एन० मूर्ति	<b>व</b> ही	<b>व</b> ही
	पी० एन० मणी	वह <del>ी</del>	वही	71. ग्रार० के० वर्मा	वही <del></del>	<b>व</b> ही
	. टी० एस० जोली	—वही	— <del></del> वही—-	72. एस० के० नायर	वही	— <del>वह</del> '— <del></del>
	. बी०एस० भोसले	वही	—–वही-— ी-			
	, डी० सेल्याराज	—वही-— <b>०</b>	<b>व</b> ही	73. के० एल० भाटिया	वही ^	<del></del> वही
	. बी०एच० रंगा राव		—वही 	74. के० वेंकटरमन 🚜	<b></b> वही	- <b>-</b> वही
	. बी०सी० राय ———ेन्स्	––वही−– ––वही <b>−</b> –	वही वही	75. एन० एन० सिंह	वही	वही
	. हरनेक सिंह . टी० एन० जे० नम्बिय		वही	76. एम० एस० चौ <b>हा</b> न	— <b>-व</b> ही—-	वही
	. टाठए५० जुल नाम्ब्य . एन० एस० खैरा		वही	77. डी० एप० जहांगीरद	ार −−वही−−	वही
	. सी० एस० <b>ग्रहलू</b> वालिय	*	<del>-</del> वही	78. जगजीत <sup>्</sup> सिंह	वही <b></b> -	<b>व</b> ही
	. अलगीर सिंह	,, ् <sub></sub> , —वही—	—-व <b>ह</b> ी	79. बी० एस० खुमन	<del></del> वही	वही
	). के <b>० एल० कपू</b> र	वही	—–वही <i>–</i>	80. के० सी० गोस्वामी	—–वही—–⁺	वही
	. जे० डी० रस्तोगी	<del></del> -वही	वही	81. श्रमलेन्द्र दत्ता	वही	— <del>-</del> वही—-
	. के० के० सन्धिलया	घही	बही	82. हरभजन डी० के०त	~	बही
43	. <mark>स्रार० एस०</mark> एस० लाट	गवही	— <b>-वही</b> ——	•	बही	— <del>वही</del> —
4	. के० के,० गंदोक्रा	वही	बही	8.3. हरभजन	•	—
4 :	ऽ. पी० के० सरकार	वही	— <del>,-व</del> ही—~	84. लक्ष्मण राम (भ्रनु० र		•
	5. जी०एन०सा <b>हा</b>	वही	—वही	85. ए० एन० परांजपे	—वही— <del>-</del>	—-वही- <del></del>
	<sup>7</sup> . <b>डी० डी०</b> पाटिल	वही <b></b> -	वही- <b>-</b> -	86. एस० एस० कंग	•	— <del>-</del> बह्री——
48	. क्वी० के० भसीन	1-4-86	3.0-4-86	87. एच० सी० सचदेव	—-वही <del>-</del>	<del>व</del> ही
	. भ्रार० एस० रणधावा	1-4-86	31-5-86			
	. वी०सी० कुलश्रेष्ठ	.—वही—— —	—्वही 	2. उपरोक्त श्रक्षिकार	ी तकनीकीश्रिधिव	तरी के ग्रेड में लदध
	. बिस्यनाथ दत्ता	वही <del></del>	—-वही—- 	नियुक्ति की ग्रवधि बढ़ाए		
	. एच० पी० घोष	—वही— —	·——वही——	में नियमित नियुक्ति का		
	. पी० टी० गुजराती	-⊷वही 	—–वही−– —••	तदर्थ श्राधार परकी गयी	_	
	। एम० वी० नम्बियर • ० केट	—वहीं— <del></del> -	—–वही <i>—</i> –	प्रयोजन के लिए श्रौरिन ही	। ग्रगले उच्चतरः	ग्रेड में पदोन्नति र्क
	5. वाई० पी० कौशिक २.— С	—वही-— - <del>ी</del>	—-बहो <b>वहो</b>	पात्रता के लिए गिनी	जाएगी ।	
	5. <mark>गोपाल मिश्र</mark> 7. के० एम० सूर्यनारायण	—-वही— <del>-</del> 	पहा वही			मृकुल भट्टाचार्ज
	. क०एम० सूयनारायण ३. बी० डी० बंगाली	ग्ग—बहा—- बही—-	्रुए। वही			उपनिदेशक प्रशासन
	3. बाठडाठबगाला 3. एन <b>०</b> जयराम	वही	—्वली—–			
	). स्रार० के० हजारे	——बही <b>—</b> —	<b>ब</b> ही			
	।. एम <b>०</b> एल० सैनी	वही <i>-</i>	<u>—वही</u> —	समाह् <b>र्तालय</b>	केन्द्रीय उत्पाद	<u> शुल्क</u>
	2. के० के० भनोट	वही	वही	इन्दौर, दिनां	क 21 जनवरी	1987
	3. एस० वी० पिल्लै	<del>वह</del> ी	वही <del>-</del>	सं० 1/87—मध्यप्रदे		
	4. वी०एस० नन्दा	बही <del>-</del> -	—–वही <b>—</b> –	लिखित श्रधीक्षक, केन्दीय		
	5. टी० के० घोषाल	वही <del></del>	वही <b>-</b>	रसरकार श्रमानाए) ए पान	2	P

भारत का राजपन, फरबरी 21,

श्रायु प्राप्त करने पर उनके नाम के श्रामे दर्शायी गई तिथियों को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए ।

ऋ० सं० नाम	तिथि
सर्वेश्री 1. डी० एस० घ्रग्रवाल 2. ह्वी० एस० श्रीवास्तव	31-12-86 (ग्रपराह्न) 31-12-86 (श्रपराह्न)

एस० ह्वी० रामाकृष्णन, समाहर्ता

बम्बई-1, 29 दिनांक जनवरी 1987

फा० सं० 1 1/3ई (ए)/3/87-- केन्दीय जित्पाद शुल्क समाहर्तालय में तैमात निम्नलिखित राजपत्नित अधिकारी/ प्रधीक्षक समूह "ख" प्रधिवार्षिकी पर श्रपने नामों के आगे दर्शायी गयी तारीख में सेवा निवृत्ति हो गए हैं:--

क्रुंक्षं नाम व पदनाम	सेवा निवृत्ति की तारीख
1. ए०एन०सईद,अधीक्षक, के०उ०णु० (समूह (ख'')	31-10-1986 (भ्रप०)
<ol> <li>भ्रार० डी० गुण्डाले, श्रधीक्षक,</li> <li>के० उ० शु० (समूह "ख")</li> </ol>	31-12-1986 (भ्रप०)

सं० 11/3ई(v) 3/87—श्री एस० श्रार० कुलकर्णी, वरित श्रेणी निरीक्षक ने प्रोन्नति पर दिनांक 28-11-1986 पूर्वा० से बस्बई-1 केन्दीय उत्पाद शुल्क समाह्कांलय में श्रधीक्षक, समूह "ख" के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया है ।

श्ररविन्द सिङ्गा स**माह**र्ता

पूर्ण-411002, दिनांक 23 जनवरी 1987 सं गं87/स्थापना---निम्नलिखित सिलेक्शन ग्रेड निरीक्षक कर्मचारियों को, निम्नलिखित तारीखों से इस समाहर्तालय में स्थानापन्न (ग्राफिसिएटिंग) केन्दीय उत्पादणुरूक श्रधीक्षक श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नत तथा नियुक्त किया जा रहा है:--

कु०सं० नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
ा. श्री पी० जी० बांदीवडेकर	15-9-86
2. श्री बी० बी० हूगार	18-9-86

# दिनांक 27 जवरी 1987

सं० 2/87/स्थापना—निम्नलिखित कार्यालय प्रधीक्षक को एतव्हारा प्रशासनिक प्रधिकारी श्रेणी "ख" के पद पर निम्न-लिखित तारीख से पदोन्नत तथा केन्दीय उत्पादशुल्क तथा सीमा- शुल्क पुणे समाहर्तालय में नियुक्त किया जा रहा है ।

ऋ० सं० नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1. कुमारी सी० एन० श्रायं	6-10-86
	एस० डी० मोहिले समाहर्ता

बड़ोबरा, दिनांक 21 जनवरी 1987

सं० 1/87—श्री डी० डी० देताई, सहायक समाहर्ता, केन्दीय उत्पादन णुल्क मण्डल-II, बड़ोदरा दिनांक 20-12-86 की 58 वर्ष के हो गए हैं। सदनुशार, वे दिनांक 31-12-86 के श्रपराह्म में निवर्तन की श्राय पर सेवा से निव्यत्त होंगे।

सं 2/87—श्री बी ० एम० मिस्स्री, ग्रधीक्षक, केन्दीय उत्पादन श्रीर सीमा शुरूक मण्डल-1, बड़ोदरा, दिनांक 14-12-86 58 वर्ष के हो गए हैं । तदनुसार, वे दिनांक 31-12-1986 के श्रापराह, में निवर्तन की श्रायुपर सेवा से निवृक्ष हो गए हैं ।

> श्रीमती वरलक्ष्मी राजमानिकम, समाहर्ता,

# उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

् (कम्पनी कार्यविभाग)

# कम्पनी रजिस्ट्री का कार्यासय

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं वेस्टर्न इंडिया मिनरल एसोसिएशन के विषय में

बम्बई, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं० 622/9733/550(5)—कम्पनी अधिनियम,1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वार, सूचना दी जाती है कि वेस्टर्न इंडिया मिनरल एसोसिएशन लिमिटेड को नाम प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

वी० राधाकृष्णन, कम्पनियों का सहायक रजिस्द्रार, महाराष्ट्र, बस्यई प्ररूप आहु<sup>5</sup>. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

का ...., .... आयक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० ए० पी० नं० 6022—ग्रतः मुझे, बृज भूषण नैदका,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० एक कोठी दो मंजिला, डिफेन्स कालोनी, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवधास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से एसे द्वयमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पार्रें ग्या प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्ति बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना धाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में. मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मतिश्वित अधिकत्यों, अर्थात्:— (1) श्री पारनाथ कुमार रानाडे पुत्र श्री बी० के० रानाडे-425, एल० माडल टाउन, जालन्धर ।

(भन्तरक)

(2) श्री बहादुर सिंह बतरा पुत्न श्ली हरबंग सिंह बतरा, 44 डिफोंम कालोनी, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्दीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### संसम्भी

एक कोठी दो मंजिला, डिफेंस कालोनी, जालन्धर में जैसा कि घिलेख मं० 1755 दिनांक 16 जून, 1986, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> बृज भूषण नैदका सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-1-1987

प्ररूप् आइ'.टी.एन.एस. -----

बामकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें ज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1987

निदेश सं० चण्डी०/6ए/86-87—श्रतः मुझे, एम०एम०ए० चौधरी,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख हे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि धावर संपत्ति-जिसका उचित बाजार मृत्य

।,00,'000/- रः. से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी संबकोठी नंब 1017, है तथा जो सैक्टर 27बी (प्लाट नंब 3, स्ट्रीट एफब्) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रानेसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1986

स्रो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान रिक्रण के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार दृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि खिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

स्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमित पक्तिरानी परिन श्री विनोध कुमार धर्मा, श्रीमित जयश्री पत्नि श्री ध्याम मृत्दर शर्मा, निवासी—— 229 सैक्टर 9सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरु इकबाल सिंह, परिवार के कर्ता, 3010, सैक्टर 19 डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्योबत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-के में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

# |मृस्ची

कोठी नं ० 1017 सैक्टर 27बी, (प्लाट नं ० 3, स्ट्रीट एफ०) चण्डीगढ़ । (ग्रर्थात वह जायदादा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 247 माह मई, 1986 के तहत दर्ज है)।

एम० एन० ए० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-1987

प्ररूप आहे. ही. इन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) न्हें नभीन श्रृजना

### भारत सरकार

# कार्यातरः, सहायक नामकर वायुक्त (निरासक)

प्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, विनांक 13 जनवरी, 1987

निदेश सं० डी० भ्रार० 1709/85-86— भ्रतः मुझे, भ्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा वया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 99/1 है तथा जो श्रियाश्रो क्युपेम गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रेप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बंगलीर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत, तारीख 5-5-86 को पूर्वेक्स संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीसक्त के लिए बन्बरित की नहीं है और मुखे वह विश्वास धर्म की नहीं है और मुखे वह विश्वास धर्म की नहीं है जोर मुखे वह विश्वास धर्म की नहीं के स्थापनों कि स्थापनों की स्थापन श्रीसक्त के श्रीसक्त में बार की की प्रतिकार से बार की प्रतिकार से बार की कि प्रतिकार से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिशत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तहरूप से हुन्दी किसी बाव की बायस, उच्छा वहिंग्हिनसम् के अभीव कर योगे के अन्तरण के दर्शयस्य में कमी करने वा उदये बचने में बृधिया आर/या
- (क) एसी किसी भाग वा किसी वन या अन्य सारिक्यों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकाट नहीं किया गर्म का का का माजका भी निया पाना चाहिए का का का माजका भी निया।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, धक्त अधिनियम की भारा 269-ग की स्पधारा (1) के अधीन, निम्मीसीयत व्यक्तियों, वर्षीय है—- (1) श्री तामस जाकव 2 श्री तामस स्टीफन, वर्ना, सालसिट गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) जो मतियास भ्रालटिन्हो, पंजिम, गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिद्द कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यावसयां पर सूचना की उमील से 30 दिन की अविधि, को भी जब्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्याए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। रिया ही।

# अनुसूची

(दस्तानेज सं० 1709/85-86 तारीख 5-5-1986) जिस एग्रीकल्चर सब सम्पत्ति का नाम बेमोल्ला, डियाओ तालूक और सब डिस्ट्रिक्ट कवेपेम, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है, जिसका एरिया ग्रडमेशरिंग एवाउट 65.325 स्क्वे० मीटर्स है जिसका विवरण एग्रीमेंट तारीख 19-2-1986 का शेड्यूल्ड में पूरा विवरण किया है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राकर ग्राययुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगसौर

तारीख: 13-1-1987

प्रक्रप आहुः, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 13 जनवरी, 1987

निदेश सं० डी० ग्रार० 1702/85-86-----ग्रत: मुझे, श्रार० भारकाज,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह त्रिखाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मुल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ह<sup>®</sup>

ग्रौर जिसकी सं०41/1,41/3, तथा 42/2 है तथा जो उटोरडा-सालसिट गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनमूची में ग्रौर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बंगलौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 5-5-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमण प्रिष्ठिण के लिए अन्तरित की गर्ज है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में अम्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/ए।
- (क) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चारिए था. छिपाने में स्विधा के निए;

अक्षः अब , उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. हैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमारकल कारवालहो, श्ररोसिम,गोवा 2. श्रीमित इलडा मारि रेबल्लो, श्ररोसिम, गोवा, 3. यक्सॅक्युएल हेलेना यक्सैटकाश्रो कारवालहो, पणजी, गोवा, 4. श्री म्यान्यएल सिपलिसियो कारवालहो, पणजी, गोवा।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स महराणि गैस्ट हा उस, यूनिद श्राफलगूना रेस्टो-रेंट, जे-16, हौज खास, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृत्यी

दस्ताबेज सं 1299/85/86 ता० 5-5-86 सब सम्पत्ति का नाम नोश्रो, श्रफोरोमेंटो डि प्रयासेस ग्रडमेसरिंग 32-725 स्क्वे० मीटर्स मिचुएटड एट विलेज उटोरडा, विलेड पंचायत उटोरटा-मजोरडा-श्ररोसिस तालुक श्रोर सबडिस्ट्रिक्ट सालसिट श्रोर डिस्ट्रिक्ट योवा जिस सम्पत्ति का पूरा विवरण एग्रीमेंट तारीख 24-2-1986 का शेड्यल्ड में है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रक्ष क्षेत्र, र्वकोर

नारीख: 13-1-1987

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/4/37 इई/5-86/ 21--श्रतः मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मृत्य 1,00,000/-रु, से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए-2, जोथा खण्ड, एस-8, 28 फिरोजणाह - रोड़, में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध ध्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से. बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, ननई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम,1961 के श्रधीन तारीख मई, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सें, एमें दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिपि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में रुखी करने सा उससे बचने में स्विधा के लिए: वौर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अनः अस्, उसतः शिक्षितस्य की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) लाला गिरधर लाल मैमोरियल फेडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग, पई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) जे० के० इण्डस्ट्रीज लि० नई, दिल्ली लिंक हाउस, 3, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-2

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कारके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी कालपे :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें अधूलत शब्दा आर पर्दों का, जो उक्त अधिन चिनम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, ं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुमूची

श्रावासीय फ्लेट नं० ए-2, चौथा खण्ड श्रौर गैरेज नं० एस-8, बेसमेंट फ्लोर लाला गिरधर मैमोरियल श्रपार्टमेंट, 28, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

> डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

तारीच: 23-8-1986

# प्रकथ आहें.टी.एन.एक. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

### नारत सरकार

कावलिय, सहायक कायकर बाब्यस (निरीक्षण)

अर्जनरें ज-4, गई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर, 1986

निदेश मं० ग्राई० ए० सी० /एक्य्० 4/37ईई/5-86/22.— ग्रन: मझे. डी० के० श्रीवास्तव

श्रात: मुझ, डा० के० श्रावास्त्य श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इराजे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लेट नं० 808, श्रम्बादीप, 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर ग्रायकत (िरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-4, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम. 1961 के श्रधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्विवत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम को दश्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुम्मे यह निश्वास करने करने का कारण हो कि यथापूर्विकत संपत्ति की उचित बाजार मूक्य, उरावी दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक हो और अंतरक (वंतरकों) और अंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के सिए तथ पाया गया प्रति-कल निश्लीनित्त उद्देश्य से उवत वंतरण शिकित में अध्यक्तिक पर म अरोधत नहीं किया प्या है है

- (क्क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबस, सक्स अधिवियम औं अधीन कर दीने अं अन्तरक औं दासित्य में कभी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आद या किसी धंन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कियानियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वात्र, इत्यस अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरक में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिबित व्यक्तिमों, अधीत म्लब्स 3—466GI/86 (1) सैल्सबर्थ इण्डिया प्रा० लि०, 914, चिरंनजीव टावर, नेहरु प्लेस, सर्ड दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) तरेन्द्रासिंह माल्कन मिसेम मरीज साल्कन, मेसर्स एन० एम० माल्कन एण्ड अदर्भ सोनातोलिया टी गार्डन पो० स्रो० नार्थ नखीमपुर, श्रमम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिष्ध कार्यवाहियां करता हुं।

# उभत सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाकंध द---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ल) इस स्वा छै राथपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पक्ति में हिन्मकः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम दे अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. भो उस अध्याय में विशाणका है।

### अनुस्ची

फ्लैंट नं० 808, ग्रम्बादीप, 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तब मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

तारीख: 23:9-1986

सोहर:

प्ररूप बाइ . टी ् एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/4/37ईई/ 5-86/ 23—-ग्रतः मुक्षे, श्री डी० के० श्रीवास्तव

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परवात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 504, श्रम्बादीप 14, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त संपर्तित के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान वितिक्त के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मिति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पत्यह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया प्रतिकृत निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दलते में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी जाव वा किसी पन या जन्य जास्तियों अर्थ जिन्हां भारतीय अर्थ कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरही ब्बारा प्रशः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुरूषण अ लिए;

लत: प्रभा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक की, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) अंसल प्रापर्टीज एण्ड ईण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, श्रंसल भवत, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मास्टर भ्रतुल कुमार अग्रवाल यू०/जी०बी० श्रग्रवाल 22, मोती लाल नेहरु मार्ग, भिलाई जिला-दुर्ग, (एम०पी०)।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वता जारी करके पृथिक सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कर 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यां कित्यों पर स्थान की तासीं से 30 दिन की व्वधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर स्वींक्ष व्यक्तियों में से किसी करिन द्वारा.
- (क) इस स्थेना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किसी जन्म स्थित द्वारा, जभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .---इसमें प्रमुक्त बन्धी और पदी का, जो उन्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिशा सवा है।

### अन्सची

पलैट नं० 504, श्रम्बादीप, 14, के० ज़ी० मार्ग, नई **दि**ल्ली ।

डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नारीख]: 23-9-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.~-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरोधण) श्रर्जन रेंज-4, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सिम्बर, 1986

िर्देण सं० प्राई० ए० सी० /एक्यू०/4/37ईई/ 5-86/24— अतः मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 263-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,60,000/~रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लेट नंव 1502, अम्बादीप 14, केव जीव मार्ग, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेवीं णत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरें ज-4 नई दिल्ली में भारतीयरजिस्ट्रीकरण अधिनियम, के श्रधीन, नारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क वादित्व के कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, उपाने में स्विधा ही लिए;

(1) श्रंमल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) महेश चन्द्र श्रग्रवाल मिर्सस मीरा श्रग्रवाल, ग्याम सदन (नजदीक चांदमरी उसेन्टराय पोस्ट मथुरा (यू०पी०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त राम्पत्ति को अर्जन हे संबंध भी करोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औं भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियंभ के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

### अनुसूची

फ्लेट नं ० 1502, ग्रम्बादीप, 14, के ०जी ० मार्ग, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख : 23-9-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्याक्रय, बहायक वाय्कर वाय्कर (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 सितम्बर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० मी० /एक्यू० 4/37ईई/ 5-86/14—— श्रत: मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,

बाय्कर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० पलेट नं ० 1006, 10 स्वा खण्ड ग्रम्बादीप, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रेधिकारी के कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त, नई दिल्ली में (निरीक्षण), श्रर्जन रें ज-4 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, के ग्रेधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ने हुई किसी जाब की धाबत, उपल जिसम को नधीन कर दोने के बन्तरक के द्यां मस्त्र में अभी करने या बससे बचने में सुविधा के सिए; नडि:/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब , उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय - जिम्मीतिशिक व्यक्तियों - अर्थांक कर-

- (1) एम० सिरील मिर्सस जुडालाईन एम० बोरग्नाह, मिर्सस करीना ग्रो० बोरगोम (छोटा) मास्टर मार्क एवोंन्गोह यू०/ जी० मिसम जुडालाईन एव० एव० बोरगोह माता ग्रीर एन/जी द्वारा मिस डवेली निवास बबनपुर छावनी पो० ग्रो०- बहातुरपुर वाया जमानिया जिला-गाजियाबाद (यू० पी०)।
- (2) अमृत लाल सरता मिर्सस प्रेमलता सरता मिस्टर धर्मेन्द्र सरता, धीरज सन्ता भास्टर अशोक सरता छोटा यू०/जी० ए०एल०सरता (पिता एत०जी०) बीत्4/39, सफदरजंग एन्सलेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई ।

### उक्त सम्परित के कर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण:---इसमें प्रमुक्त शन्दां और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में विद्या गमा है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 1006, 10 वां खण्ड, ग्रम्बादीप, 15, कस्तूरबा-गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

> श्री० कें ० श्रीवास्तव [सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-4, नई दिल्ली

तारी**ख**: 23-9-1986

माहर:

### प्रकृष बाह्".टी. एस. एस. -------

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

# ध्यमिय, सहायक नायकार बाव्यत (विरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 सितम्बर 1986

निर्देश सं० स्नाई० ए० सी० /एवयू० /4/37ईई/ 5-86/ 26—स्नन: मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ज पलेट नं ज 809, हवां खण्ड श्रम्बादीप, 14, के जो जा मार्ग, नई दिल्ली, श्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय र्णजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 नः 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1986

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित स्थ्वोच्य से उक्त बन्तरण निष्ठित में वास्ताजक क्य से कथित नहीं किया ज्या है है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी मान की बाबत, उक्त महिन्दिम की सथीन कर बोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उसने नमने में दुर्दिका के किए; बाँड/बा

(1) प्रकाश एसोसिएटम, 110, मेचदूत 94, नेहरु फ्लेस,

(ग्रन्तरक)

(2) डा० श्रनिल मेहता द्वारा मिस्टर के० के० मेहता निवासी-डी-193, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काओप ह-

- (धं अस स्वता को राज्यन में प्रकावन की तारीस से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी स्थितयों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की स्वीध, जो भी अवधि नाम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स स्थितयों में से किसी स्थितत बवारा:
- (क) इस स्पा के राजपन में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सांपरित में हित्तबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए या सकों।

ल्बक्टीकरण : इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उत्स विभिन्यम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं कर्भ होगा, जो उस कथ्याय में यिया गया है।

### अनुसूची

प्लिट नं 809, 8वां खण्ड श्रम्बादीप, 14, के जी जी जागं, नर्ष्ठ दिल्ली।

> डी० के० श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) . के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीख: 23-9-1986

# प्रस्य कार्यः टी. एवः एव

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक गायकर बायकत (निरोक्षण)

ग्रजन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू० /4/37ईई/ 5-86/ 8—ग्रत:— मझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं कृषि भूमि गांव भद्दी, तहसील महरोली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1896

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित नाबार मृत्य असके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे बंतरण के जिए यम पाया नवा प्रतिक क्ष्य विश्वास से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी गाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उपक्ष अधिनियम, वा भनकार वीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जन्सरण भे. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री संजय लीखा सुपुत्त डा० हरबंश लीखा श्रजय लीख सुपुत्त डा हरबंश लाला लीखा ग्रौर डा० हरबंश, लाल लीखा सुपुत्त स्व० सलामत राय लीखा डी-62, हौजखास, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) ए० के० सूद सुपुत्त स्व० ए० एन० सूद, श्रीमित ग्रंजना सूद, पत्नि स्व० ए० एन० सूद श्रीर लक्ष्मीन सूद पत्नि ए० के० सूद, निवासी—2ए, शंकरराय मार्ग, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरिती)

# को का कार्य आही करके पूर्वोक्त कम्पूरित के वर्षक के किए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

# उन्ध सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेर्उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए वा सकने।

स्थव्यक्रियमः - इसमें प्रयुक्त घट्यां बाद पर्यो का, वां उक्त अभिनियम को अध्याय 20-का को परिकाणिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूचो

कृषि भूमि ताक्षादी 19 बीघा थाँर 11 बिस्वा खसरा नं 115/1 (1-16), 117/1 (2-6), 118(4-6), 119 (3-16), 120/1 (1-17), 2044/123(1-6), 2045/123(3-8) 125(0-16) माथ में ट्यूबर्वेल गांव भट्टी, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्सव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

तारीख: 23-9-1986

गोहर:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, विनांक 30 दिसम्बर 1986 निदेण सं० 2/मई/86-—श्रतः मुझे, ए० श्रार० रैड्डी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमूं इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 14, सेकेण्ड स्ट्रीट, डाक्टर तिमूर्ति नगर है तथा जो नुगंमवाक्कम, मद्राम-34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, थाउजन्ड लईस दम सं 211/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 18908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1986

को ध्वांवत सम्परित को उचित वाकार मृत्य से कम के कायमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्वोंक्त संपरित का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान के, एोडे दृश्यमान प्रतिफ न का नन्द्रह प्रतिकृत से विधिक हैं और जन्तरक (अन्तरका) बौर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच एोडे अन्तरण के लिए त्य पाया नया प्रतिफल निम्निजितित स्व्वोध्य से उनत अन्तरण किसित में अन्तिकिक कप से कथित नहीं किया यथा है हैं—

- (क) अन्तरण सं हुई फिली नाम की बाबत उक्त वाधि-नियम के बधीम कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किशी बाब वा किसी भन वा अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एउनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे किए।

(1) मिरिजा गोहमद जानाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० डी० एम० रहमद श्रलिया सहिबा ट्रस्ट । (श्रन्तरिनी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति की अर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस नुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

लिक्बीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का सक्त वीधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही नधीं होगा को उस नध्याय में विज्ञा गया हैं।

### भनुसूची

भूमि श्रीर मकान-सं० 14, सेकेण्ड स्ट्रीट, डाक्टर तिमूर्ति नगर, नुगमबाक्कम, मद्रास-34। (थाउलंड लर्डस-दस सं० 211/86)।

> ए० श्रार० ड्डी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रें ज-।।. मद्राम-17

अतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

नारीखा: 30-12-1986

प्रक्रम बाह्ये हो। एनः एकः 🕝 - -

दानकर लिधनियम, १९३५ (1961 का 43) काँ धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

the state of the s

भारत सरकार

# कार्यालय, वहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्राम, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

निदेश मं० 3/मई/86—अतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी, आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 17, नागेश्वर ध्रयर रोड, नगम्बाक्कम, मद्रास-34 में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ध्रौर पूर्णरूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, थाउजन्ड लईस दस म० 245/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन नारीज मई. 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण ते हुन्दं किसी आग की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीय कर दोने के अन्तरक के श्वनित्य में कभी करने या उससे वसने में मृत्यिका के सिएह बौद्ध/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ग्रांचिका वे निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) क अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) एम० नीलवणी श्रोर ग्रन्य।

(प्रलरक)

(2) एस० चन्द्रकला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कन व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनसची

भूमि श्रौर मकान—सं० 17, नागेण्यरा श्रयर रोड, नुंगम्बा-क्कम, मद्रास-34 । थाउजन्ड लईस—दस सं० 245/86

> ए० आर० रेड्डी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-॥, मद्रास-17

तारी**ख**: 30-12-1986

मोहरः

गया हा ै : - •

प्रारूप बार्ड दी एन ए।स. ५,०,०,०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के स्थीन सुधना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आध्यक्त (निजीक्षण)

श्चर्णन रेज, मब्रास

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

निवेश सं० 5/मई/86—-श्रतः मुझें, ए० श्रार० रेड्डी. आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते पश्चात 'उक्त ग्रिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 15, जगन्नादन रोड, नुगम्बाक्कम, मद्रास-34 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्रप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, थाउजन्ड लईस, दस सं० 274 से 277/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1986 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा

भूनोंक्त सम्परित का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रसि-

तक से एसे अध्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के सीच एसे अंतर् रण के लिए तम पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निनितित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आध की बाबत, उक्त जिमित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अधने में सुविधा के सिए; बरि/कर
- (ख) एंसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की. धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 4—466GI/86

(1) श्रीमित प्रतिमा रामगोपाल भ्रौर श्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) रोमर फेशन्स ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में, कोई भी आक्षेप :---

- (क) एस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त केट्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हरोगा जो उस अध्याय में विया गमा है १

# **मन्स्**

भूमि—सं० 15, जगन्नादन रोड, नुगम्बाक्कम, मेद्रास-34 (थाउजन्ड लर्श्वम—दम् सं० 274 से 277/86) ।

> ए० म्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जनरें ज-॥, मद्राम-17

तारीख: 30-12-1986

प्रकृष कार्य । द्रौत एक तु एक तु-----

नायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-न (1) में अभीन स्वना

### भारत बरकार

# कार्यांसय, सहायक भावकर भावकत (निरोक्तन)

श्रजैन रेंज-मब्रास

मब्रास, दिनांक 1 जनवरी 1987

निवेश सं० 9/मई/86— आतः मुझे, ए०आर० रेड्डी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'शक्त अधिनियम' अझ ज्या हीं), की थाए 269-ज के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारन हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० टी० एस० 11/41/1ए 1वी 1ए, है तथा जो संगनूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णे रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम—दस—सं० 2396/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास कर कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सम्यत्ति का स्थाप से कम से दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास कर कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सम्यत्ति का स्थार सुम्ब,

वसके क्यमान प्रतिकास है, एसे व्यवमान प्रतिकास का बन्धह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया इतिकास, निम्नसिवत बहुबदेव से उक्त बन्तरण सिविक्त से

वास्तमिक रूप से कमित नहीं किया गड़ा है ए---

- (क) बन्तरम वं हुइं किसी नाथ की बावस, उसस अधिनियन के नधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्स में कमी करने वा उससे बचने में मुक्तिभा के लिए; आरि/मा
- (क) ऐसे फिती साम या किसी धन या जन्म आस्तिनों का, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा वा किया जाना चाहिए चा, ज्याने में सुनिधा से किए)

बतः सम्, उन्त समिनियम की भारा 269-न से अनुसरण में, में, उन्त सिंपिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन, निम्मलिखिए स्पवितयों, सम्बद्धिस्तर (1) श्री ए० वेंगटाचलम चेट्टीयार झौर प्रन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० मनुबक्कर ग्रीर 4 ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना पारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन पे लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

# क्यत क्रमारित के वर्षन के क्रमान में कोई की क्राक्रेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यवितमों पर सूचना की तानींच से 30 दिन की नविध, को भी व्यविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितमें में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किवित में किसे का सकती।

स्वक्षीकरणः --- इतमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उचत विधिनयन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि मौर मकान--सं० टी० एस० 11/41/1ए 1बी 1ए (गांधीपुरम--दस सं० 2396/86)।

> ए०ग्रार०रेडडी सक्षम प्राधिकारा महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास-11

तारीख: 1-1-1987

प्ररूप आईं ,टी . एन . एस ,------

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज-II, भन्नास

मद्रास, दिनांक 1 जनवरी 1987

निवेश सं 0 10/मई/86—शतः मुझे, ए० भ्रार० रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० एफ० 1/ए, श्रानैमलै है तथा जो तिरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रानैमलै—दस सं० 19, 402 से 406, 408 श्रीर 409/86 में\_भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण विकित वास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उस्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उस्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्तत विजित्यों, अधीत, िस्स्स्स्य (1) श्रीमति श्रार० एम० मीनाम्बीगौ।

(ग्रन्तरक)

(2) लिल्ली इस्टेट ।

(मन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीस से 45 विन की जबिध मा तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक<sup>3</sup>मे।

स्पक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसुची

भूमि भ्रोर भकान—एस० एफ० सं० 1 ग्रानैमलै (ग्रानैमलै— दस सं० 19/86, 402 से 406/86 408 भ्रोर 409/86)।

> ए० भार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सञ्ज्ञायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रजैन रेज-<sup>1</sup>1, मद्रास-17

तारीच: 1-1-1987

मो**ह**र ६

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घृके अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

निदेश सं० 13/मई/86--श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्रारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/i- रत. से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 22, चिन्तया पिल्लै रोड, डी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्णरुप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास, साउथ दस सं० 1413/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1986 क्ये पृथीक्त सम्पत्ति के लिचत बाचार मृस्य से कम के दरयमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि यथा प्**राक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसक इस्यमान प्रतिकल से, एपरे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह धतिशत से अधिक (ैं कार अंतरक (अंतरका) और अंतरिती

(इंतरितियो) के बाच एस अतरण की लिए तय प्रधा गया प्रतिकल,

निम्निलिक्ति उद्दोष्य स उनत अंतरण लिखिल में बास्तिविक

रूप संकाधित नहीं किया गया है । ----

- (कः) अन्तरण सं हुन्द्र किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के विषय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त वॉभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० ग्रार० श्रीनिवासन ग्रौर भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्पना साई कृष्णा।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भरेतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . है, यही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया ही।

# भनुसूची

भूमि भौर मकान-सं० 22, चिन्नाया पिल्लै रोड, टी० नगर, मद्रास-17

(थाउजन्ड लईस--दस सं० 1413/86)।

ए०ग्रार०रे**इडी** सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (**निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-17

ना**रीख**: 30-12-1986

प्रस्प बार्ं. टी. एन. एस.-----

### भारत सरकार

# कार्याक्षय, सञ्चायक आयक्कर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्राय, विनांक 30 विसम्बर 1986

निदेज सं० 15/मई/86—ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 16, सारताम्बाल स्ट्रीट, गोकुलम कालिन, टी॰ नगर है थिया जो मद्रास में स्थि है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रगुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय टी॰ नगर वस सं 581/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम .

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1986
को पूर्वेक्स सम्पत्ति क उचित माजार मूल्य से कम के एश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्, एसं अयमान प्रतिष्क्र सं, एसं अयवान प्रावक्षक का
पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में
बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) लंबरण वंश्वाद किया बाय की बाब्ब, छक्त, ऑस्ट्रीनवय के लगीन कर वंगे के जनारक के दायित मां कती करने वा उक्षसं वृष्यं यो सुविधा के सिए; ऑस/स्र
- (थ) ऐसी किसी आयु या किसी धन या वन्य जासिसयों अनुकार आधीन्त्रभू, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अंतरिती ब्याया प्रकट नहीं किया की, जिन्हों आरसीय जायकार जीधीन्त्रम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या वस अप या किया जाया चाहिए था किया मा श्रीवाम की निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण का, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिन्निविश्वत व्यक्तियों, सभात अ-

(1) श्री जी० वसन्ता धौर भ्रन्यों।

(भन्तरक)

(2) श्री अध्लुरी प्रभावति ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन को निध कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भा कोर्ड भोजाक्षेप :--

- (का) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संवीध या तत्स्वस्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी नवधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों से 10 किया कि स्थान स्थ
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर जनते स्थावर सम्पत्ति में हिल वहुप किसी बन्य काक्ति दुनार, वधाहस्ताकारी र पास विविध में विकास ता सुकरें ।

स्थाव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयूक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त कथि।
नियम के अध्याय 20 के में परिभाणित हैं,
ही, क्ष्ण अर्थ हाप्ताओं उत्त अध्याय में दया
गया ही।

### अनुसूची

भूमि भौर मकान—सं 16, सारताम्बाल स्ट्रीट, गोकुलम कालिन टी० नगर, मद्रास-17 (टी० नगर; दस० सं० 581/86)।

> ए० भार० रे**ष्डी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख: 30-12-1986

मोहरः

# प्रकार मार् छ टौ. एन्ट एक . ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारो 269-च (1) को अधीन सूचना भारत सरकार

# भावांत्रच, सङ्घयक बादकार वायुक्त (विरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1986

कृतिदेज सं० 20/म ६/86—मातः मुझे, ए० मार० रेड्डी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिकः है

भीर जिसकी सं 0 234, टी 0 टी 0 के 0 वेड, भालवाटपेट, मद्रास- 18 में स्थित है (भीर इससे उपाधन भनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, मद्रास-सेन्ट्रजल दस सं 0 551/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 श 1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1986

को पृथा कि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों वत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उपत अधि-णियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविचा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती व्वारा प्रकट नहीं किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

जता अथ, उच्ने अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उच्ने अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिषित व्यक्तियों, जर्मात् ः— (1) श्री पी० देवराजन।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० ए० कादर ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबइथ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधात्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थळक्षिकं रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गमा हैं।

# अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान-सं० 234, टी० टी० के० रोड, ग्राल-वारपेट, मद्रास-18 (मद्रास सेन्ट्रल-दम सं० 551/86)।

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मजास-17

तारीख: 30-12-1986

प्रकृप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनोक 30 दिसम्बर 1986 निदेश सं० 22मई, 1986—श्रतः मुझे ए० ग्रार० रेडी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3, थांगल पतई, कलाक्षेत्र रोड, निर-वार्णमयूर, मब्रास-41 है तथा जो मब्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मब्रास सौउत दस० सं० 1500/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पक्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय्म की धारा 269-ए की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के एल रामदास

(ग्रन्तरक)

(2) चेन्सुरि कन्सट्रकशन्म

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृत्यी

भूमि सं० 3, थांगल पन्तई कलाक्षेत्र रोड, तिरवानीयूर मद्रास-41 (मद्रास- सौउत-दस० सं० 1500/86

> ए॰ भार० रेडी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

ता**रीख**: 30-12-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-II, मदास-17

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० 23 मई/86—ग्रतः मुझे श्री ए० ग्रार० रेडडी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रुठ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17/80, डा० राधाक्रुण्णन रोड, मद्रास-4 है जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास साउस वस०सं० 1599/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीम तारीख मई 1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्सह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आभ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः: अवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग कें, अन्धरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिनिक्त व्यक्तियों. अधितः:—— (1) श्रीमती जान्सी राणि

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० जिवराम

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्षियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि भौर मकान सं० 17/80, डा० राधाकृष्णन रोड, मदास-4, (मद्रास सौउन दस० सं० 1599/86)

> श्रार० रेडडी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, मद्रास

नारी**ख**: 30-12-1986

# **१७९ वार्य**् स्रीत् **एक**् एस्, जन्म

बाधकार व्योधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

# भारत बद्धकात्र कार्यासय , सहायक सायकर सायुक्त (निर्दाक्तक)

श्रर्जंन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निर्वेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/६/37ईई/5-86/63—श्रतः मुझे श्री टी० के० णाह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- राज्य से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० है तथा जी स्रपार्टमैंट वियरिंग नं० ट्रेस 6, ब्लाक सी−6, श्रीबराय स्रपार्टमैंट 2, जामनाथ मार्ग, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमे जपाबद्ध स्नृसूची मैं सौर पूर्ण रूप से वर्णित) है, कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रेंज−2 में भारतीय ∤रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम 1961 के श्रधीन तारीख मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल के, एसे द्रयमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय वाया चया प्रतिकल, निम्नसिसिता उन्देश्य से उक्त बन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) बंसरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स विधिनवन के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंडी किसी बाव वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धर्माजनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गण बा वा किया जाना चाहिए था, कियाने से सुविधा के किए।

जतः जयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकालिसिस व्यक्तियों अर्थात्:——
5—466GI/86

(1) श्रीमती इंदूबाला ढिल्लो, 2, स्याम नाय मार्ग, दिल्ली-110054।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दीपा शोरेवाला, ग्रीर श्रीमती कांसा देवी गुप्ता, 171 शिवाजी पार्क, रोड नं०5, प्रथम खंड, महिम, बस्बई-16

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई ।

# उक्त तम्परित के वर्षन के बस्वस्थ में कोई भी बाक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारिक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकीन।

स्थव्योकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अभिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वबाहै।

# **नन्स्**ची

श्रपार्टमेंट वियरिंग नें० ट्रेस 6, ब्लाक सी-11, श्रोबराय श्रपार्टमैंट में, 2 श्याम नाथ मार्ग, दिल्ली-54।

> टी० के० शाह सक्तम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज-6, नई ंदिल्ली

तारीख:15-1-1987

मोहर 🖫

प्रारूप आई. दी. एन. एस ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यास्य, सहारक नायकर नायुक्त (निरीजन)

मर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1987

निर्दोश सं० प्रार्ट० ए० सी०/एनय्/6/37ईई/5-86/64--प्रतः मुझे श्री टी० के० शह गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते पदधान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख हे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है क स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-उपसे से अधिकठ हैं

श्रीर जिसकी सं है तथा जो प्लाट ं एक्स एल-1/1यू ए चन्द्रायल रखेरी, दिफली 4975, वर्गफीट में स्थित (श्रीर समे उपाबद्ध श्रनूस्थी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित सहायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण) रेंज 6, भारतीय श्रायकर श्रिवियम 1961(1961 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह जित्रतं से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उनंस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती क्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थन् :-- (1) मे यनाईटेड प्रापर्टीज, 5 शकराचार्य मार्ग, सिविल लाईन्स. दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र कुमार गृप्ता मृपुक्ष लालाराम कंवर 2944, कूचा माई दाम, वजार मीताराम, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि गद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकरी।

स्थाचकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आं उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्यी

प्लाट गं० ए० स एल-1/1यू ए, चन्द्रावल रोड, विरुली-1 4975 वर्ग फीट $\hat{|}$ 

टी० के० शा ह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 15-1-1987

# प्रकार वार्ताः हो . वृत्तः, एक .--------

बावकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म.(1) के स्थीन स्थाना

### सार्व सरकार

# कार्यालय, तहायक बायकर वात्यक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/७/37ईई/5-86/ 65—ग्रतः मझे, श्री टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं है तथा जो प्लाट नं एक्स एल1/1-यू ए, चन्द्राबल रोड, दिल्ली प्लाट क्षेत्र 552 वर्गगज
में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्नौर पूर्ण
रूप से वर्णित है), सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
रेंज-6 में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961
के ग्रिधीन तारीख मार्च 1986

कां पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितंफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार कृष्य, अपने दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तम पाम जमा प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हर्ष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय जायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त निधनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजवार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा वे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० एल० पाहवा, ए-47, मल्का गंज, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) यूनाईटेड प्रोपर्टीज 5, शकराचार्य मार्ग, सिविल लाईन्स, दिल्ली-54

(भ्रन्तरिती)

# को नह सूचना आर्थ करके पूर्वोक्त संप्रतित के असीन के किए कार्यपाहिमां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की दानीय से 30 दिन की अवधि, बो जी विश्व की वार्य में समाप्त हाती हो, के भौतर प्रवेकर अधिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावण संपष्टित में हिटबद्ध कियी क्या व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास विविद्य में किए या सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में पारमाणिक हैं कही अर्थ शोषा को उस अध्याक में विका गया हैं।

### बन्द्यी

प्लाट गं० एक्स एल-1/1-यू ए, चन्द्रावल रोड, दिल्ली-1; तदादी 552 वर्ग गज।

टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायके स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-6, नई दिस्ली

तारीख: 15-1-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ुघ के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नंई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/37ईई/5-86/66---भ्रत: मुझे, श्री ढी० के० शाह,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

न्नौर जिसकी सं है तथा जो 1/8 वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली-9 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है)सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख मई 1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि यथाप्कोंक्त सम्मित का उपित बाजार मृस्य उसके क्ष्यमान भौतिफल सं, एंसे क्ष्यमान प्रतिफल का -भन्मह प्रतिकत से विधिक है और बन्तरक (बंधरकाँ) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एंडे बंबरण के किए तब पावा गया प्रति-क्षम निम्मितिबत उद्वेष्य से उक्त क्ष्यरण निष्तित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) बन्दाहल हो (हुई कियाँ नाम की नामुद्र बन्द्र विधिनवम के मधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्य में कभी करने ना क्याचे वजने में वृष्टिया के किए। सरि-/या
- ्च) एंबी कियों बाव वा कियों भग वा बन्त वास्तियों को, जिन्दी शारतीय वावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनियम, या भनकर व्यापिनवम, 1957 (1957 का 27) व्या प्रवोचनार्थ बन्दारिती बुवास प्रकट नहीं किया ज्या वा वा किया प्राथा नाहिए था, कियाने के क्रिकार वी किया:

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री जुगल कि शीर 28, साउध पटेल नगर, नई दिल्ली, श्री भारत मदान, जे-1854, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्री सहहनलाल बाही, 2 मिसेस उमिला बाडी 3 कुंदनलाल बाही, 1/9, बेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्म्यनाहियां कुक करका हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भीआक्षेप :--

- (२) इस ब्रुवना के रावपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्रुवन की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति दें।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षारी के पाव सिचित में किए या सकीने।

स्पष्टीक एण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत कौंचीनवम, को कंभ्याम 20-क में परिभाषित ही, बड़ी वर्ष होता को उस कंभ्याम की दिवा करा ही ।

### नपृत्वी

1/8 बेस्ट पटेल नगर, नई दिस्ली-9।

टी० के० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 15-1-1987

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/5-86/37ईई/67---श्चत: मुझे, श्री टी० के० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षमें प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार- मूल्य 1,00,000/। रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं हैं तथा जो डी-37, नारायना विहार, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत हैं) सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961(1961 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विज्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित याजार मूल्य, उसके इण्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरित (अन्तरितयों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे उन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वासतिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

- (1) विजय मेहता, डी-37, नारायना विहार, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० के० मल्होक्षा एंड संस (एच० यू० एफ०) सी-160, नारायना ग्रौद्योगिक क्षेत्र, केस-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना-जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अयिक्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृसुची

**डी**-37, नारायना विहार, नई दिल्ली।

टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

अतः अवः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख: 15-1-1987

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987 निदेश सं ब्राई० ए० सी०/एक्य ०/ ५- ८६/ ३७ईई/ ६८-श्रप्त: मुझे, श्री टी० के० शाह, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ⊪सको प्रचात् 'उक्त अधिनियम' काहा नया है"), की धारा 259-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार नस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है श्रौर जिसकी सं० है तथा जो 28 सी, अलीपुर रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रत्भुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक स्रायकर भायका (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दारीख मई 1986 की नर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान अक्षिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और अन्त-रित्ती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

(1) 1 सत्य प्रकाश अग्रवाल 2 वीना अग्रवाल, 3 संदीप अग्रवाल, 28 अलीगुर रीड, मिविल लाईन, विल्ली-541

(भ्रन्तरक)

(2) 1श्री श्रमिल मूल चन्दानी, जगदीश मूलवन्दानी, 3 नी मूलचन्दानी, 4 पुष्पा मूलचन्दानी, 10 0 बनारमी दास एस्ट्रेट, मिबिल लाईन्स, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी ख़ाक्ष्म : --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वा है।

#### नगृज्ञी

28-सी, ग्रलीपुर रोड, सिविल लाईन, दिल्ली।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह्र—

नारीख: 15-1-1987

# प्रकम बाह्रें हो , एत. प्र. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालयः, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज 6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवर 1987 निदेण मं० प्राई० ए० सी०/एक्य्/37ईई/5-86/69-अत: मुझे श्री टी० के० साह

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अभिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायद्र सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं है तथा वे प्रथम खंड, 9, राज-नारायन रोड, दिल्ली में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्व रूप से वर्णित है) सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के श्रधील तारीख मई 1986

कों पूर्वे तस सम्बंधि को उपित बाबार भूका से कन को व्ययमान प्रिक्तिल को सिए अन्तरित की नहीं ही और मूझे यह विस्थान करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूच्य, उसके व्ययमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का नंक्त प्रतिकृत वे अभिक ही और नतरक (जेतरका) और जंतरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे बन्तरण ने तिए तब बाया नवा प्रतिकल निम्नीसिवित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित में बालायिक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्यरण वे हुई किसी नाय की बायत, उन्ह नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तते बचने में सुविधा के किए; बीर/या
- (वं) ऐसी किसी भाग वा किसी धन या बन्न बास्तियों की बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकद बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षणार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, वर्षी ---

- (1) मैसर्स ग्रेशम एंड कम्पनी 1/1, रुपनगर, दिल्ली। अनीरक)
- (2) श्रीमती भूषिन्दर कार ग्रांर गरववन सिंह चन्दोक ए-39, श्रोवराय ग्रपार्टमेंट, मिविल लाईन्स, विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पात्त के अर्थन को लिख् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाकरें :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी सबिंध नों सं संग्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य स्थितयों में से विक्री स्पीक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र को प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संस्थित को हितककृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास तिस्ति को किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

## अनुसूची

प्रथम खंड, 9, राजनारायन रोड, नई दिल्ली।

टी० के० जाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

विनांक 15-1-1987 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269- थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 15 जनवरी 1987

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्/37ईई/5-86/69-ए-ग्रत: मुझे श्री टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं बुकान नं जी-1 है तथा जो 15 प्रीतिबहार कम्युनिटी सेन्टर दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) साविती पर्टीज(प्रा०) शिमटेड, जी-5/92, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019।

(भ्रन्तरक)

 (2) सुस्मा सिगला व मनोज सिगला, नवयुग स्टोर एम-2, ग्रेटर कैलाश, मार्किट ने० 1, नई दिल्ली-110048।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बुकान नं० जी-1, 331 वर्ग फीट, प्लाट नं०-15; प्रीप्त बिहार कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

अतः अन्, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्थितसयों, अर्थात् :---

तारीख: 15-1-1987

मोहरः

## प्रस्थ बाइं. टी. एन. एस . -----

# भागकर वीधनिवस्, 1961 (1961 का 43) की धादा 269-च (1) के बचीन सूचना

#### तार्व चरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-6, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1987
निवेग सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्/37ईई/5-86/69बी---

ग्रत: मुझे,श्री टी० के० साह

जानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रधात् 'उन्त अभिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-ज के जभीन सकाम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का काल्य है कि स्थावर सम्पत्ति, निस्ता उचित बाजार मृत्य बाजार मृत्य बाजार मृत्य बाजार मृत्य वाजार मृत्य वाजार मृत्य वाजार मृत्य

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० जी-2 है तथा जो 15 कम्युनिटी सेन्टर प्रीत बिहार विल्ली में स्थित हैं । (श्रीर इससे उपाबक ग्रंगसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), सहायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर ग्रायकर ग्रायकर

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूक्य से कम के क्षमधान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे व्हयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल गिम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सें हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए:

मतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) साविती प्रापर्टींज प्रा० लिमिटेड, जी-5/92, नेहरू प्लेस नई दिल्ली-110019।

(भ्रन्तरक)

(2) सूष्मा सिंगला व मनोज सिंगला, नवयुग स्टोर एम०2, ग्रेटर कैलाश, मार्किट-1, नई दिल्ली-110048।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

## जनत सम्मणि के धर्मम के सम्मन्य में कोई भी शाक्षेत्र 🏎

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कार्यकारों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ण) दक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिव-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुत्रवी

दुकान नं० जी-2, 310 वर्गफुट प्लाट नं०-15, प्रीत विहार कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैंन रेंज-6, नई दिल्ली

नारीख: 15-1-1987

प्ररूप आह. टी. एन. एस. ---- -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1987

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू/6एसआर 1/5-86/606 ध्रत: मुझे श्री टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें सिकं परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विष्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार स्ट्रूप 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो प्रापर्टी नं० 7ए, किमश्नर लेनश्रायकर उषा नारायन मार्ग सिविल लाईन्स दिल्ली में स्थित है(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है)रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1986

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्चोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मूम्य, उसके स्थापना प्रतिफल के एंथे स्थापना प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के धीय एंसे बन्तरण के किए तब पाना बचा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबंक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुए किसी बाद को बादत, उक्त बहिए-विवय में नथीन शर देने के बंतरक के दावित्व में कर्ती करने दा उचते दचने में सुविदा से शिए; बॉर/श
- (ण) ऐसी किसी बान वा किसी वन वा बच्च वास्तियों की बिन्हें भारतीय मायकार जिल्लिया, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर जीधनियम, या धन-अन्य मधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोधनार्थ वंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंवा या वा किया वाना वाहिए था. कियाने में सुविका की लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नारायन ध्रौर ब्रुजेश नारायन, सुपुत्र स्व० कृपा नारायन एस० एटोरनी ध्रपना भाई ध्रौर तीन बहुने श्री राजेश नारायन मिसेज मिना, मिसेज उमिला ध्रौर मिसेज इन्दिरा निवासी 32, फेंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी देविन्दर कुमार निवासी 13-डी कमला नगर, दिल्ली 2 विवेक दत्त सुपुत धर्मदत्त 2/1, कोर्ट लेंन दिल्ली(राजपुर लेन) 3. कृष्णा गुप्ता पत्नी लीलाधर निवासी 2613 जे फासिल, नया बाजार, दिल्ली 4 श्रीमती सुशिला गुप्ता पत्नी डा० एल० पी० गुप्ता, 125-ई, कमला नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थार के स्वापन में प्रकाशन की तारीय से
  45 विन की नवींचे या संस्थानकी व्यक्तियों पह
  स्थार की सामीन से 30 दिन की नवींच, वो भी
  नवींच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित
  व्यक्तियों में से किसी स्पतिस द्वारा
- (व) इस पूचना के शावपन में अकावन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास किदिन के किस का देवींचे के

रचण्डीकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों बीड़ पदों का, को उपस वृधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होता को उस बध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूचीं ,

प्रापर्टी नं० 7-ए कमिश्नर लेंन, ग्राजकल क्रुपा नारायन मार्ग, सिविल लाईन्स के नाम से जापी जाती है।

> टी० के० शाह सक्षम श्रिष्टकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 15-1-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जनरें ज-6 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/६/एस० भ्रार०-1/ 5-86/619——भ्रत: मुझे टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रापये से अधिक हैं

और जिसकी सं० बिल्डिंग प्लाट नं० 220 ब्लाक एफ० 800 वर्ग गज मानसरोवर गार्डन क्षेत्र बसई वारापुर विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से बिणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मई, 1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे ट्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष्य से मुक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बादरा उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना धाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) एस॰ बहादुर सिंह बन्ना सुपुन्न एस॰ हरबंश सिंह बन्ना एफ-220 मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली । ुं(ग्रन्तरक)
- (1) श्री असवन्त सिंह भसीन सुपुत्र गुरदयाल सिंह भसीन और परविन्द्र सिंह भसीन निवासी——8/113 रमेश नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि शा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थाककोक रणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदेश गया हैं।

## **ब**न्स्ची

बिल्डिंग प्लाट नं० 220 ब्लाक एफ 800 वर्ग गज स्थित मानसरोवर गार्डेन क्षेत्र बसई दारापुर, विल्ली राज्य, दिल्ली।

> टी०के० माह सक्षम प्राथिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-6; नई दिस्ली

तारीख: 15-1-1987

मोहर 🖫

## प्रकृत नार्क हो । द्रम् , द्रम् , -----

# बासकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक भागकर नागुक्त (निर्दोक्षण) धर्जन रेंज-6 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू० /6/एस० श्रार०-1/ 5-86/621—-श्रत: मुझे टी० के० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाबार मुस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्राईवेट प्रापर्टी नं० 2-ए और 1 श्राउट श्राफ प्रापर्टी बीयरिंग एम० सी० नं० 2 श्रन्डरहिल रोड दिल्ली 425 वर्ग गज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित क्लजार मृत्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्रीमिति शकुन्तला गुप्ता पत्नि बी० एस० गर्ग निवासी—— 2 श्रन्डर हिल रोड, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित गंगावेबी सामू पितन रामितवास जी सानू निवासी 45/4 रेस कोर्स रोड बंगलौर 2. दयमन्ती सानू पितन गारायण प्रसाद सानू 3. दिनेश कुमार सुपुत डी॰ पी॰ सानू 3/2, जीवन विहार, बम्बई। (श्रन्तरिती)

# का वह सूचना पारी करने पूर्वोक्य सम्मण्डि के संस्था के सिंहर

## रक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों ,पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी, अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पत्नशिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

#### Secretic Sec

प्राईवेट प्रापर्टी नं० 2-ए और 1 म्राउट म्राफ प्रापर्टी बीयरिंग नं० एम० सी० नं० 2 अन्डरहिल रोड, दिल्ली, क्षेत्र तादादी 425 वर्ग गज।

> टी० के० गाह सक्षम प्राघिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 15-1-1987

# क्षा बार्ष हो। हुन्। हुन्।

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यात्रव, तहायक वायकतः वावृत्रतः (निर्देशिय)

श्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०[/एम्यू०/6/एस० श्रार०-1/5-86/622-श्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी सं० प्राईवेट प्रापर्टी मं० 1-ए, भ्राउट भ्राफ प्रापर्टी मं० 2, भ्राउट हिल रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मई 1986

श्ली धूर्वीक्त संपत्ति के जीवत बाबार बृश्व से का के क्यामार्थ श्रीतपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास अर्थ का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार सूख उसके क्याबाद बहियान है, ऐसे वश्यामा बहियान का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्ध्रितिकों) के बीच ऐसे बन्तरण के क्या पन पाना ग्वा प्रतिश्वत, निम्नितिकां उनुविक्त से अध्य व्यवस्था विक्रित में श्रीतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त सिधियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था वा किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन् :-- (1) श्रीमती शकुन्तला गुप्ता परिन बी० एस० गर्ग 2 श्रन्डर हिल रोड दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती किरन देवी साबू पितन के० के० साबू 2. विनोद कुमार साबू भुपृत्न झार० एन० साबू, पता—
नं० 1, 642 कटरा हरदयाल चान्दनी चौक दिल्ली-2, पता—3/2 जीवन विहार 5 मानव मन्दिर रोड, मालाबार हिल, बम्बई।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्षित द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अनुसुची

प्राईवेट प्रापर्टी नं 0 1-ए, श्राउट श्राफ प्रापर्टी नं 0 2, श्रन्डरहिल रोड, सिविल लाईन, दिल्ली, क्षेत्र 425 वर्ग गज ।

> . टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-6, नई दिल्ली

तारीख: 15-1-1987

# प्रकार वार्ड, हो पुरा पुरा पुरानाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### नारत चरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 15 जनवरी 1987

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /6/ एस०आर०-1, 5-86/623--अत: मुझे; टी० के० शाह,

बायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाबार बुज्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० प्रापर्टी की होल्ड प्लाट नं० 36, रोड नं० 6, पंजाबी बाग क्षेत्र बसई दारापुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण प्रथिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, बृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उचत अन्तरण विद्यास्तरिक स्प से कथित नहीं किया यदा है द

- (क) अन्तरक ते हुई किसी काव की, बाबत, जनत विधिनियम को अभीत कर वेमे को अन्तरक को दायित्व में कमी करते वा उससे वचने में सुविधा के सिद्द; बॉर/वा
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय नायकर निधनित्रमं, 1922 (1922 का 11) या सकत निधनियम, वा धन-कर निधनियम, वा धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्हरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सृथिधा के निए;

अतः क्या, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री एस० गृरवचन सिंह और जसबीर सिंह सुपुत्र एस० मेहर सिंह 36/66 पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश गुप्ता सुपुत्र मोहन लाल गुप्ता (डिसेंड)
  2. श्रीमित सुधा गुप्ता पितन श्री सुरेश गुप्ता, नागोरी
  गेट हिसार (हरियाणा)।
  (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टींक्स सम्पत्ति के अर्जन के ियए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क की बाह्मेप रू-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए का सकति।

ल्लाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, से विभाव 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका विश्व हैं

## **अनुसूची**

प्रापर्टी फी होल्ड प्लाट पर बनी प्लाट नं० 36, रोड नं $0^{\circ}$  66 एम० जी० नं० 361: 77 वर्ग गज पंजाबी बाग क्षेत्र गांव बसई दारापुर दिल्ली राज्य ।

टी० के० शाह सक्षम प्रीधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

तारीख : 15-1-1997

## प्रस्य बाह्ये ्टी ः एष् ः प्रस्\_ान्त---=---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/6/एस० ग्रार०-1/ 5~86/630--ग्रत: मझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपयं से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 32, रोड सं ० 73, पंजाबी धाग नई दिल्ली क्षेत्र बंसई दारापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रम्तुची में पूर्ण रूप से विणित है,) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई 1986

न्ने पृथा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्वः में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ग्रनिल मोहन सहगल सुपुत्र स्वर्गीय श्री मनमोहन नाथ सहगल निवासी—32/73, पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बचन कौर पत्नी श्री मदन लाल चावला श्री ग्रशोक चावला ग्रौर श्रमिन चावला सुपुत्र मदन लाल चावला । निवासी—1338, 1339, फेजगंज, गली सं० 3, बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली ।

(म्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में व्याप जा सकरें।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

हाउस म्रान प्लाट सं० 32, रोड सं० 73, पंजाबी बाग क्षेत्र गांव बसई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15−1−87

प्रकृत आर्मा . ही . एत . एस . ------

बावकार विधिनिधन, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) के नधीन ब्याना भारत सरकार

कार्याजय, सङ्गयक वायकर वायुक्त (निर्हाक्तिन)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 जनवरी 1987

निर्धेंग सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/6/5-86/एस० श्रार०-1/631---श्रत: मुझे, श्री टी० के० शाह,

-बानकर मिनिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गना है), की भारते 269-च के मिनि स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर स्म्यत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रावासीय काटेज सं 4, पिछली शरफ का भाग प्रापर्टी नं 5/4—बी, पूर्व क्षेत्र 1075 वर्ग फीट रूप नगर, है (श्रीर दिल्ली इस से उपाबद श्रमुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन दिनांक मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पृति के उणित बाणार बृत्य से कम से सब्धाय प्रितिफल के लिए अंतरित की नहीं हैं और मुक्के वह विश्वास कारने का काराण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पृति का उत्थित पाचार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नलाइ प्रतिख्त से अधिक हैं और अंतरक (बंतरका) और बंतरिती 'बंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा बना प्रति-फल निम्मितियाँ उप्रवेश से उक्त बंतरण मिसित में वास्त-विक कम से क्षित नहीं किया नवा है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विपिन्ध्य के स्पीद कुछ दोने के बंदहर में वायित्व के कभी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) मैसर्सं पूरी बंगा एसोसिएट्स 5/4, रूप नगर, विस्ली पार्टनर द्वारा श्रीमती राजपुरी पत्नी कें के के पूरी निवासी 7/26, रूप नगर,
  - (2) विजय बंगा सुपुत्र बनारसी दास बंगा स्वयं तथा एटोरनी माता कैलाश रानी 17/35, णिक्त नगर, दिल्ली । (प्रन्तरक)
- (2) श्रीमती महावेबी पत्गी स्वर्गीय किशन लाल 13/26, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

कार कह जुलाना जारी कारके पूर्वोक्त सञ्चलि के अर्थन के स्थित कार्यवाहिकां कारका हुई॥

उनत सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचवा की सामीस से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यमों में से किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बहुध किसी अन्य स्थावित द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में हैंकर जा ककेंगे।

श्यक्यक्रियम :--इसमें प्रयुक्त शब्दों अष्ट्रियदों का, श्रो उक्त वीभीनयम के वश्याक 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया यस हैं।

## अनुसूचीः

भ्रावासीय काटेज सं० 4, प्रापर्टी का पिछला भाग सं० 5/4-बी पूर्व क्षेत्र 1075 वर्ग फीट, स्थित रूप नगर, दिल्ली ।

> श्री टी० के० जाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अन, उन्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 15-1-87

वेहर:

प्रकृप वार्षं.टी.एन.एस.------

कामकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत तरकार

कर्मात म, सहायक आयकर आयुक्त (सिरीक्षण) प्रजित रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

िंदेण मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यॄ०/६/एम० ग्रार०⊷1/ 5—86/632——श्रतः मुझे, श्री टी० के० शाह,

'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 /- रह. स अधिक है

श्रीर जिसकी सं 5/4 व, रूप तगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिबीन, दिनांक मई, 1986

भी पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान मिल्र के लिए अन्तिरत की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है बाँर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बौच एसं अन्तरण के लिए तय पत्या गया प्रतिफल, निम्मलिचित नष्या य उक्त अन्तरण कि लिए तय पत्या गया प्रतिफल, निम्मलिचित नष्या य उक्त अन्तरण कि लिए तय प्राया गया प्रतिफल के प्रमुखिक क्षेत्र के किया गया है :---

- (ा) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की बावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आप रा किसी भग या बस्य आसितयों कां, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अस्तिती ददारा उक्ट नहीं किया गया था या किया शना चाहिए था, छिपाने र रिविधा के लिए.

ति: शब, उक्त अधिभियम को धारा 269-ग के बनुसरण में. में तक्त सिधिनियम की धारा 269-घ की जाभाग (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यंक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पुरी बंगा एसोसिएट्स 5/4- ब रूप नगर, द्वारा श्रीमती राजपुरी पहली के बे के पुरी 7/26, रूप नगर दिल्ली 2. विजय बंग। सुपुन्न बनारसी दास बंगा, श्रीमती कैलाश रानी 17/35, शक्ति नगर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुणील कुमार जैन मुपुत्र प्यारे लाल जैन 2- श्रजि जैन पत्नी मुनील कुमार जैन 3/367 रूप नगर, दिल्ती ।

(ग्रन्तरिती)

कं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अवन्त के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्त किसी बन्य स्थित इवारा जधोहस्ताध्यति के पास लिखित में किए था सकतेंगे।

स्थब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हो।

# वनुसूची

श्रावासीय काटेज वियरिंग प्रां० नं० 2, सामने की तरफ प्रापर्टी भाग सं० 5/4—बी. पूर्ण घेरा क्षेत्र ▶075 वर्ग फीट ग्राउण्ड फ्लोर 1075 वर्ग फीट प्रथम खण्ड श्रौर 383 वर्ग फीट दूसरा खण्ड, स्थित रूप नगर, दिल्ली ।

> श्री टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्ष (विरोक्षण), ग्रजैन रेजे–6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-87

## क्रम्य बार्व ही एम एस ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज--6, अई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं आर्ड ए० सी ० / एक्यू ० / ६ / एस० आर० – 1 / 5 – 8 ६ / 6 33 — अत: महें, श्री टी ० के ० शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 - ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.30.000 / - रा. से विधिक हैं

श्रौर जिसकी सं श्रावासीय काटेज सं 3, बैंक साइड का भाग शापर्टी सं 5/4-त्री, रूप नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रगसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 श्रा 16) के श्रधीत, दिन्क मई 1986

1908 (1908 आ 16) क श्रधान, दिनक मह 1986 को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इपयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एक्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत स अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिति (अंतरितिया) के बीच एम अन्तरण के लिए उच पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निम्बत में बास्यविक रूप से कथिल नही किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, विन्हुं भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1927) का 11) ए। उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अन, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिखित व्यक्तियों, अथित्:—— (ग्रनीरक)

(2) श्री रमितिक लाल मोरिदिया सृपृत्र तारा चन्द 2. श्रीमती किरन देवी 43, बंग्लो रोड, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उभत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कांग्रें भी जाक्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

श्रावासीय काटेज मं० 3, बैंक साइड का भाग प्रापर्टी गं० 5/4बी, रूप नगर, दिल्ली ।

श्री टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण), स्रर्जन रेज--6, दिल्ली, मई दिल्ली

दिनांक : 15-1-87

महिर्

# प्रस्त सहिं हो, एप , एप . =====

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सूचवा

#### भारत तरकार

# कार्यासय, तहायक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेज सं० आई० ए० सी०/ए यू०/6/एस० आर-1/5-86/635—आत: मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ज्लाट सं सी-4/17, माउल टाउन, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में) पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिक। री के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षत्रधान अतिक को निष् अन्तरित की नई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके क्ष्यमान प्रतिफल से एते क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और वह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निष् सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में नास्तिवक रूप से क्षियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण संहुद किसी बाव की बावत । धक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व तिय; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियस, वा धन-कः अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से जिए।

बतः अव. उक्त विभिनियम की धाडा 269-व की बनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की धाडा 269-व की उपधारा (1) को मधीन, निम्निसित्तित व्यक्तियों, अर्थातः —

- (1) श्रीमती माया देवी पत्नी स्वर्गीय टेक चन्द िवासी—1841 गली गं० 9, गांधी नगर, राजगढ़ कालोनी, दिल्ली—2 नेष्ण कुमार 3 सुरेण कुमार 4. दीपक श्रग्रवाल 5. मोहन लाल 6. मुनील कुमार 7. ग्रिनल कुमार सुपुत्र स्वर्गीय टेक चन्द निवासी—1841, गली नं० 9, गांधी नगर, राजगढ़ कालोनी दिल्ली 8. श्रीमती राजश्री एलयास श्रीमती राधा देवी पत्नी एम० एल० गुष्ता डा०—45, राना प्रनाप रोड, ग्रादर्ण नगर, दिल्ली—9 ग्रानीता गुष्ता एलयास श्री देवी पत्नी ग्राप्तीक गुष्ता प्रनास क्षी देवी पत्नी ग्राप्तीक गुष्ता (ग्राप्ता प्रनास क्षी देवी पत्नी ग्राप्तीक गुष्ता (ग्राप्ता एलयास क्षी देवी पत्नी ग्राप्तीक गुष्ता (ग्राप्ता एलयास क्षी देवी पत्नी ग्राप्तीक गुष्ता (ग्राप्ता एलयास क्षी देवी पत्नी ग्राप्तीक गुष्ता (ग्राप्ता हिवासी—एल—1/48, ग्राप्तीक, लखनऊ, दिल्ली ।
- (2) श्रीमती रामा रानी पत्नी रामिकशोर गोयल श्रौर 2. हरि श्रोम गोयल सुपुत रामिकशोर गोयल सी-1/20, माडल टाउन, दिल्ली -1 (श्रन्तरिती)

( -- ... ... )

कां यह सूचना जारी करके पूर्व नेत सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

## उपर सम्मरित के नर्पन के संबंध के कोई भी शासपे ह----

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की: वयधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पण सूचना की तामी? से 30 दिन की अवधि, पो की अवधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी अत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

रक्षकीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटाँ का, जो उक्त जिल्लीनयम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भन्स् ची।

प्लाट सं० सी-4/17, माडल टाउन, दिल्ली ।

टी०के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-6, न**ई दिल्ली** 

दिनांक: 15-1-87

मवेहर :

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . . . . . . . . . .

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेज सं० भ्रार्थे० ए० सी०/ए यू०/6/एस०-भ्रार०-1/ 5-86/636--भ्रतः मझे, श्री टी० के० जाह,

आवकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उन्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं प्रापर्टी सं 14/32, ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रतुमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1986,

को पूर्वोक्त सम्मिक्त के उचित बाजार मून्य से काम के क्याबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त व्ह तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की वावस, उनस बिधिनवन कं बधीन कर योगें के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एखी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरिश्ययं की, जिन्हें भारतीय जानकार विधिनियमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, या धन-कार विधिनियमः, 1957 (१९57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., कियान स्विशा से विश्राः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) (1) श्री एस० पी० सच्चर एस० जी० पी० ए० के० जी० सच्चर, ब्रिगेडियर, एन० पी० सच्चर के० ग्रार० सच्चर वाई० पी० सच्चर निवासी—14/32, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्थरक)

(2) 1. इन्दरजीत पापली 2 स्रशोक पापली 14/32, ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली । ( स्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तुचना के राजपण में प्रकाशन की तारिंश स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध कि बी कन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सकेंगे!

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस स्थाय में ि स्वाहैं॥

# अनुसूची

प्रापर्टी सं ० 14/32, ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली

टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-87

# इक्ष्यु सहार्षेत् हो । एव । एव । ००० ०

# मात्रकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर बाब्क्स (निरीक्क)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्गी, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश र्मं० भ्रार्टल ए० सी०/एक्यू०/6/एम० म्रार०-1/ 5-86/637---भ्रत: मुझे, श्री टी० कें० याह,

आयकार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (िएसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं कादादी 1057.78 वर्ग गज है तथा जो प्लाट मं क 7, रोड सं क 78, पंजाबी बाग, में स्थित है (और इसमें उपाब इ अमुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1986, को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्टरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, चिम्नलिखित उद्देश्य में उत्तर अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं िकिसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्वि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अत: अत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण गे, गे, अक्त अधिनियम की धारा 269 भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री विदयाधर, एम० सी० वर्मा श्रीर जे० सी० वर्मा सुपुत श्री तारा चन्द निवासी---12/33, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स सत्यानन्द आर्या द्वारा और मैंनेजर सत्या नन्द आर्या 2. मैंसर्स नरेन्द्र कुमार श्रार्या द्वारा और कार्ता. मैंनेजर नरेन्द्र कुमार श्रार्या प्लाट सं०-7, रोड 78 पंजाबी बाग नई बिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावित सम्पत्ति के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हुं।

बच्च सम्मणि के नजंत के सम्बन्ध वी कार्य भी कार्योग :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विम को नवधि या तत्सन्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामीज से 30 विन की नवधि, को भी नवधि धाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्वर व्यक्तिस्तयों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बद्ध किसी कच्च स्थानत ब्वाश नवोहस्ताक्षरी औं पास विशेषत में किए जा सकोंगे।

रच्या करणः ----- इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, यो उनक विधित्तवस्त, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं सर्थ होता, यो उस सध्यास में विका क्या हैं।

#### मन्त्रकी

प्लाट सं० 7, रोड सं० 78, स्थित पंजाबी बाग, तावादी 1057, 78 वर्ग गज गांव वसई दारापुर, विल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

विनांक : 15-1-87

## **हरू वार्-\_टी.ए**न.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्रार−1/5— 86/638—-श्रत: मुझे, श्री टी० के० लाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंब रसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा वया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/-उ में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2-1/2 स्टोरी मकान सं० 7/21, ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अधिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास इस्ने का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के क्लूड़ प्रतिकास से अधिक ही बाँद बन्तरक (बन्तरकों) और इंनिस्ती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित के बास्तिक क्लूड़ बन्तरक के तिए तय पाया

- (क) अन्तरण है हुइ किसी नाय की बाबत, उत्तर अभिनियम को लधीन कर दोने वे अन्तरक अ दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुधिधा के अन्द; बाँड/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी ६ प्र या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

नतः सव, अक्त अधिनियम की भारा 269-न सै सन्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सोबी नियगी
   निवासी 7/21, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली ।
   (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनवीप कुमार स्याज्ञ निवासी 7/21, (जी एफ) ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्येक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सरीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबक्ष किसी अन्य स्थिति इसारा अधिक्रस्ताक्षरी के पास निमान में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होना वो उस जध्याय में विधा गथा हैं।

## मन्त्ची

2-1/2 स्टोरी मकान सं० 7/21, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ' ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-87

# प्रकप नार्च . डी . एन . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सृ**य**ना

#### शाहत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/६/एस० श्रार०-1/5-86/639--श्रतः मुझे, टी० के० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की भारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य
1,00,000/ रा. से अधिक हैं
और जिसकी सं प्रापर्टी सं० सी०-5/5 माडल टाउन दिल्ली,
नादादी 254.66वर्ग गज क्षेत्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना के कार्यालय
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का
16) के ग्राधीन दिनांक मई 1986

को पूर्जीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने जा कारण है कि सथापूर्जीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिखत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भाग की शबत, उभत क्रिंपिनयम के अधीन कर दाने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा औं लिए;
- सतः वव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ♦ अजन, निस्त्रीलिक्त व्योक्तमों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती राजजनी पत्नी राम मोहन और श्रीमती बीना रानी पत्नी बुज मोहन निवासी --सी०-6/3, माडल टाउन, दिल्ली । (अन्तरक)

And Alexander of the Control of the

(2) श्री गोबिंद लाल और महिन्दर नाथ मुपुत्र स्वर्गीय गुरदीता कालू डी-14ए/13 माडल टाउन, दिल्ली । (ग्रन्नरिनी)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविध मा तरांदित अपित्रमाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वास्त्रों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वां) इत भूषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी खं पास लिखित में किए वा स्केंगे।

स्पच्यीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, यो उक्त व्यक्षितियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### यगस्त्री

प्रापर्टी सं० सी-5/5, माडल टाउन, दिस्ली नाव।दी 254.66 वर्ग गज क्षेत्र ।

> टी० के० माह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–6, नई दिल्ली

विनांक : 15-1-87

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-6, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 15 जनवरी 1987

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 श्रविभाज्य शेयर प्रापर्टी सं० एफ 13/9 माइल टाउन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाद श्रनुसूची भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रिष्ठीन, दिनांक मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितः बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बाल्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) 1 श्रीमती उपा टंडन पत्नी श्री पन्ना लाल टंडन 2. श्रीमती श्रनीता टंडन पत्नी किशन किशोर टंडन 3. श्रीमती रंजना टंडन पत्नी श्री कमल किशोर टंडन निवासी-40, कंधारी रोड, आगग-282002 यू० पी०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन सिंह मृपुत्र हरनाम सिंह निवासी—-एफ-3/3 साडल टाउन दिल्ली । (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पक्षों का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 ग्रविभाज्य शेयर प्रापर्टी मं० एफ०-13/9, माडल टाउन दिल्ली । क्षेत्र : 112.5 वर्ग गज ।

> टी० **के**० साह् मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–6, दिल्ली नई दिल्ली–110002

दिनांक : 15-1-87

प्ररूप मार्च, टी. एव एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भनः

#### भारत सरकार

# खाबाबय. बहारक मामकार भागुमत (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 15 जनवरी 1987
निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/5-86/646-एस० ग्रार०-1--श्रतः मुसे, श्री टी० के. शाह,
बायकर विभिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसमें
इसमें परवात् 'उक्त विभिनयम' कहा नवा हैं), की धारा
269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभ्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य
1,00,000/- रठ. से ब्रिधिक हैं

और जिसकी सं 1/4 श्रविभाज्य शेय प्रापर्टी सं एफ-13/ 9 माडल टाउन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि श्थापानं न नेनित का निचन वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के विव्हास प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्मतिबित उव्हों किया गया ही:

- (क) बंधरण वं हुई सिली बाव की बाबत, उपस विधितियम के नशीर कर दोने के अन्तरफ के बामित्य में कभी करने या उद्धस वर्षणे में सुविधा वे निष्; वार/वा
- (थ) ध्रेंसी किसी बाय या किसी धन वा कच्य वास्तियों की चिन्हें भारतीय वावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत व्योधनियम, भा धनकार व्योधनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रशंजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गण भा या शिवा का पाकिए था, विधान को पाकिए वे सिक्ट,

भरः अवं, अवंत वर्षनियमं को भारा 269-व को बनुग्रस्थ मो, मो, उक्त वर्षभिनयमं की भारा 269-व की उपभाग (1) हे कारीय के किस्सार के किस्सार की भारा के 8—466GI/86 (1) श्री उपा टंडन पत्नी पन्ना लाल टंडन

2. शीमती श्रनीता टंडन पत्नी किशन किशोर
टंडन 3. श्रीमंती रंजना टंडन पत्नी श्री कमल
किशोर टंडन
निवासी---40 कंधारी रोड श्रागरा-282002
(श्रन्तरक)

(2) श्री धनवन्त सिंह सुपुत्र भरदार मञ्दार सिंह एफ-3/3 माडल टाउन दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हो।

## उपत संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी मार्क्ष :---

- (क) इस भूवना के रावपण में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अमीभ या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी क्षण बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियां थें से किसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्यारा वधोहस्ताक्री के पाछ जिन्दान में किए जा मकेन।

रपण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और वर्षे का, जो उपक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशक्षिक हाँ, वहीं शर्थ हाँगा जो उस अध्याम भें दिवा गया हाँ।

## arger!

1/4 श्रविभाज्य शेयर प्रापर्टी नं० एफ-13/9 माडल टाउन दिल्ली क्षेत्र 112:5 वर्ग गज ।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~6 दिल्ली

दिनांक . 15-1-87 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 15 जनवरी 1987
निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-6/एस० ग्रार०-1/
5-86/647--ग्रतः मुझे श्री टी० के० साह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिखास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 श्रविभाज्य शेयर श्रापर्टी सं० एफ13/9 माडल टाउन दिल्ली क्षेत्र 119:5 वर्ग गज में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक
मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अंन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिविक अप से किथत नहीं तिकया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आर्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के िलए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना डाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती उषा टंडन पत्नी पन्ना लाल टंडन 2. श्रीमती श्रनिता टंडन पत्नी किशन किशोर टण्डन 3. रंजना टण्डन पत्नी कमल किशोर टण्डन 40 कांधारी रोंड श्रागरा—282002 यू० पी०। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बलवन्त सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह निवासी---13/9 माष्ठल टाउन दिल्ली क्षेत्र 112.5 वर्ग गज ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

### भनुस्ची

1/4 श्रविभाष्य शेयर प्रापर्टी नं एफ-13/9 मा**ड**ल टाउन दिल्ली क्षेत्र तादादी 112:5 वर्ग गज ।

> टी० के० साह सक्षम र्रूप्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज−6 दिल्ली नई दिल्ली−110002

दिनांक : 15-1-87

## प्रकृष कार्यः, दी, एन् , एस , ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बभीन स्थाना

#### HIST TYPE

भायांत्रव, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज़-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987 निर्देश सं० झाई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्रार०-√/

5-86/648--प्रतः मुझे, श्री टी० के० गाह, बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं 1/4 अविभाज्य शेयर प्रापर्टी नं गफ-13/9,
तादादी 112:5 वर्ग गज माडल टाउन , दिल्ली में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को खिलत बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके देवयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल के पंद्र प्रांत्वात से अधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तर्भ को लिए तम पासा गया प्रतिक कन,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण सिवित में बास्त-विक कप में कथित नहीं किया बया है :—

- (क) क्षम्बरण संधुद्धं किली बावकी वावतः, रुक्तः वीधिनियम के सधीन कर दोने के जन्तरक वै दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध; बार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनिक्स, या धन-कर विधिनिक्स, या धन-कर विधिनिक्स, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वस वा या किया जाता वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती उथा टण्डन पत्नी पन्ना लाल टण्डन
  2. श्रीमती श्रनिता टण्डन पत्नी किशन किशोर टंडन
  3. रंजना टंडन पत्नी कमल किशोर टंडन
  40, कंधांरी रोड, श्रागरा—282002 (यू०णी०)
  (श्रन्तरक)
- (2) श्री तेग सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह एफ-3/3, माझल टाउन, दिल्ली । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूचाँकत सम्पर्टित के अर्थन के लि। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध वा तत्संबंधी स्पव्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंडे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाढ विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: --- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्स्की

1/4 प्रविभाज्य मोयर प्रापर्टी नं 0 एफ-13/9, क्षेत्र 112.5 वर्ग गज माउल टाउन, दिल्ली ।

टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–6, नई दिल्ली

दिनांक : 15--1-87

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्यू०/1/6/एस० ग्रार०-2/5-86/291—ग्रत: सुक्षे, श्री टी० के० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं प्रापर्टी मं 26/13, क्षेत्र 555: वर्ग गज पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावद श्रनुसूणी में पूर्न रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यान इरेने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतिरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्दिश्य से उक्त अंतरण निक्षित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उपश अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों शास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 2'69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती महादेवी लता पत्नी के एल जता निवासी---26/13, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री राम भरोसे लाल मुपुत्र गोरधन दास

  2. श्रीमती शांति देवी बंसल पत्नी राम भरोंसे लाल
  निवासी---3/385, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली।
  (ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पृष्टीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांड भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से तिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में इकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टोकरणः—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वया है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी सं० 26/13, क्षेत्र 555:55 वर्ग गज, पंजाबी बाग, 7% दिल्ली ।

टी० के० णाह सक्षम प्राधिकारी शीहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज--6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-87

ारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० भ्रार-3/5-86/ 292--श्रतः मुझे, श्री सी० के० भाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा . 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 42/20, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसांक मई 1986,

को पूर्वावत सरपित के उणित राजार मृत्य से काम के प्रयम्भ अंतिकल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विज्ञास करने का कारण है कि ग्रभापुर्वाक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मृत्य, उपके दायमान प्रतिकल सं, एमे क्ष्यमान प्रतिकल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रम्तिक क्ष्य सं क्षिण नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जलत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के स्विष्: बौर/या
- (च) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य अपित्सरों को, जिन्हों भारतीय प्राथकर अधिनियम, 10-22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुन्यित के लिए;

अस: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मैं, अक्स अधिनियम की भारा 269-म की उपधनः (१) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जसपाल सिंह सुपुत्र गोहल सिंह, डी-62, कमला नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुपमा भल्ला पत्नी सुभाप भल्ला
2. श्रीमती उपा भल्ला पत्नी श्रशोक भल्ला
3. सुभाप भल्ला 4. श्रशोक भल्ला सुपुत्र दीवान चन्द
निवासी—32/42, पंजाबी बाग, दिल्ली।
(श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाश्या शुरु करता हा ।

उक्त सम्पास्त के अर्जन के लंबंध में बरांडी भीआक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सामधी व्यक्तिंती पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त हांती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यादा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर करने स्थानर क्यांत मा १६० स्थानर क्यांत मा १६० स्थान किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

हाफ शेयर प्लाट सं० 42/20, पंजात्री बाग, दिल्ली क्षेत्र नादादी 1140.49 वर्ग गज ।

टी० के० शाह सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-87

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

बायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/6/एस० ग्रार०-2 5-86/293—ग्रत: सुझे, श्रीटी० के० शाह,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (िष्सं इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उच्ित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० है यथा जो मकान एम० पी० एल० सं० बी-2, तादावी 300 वर्ग गज, खमरा सं० 1607, 1651, गांव नारायना, स्रब्धी इन्दरपुरी, एप्रूब्ड कालोनी नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबज्ञ अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में अपनी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्टियाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जगदीश चन्दर वैद सुपुत्र बी० एन० वैद निवासी——बी--2, इन्दरपुरी, नई दिल्ली ।
- (2) श्री प्रवीन कुमार वधवा सुपुत्र स्वर्गीय मनोहर लाल वधवा, निवासी—सी-71, नरायना विहार, नई दिल्ली श्रीमती ग्रचला वधवा (पत्नी) पत्नी प्रवीन कुमार वधवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध भी कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस दे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकात बिर्यारंग एम० पी० एल० सं० वी-2, तादादी 300 वर्ग गज आउट आफ खसरा सं० 1607 और 1651 स्थित क्षेत्र नारायना व अब्दी इन्दरपुरी, एप्रूब्ड कालोनी, नई दिल्ली। टी० के० गाह

सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/6/एस० ग्रार०-3/ 5-86/294—श्रत: मुझे, श्री टी० के० शाह,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4/41, डब्ल्यू इ ए, है तथा जे। करील बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौक मई 1986

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री श्रोम प्रकाण सुपुत्र एल श्रवराज राम साहनी एव-77, कीर्ति नगर, एन डी श्रौर मिसेस स्वराज कुमारी विडो श्राफ सूरज प्रकाण साहनी श्री राकेण साहनी श्रौर राजेण साहनी सुपुत्र सूरज प्रकाश सहनी ,
  - के–88, कीर्ति नगर, नई दिल्ली सूरज प्रकाश सहानी एण्ड सन्स के० मेम्बर्स (एच० यू० एफ०)

(भ्रन्त रक)

(2) एस० मन मोहन सिंह मैसर्स श्रीपित गगन कन्स्ट्रवशन प्रा० लिमि०, 704, प्रगति टावर, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्यसा है।

#### अनुसूची

4/41, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली । तादादी 270 वर्ग गज ।

> टी० के० शाह, मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–6, नर्द दिल्ली

विनांक : 15-1-87

प्रस्य आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

## कार्यास्य, सहायक काय्कर भाव्यत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दि तंत 15 जनवरी 1987 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्चार०-3/ 5-86/295-श्वतः मुझे, श्री टी० के० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति किसका उनित बाजार मृन्य 1,00,000/-रज्यये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी में  $15-\psi/1$ , इटल्यू ई० ए, करोल बाग, नई दिल्ली तादादी 319 वर्ग गज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कन के ध्रयमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विद्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाकार मृश्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से काभक ही बीर बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निक्ष्य-लिखित उद्योच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक कप ने किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तः अधिनियम, धा धन-बर धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) ले प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा अवट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) डा० सुधाषु चक्रवर्ती,
   15-ए/1, डब्ल्यू ई० ए, करोल बाग, नई दिल्ली
   (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स डेनोन इंडिया लिमिटेड, डी-41, मायापुरी फेस-1, लई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनरा सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी स से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्घया है।

#### अनुसुची

15 v/1, डब्ल्यू ई० ए, करौल बाग, नई दिल्ली, नादादी 319 वर्ग गज ।

टी० के० णाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायकृत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–6, नई दिल्ली

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 15-1-87

# व्यक्त कार्य<u>ा हो । एवं . एक ..</u>------

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) फी भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### नाइव वरकार

कार्यां तथ, सहायक वायकर वायक (निरीक्क) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 जनवरी 1987

निवेश सं० III-1424/म्रर्जन/86-87--- म्रत: मक्षे, धूर्गा-प्रसाद,

ब्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'त्रक्त अधिनिय्म' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के नभीभ तक्षम प्राभिकारी को यह विक्यात कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-फ. से बधिक 🗗

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 865, 868, 1290 वार्ड नं० 2, मिकल नं ० ६, होर्लंडिंग नं ० ६०९/३५८ थाना कोतवाली है, तथा जो फ़ेजर रोड, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनमूची में भ्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के धरवमान प्रतिफल को लिए अन्तरिह की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और मॅगरक (अंतरकों) और मंस-रिती (नंतरितियाँ) हें शिच एचे बंदरण के लिए तय पावा नवा प्रतिकार निर्मानिका स्कूपोप वे उत्तर संतरणं निवित्र में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की धावत, जनत विधिनियम के बंधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (का) ए'से किसी जाव या किसी धन या जन्म वास्तिकी को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, मा धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा विक्रमा याना चाहिए यह, विक्रमाने में सुविधा को लिए।

प्रत: अथ, अवस विधित्रवम की भाग 269-ग के वनुसरण में, में, डक्त अभिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) ने अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् 🖫 🗝

(1) जस्टिस वृश्केत् शरण सिन्हा, 3, मनडोनेलड रोड, पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) निशान्त सहकारी गृह निर्माण समिति, मोना सिनेमा, कामर्शियल कम्पलेक्स पूर्वी गांधी मैदान, पटना । (ग्रन्तरिती)

को बहु बुचना प्राप्ती करके दुर्वीक्य सम्बद्धि के बुर्वन के जिए कार्यवाहियां बुक कडुता 🚮 ।

वयस क्रम्यास की वृत्यम् की क्रम्यम्य वी कार्य भी नालोप् :----

- (क) इस ब्यामा के राजपूत्र में प्रकासन की तारीय है 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धि व्यक्तियाँ पर ब्रूचना की तामील से 30 दिन की बद्धि, यो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविधः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (था) इस स्थाना के रायपन में प्रकारन की शारीय से 45 विन् के भीतर उक्त स्मानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षरी के पाव शिमाचित्र में किए वासकों गे।

सम्बद्धिरण :--इसमें प्रयुक्त कर्यों बीड नवीं का, जो वक्त विधिवियम के अभ्याय 20-क में परिवाधित हैं, बहुरी सर्व होना को उस अध्याय में दिया चया है।

नमुसूषी

जमीन जिसका रकवा 16400 वर्ग फीट है श्रीर जो कि फेजर रोड पटना में स्थित है श्रोर जिसका पूर्ण विवरण वसीका नं० नं० 3788 तिथि 26-5-1986 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला श्रवर निबंधक, पटना द्वारा सम्पन्न हम्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 14-1-1987

मोहर:

- 9 --466GI/86

# संघ स्तरेक क्षेत्रा प्रायोग

नोटिस

इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1987 वर्ष बिल्ली-110011, बिनांक 21 फरवरी 1987

सं० एक 2/6/86 प० 1(स)—भारत के राजपत्र विनोक 24 फरवरी, 1987 में रेल मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के प्रनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, प्रहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटामगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोबा), पटना, पोर्ट ब्लेश्वर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, जिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापसनम में 23 सगस्त, 1987 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

ग्रायोग यदि चाहे सो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसंद के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी ग्रायोग परिस्थितिकश किसी उम्मीदवार को ग्रपनी विवक्षा पर ग्रलग केन्द्र दे सकता है। जिम उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (ग्रनुबंध 1, पैरा 11 देखिए)

2. इस परीक्षा के परिणाम के ब्राधार पर उक्त सेवाबों/ पदों के निम्निलिखित वर्गों में भर्ती की जाएगी:---

वर्ग I

--सिबिल इंजीनियरी

वर्ग II

— यांक्रिक इंजीनियरी

वर्ग III

--वैद्यत इंजीनियरी

वर्ग IV

---वस्तुत इजाानयरा

<u>, .</u>

प्रस्येक वर्ग के धन्तर्गत विभिन्न सेवाधों/पदों में लगभग कितनी रिक्तियां हैं, यह नीचे दर्शाया गया है:—

# वर्ग I—सिविल इंजीनियरी ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) इंजीनियरी की भारतीय रेल शेका
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी 28(ग्र० चा० के उम्मीदवारों सेवा के लिए 3 ग्रीर ग्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 मारक्षित रिक्तियां सम्मिलिहें)

(iv) क्षेता इंजीनियरी क्षेता (भवन सथा सड़क संवर्ग) 125( घ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 18 घीर घ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 10 घारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)

(v) सैन्य इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षक संवर्ग)

ति क्षेत्रा 2.1 (3 रिक्सियो ग्र० जा० हेतु तका तथा ग्र० ज० जा० के लिय, 2 रिक्तियां ग्रारक्षित हैं। 38 (11 रिक्तियां ग्र० जां०

2 रिक्तियां भारावत है। 38 (11 रिक्तियां भ० जां० तथा 6 रिक्तियां भ० ज० जा० के लिये भारक्षित हैं)

(vi) केन्द्रीय अल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)

(vii) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) (डाक थ तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध)

(viji) भारतीय ब्रायुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) सिविल इंजीनियरी पद

(ix) केन्द्रीय इंजीमियरी क्षेत्रा (सड़क) द्यूप 'क्र'

**बू**प 'ख' की से**बा**एं/पब

(x) सहायक इंजीनियर \*
(सिबिल);
- माकाशवाणी का
सिविल निर्माण स्कंध
- धर्ग-II-यांत्रिक इंजीनियरी
- पुप 'क' की सेवाएं/पव

(i) यांक्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा

(ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)

(iii) केन्नीय जल इंजीनियरी सेवा

7 (जिनमें 1 रिक्ति ग्र० जा० तथा: 1 रिक्ति मा०ज०जा० के लिये गारक्तित है)

(iv) केण्डीय शक्ति इंजीनियरी क्षेत्रा (यांजिक इंजीनियरी पर)

- (v) भारतीय भायुक कारकामा क्षेत्रा (इंजीनियरी गाखा) (गांत्रिक)
- (vi) भारतीय नौसेना 5(ग्र० जा० के उम्मीदवारों भायुद्ध सेवा के लिए 1 भीर भ्र० ज० जा० (यांत्रिक इंजीनियरी के उम्मीदवारों के लिए 1 पद) भारतित है)
- (vi;) सहायक प्रवन्धक (कारखाना) (डाक व सार दूर-संचार कारखाना संगठन)
- (viii) सैन्य इंजीनियरी 31( ग्र० जा० के उम्भीदवारों सेवा (वैद्युत भीर के लिए 4 ग्रीर ग्र० जा० वात्रिक संवर्ग) के उम्भीदवारों के लिए 3 (यांत्रिक इंजीनियरी ग्रारक्षित रिक्तियां सन्मिलित पव) है)
- (ix) कर्मशाला ग्रिशिकारी 5(ग्र० जा० के उम्मीदिवारों (यांत्रिक) ई० एम० के लिए 1 ग्रीर ग्र० ज० जा० ई० कोर, रक्षा के उम्मीदिवारों के लिए 1 मंत्रालय रिक्ति ग्रारक्षित है)

2

- (x) फेन्द्रीय विश्वुत घौर यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (xi) सद्दायक विकास
  प्रिवारी
  (इंजीनियरी)
  का पय तकनीकी
  विकास महामिदेशालय
  (यांत्रिक इंजीनियरी
- (xii) सहायक कार्यपालक 23\*\*
  इंजीनियर
  (वैद्युत तथा
  योखिक) योखिक
  इंजीमियरी पव,
  सीमा सड़क
  इंजीनियरी शेषा ग्रुप
- (xii<sub>i</sub>) भारतीय प्रापूर्ति 6\*\* सेवा ग्रुप "क" (यांत्रिक इंग्रीनियरी: पत्र)

# ग्रुप 'खें' की 🕶एं/पव

(xiv) कर्मशाला अधिकारी 4(घ० जा० के उम्मीदवारों (मंतिक के लिए 1 धीर घ० ज० इंजीनियरी पद) जा० के उम्मीदवारों के लिए ई० एम० ई० 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मि-कोर, रक्षा मंत्रालय जिल हैं)

# वर्ग-III--वैद्युत इंजीनियरी पुप 'क' की सेवार्ये/पद

- (i) वैद्युत इंजीमियरों की भारतीय रेल सेखा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (भैड्युत इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय वैद्युत भौर 4(जिनमें 1 रिक्ति भ्र० जा० यांत्रिक इंजीनियरी के उम्मीवनारों के लिये भार-सेना(वैद्युत इंजी- क्षित है) नियरी पद)
- (iv) भारतीय भ्रायु**द्ध** कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (**वैधु**त इंजीनियरी पद)
- (v) भारतीय नौसेना 5(ग्र० जा० के उम्मीदवारों भायु सेवा के लिए 1 ग्रौर ग्र० व्य० जा० (वैद्युत इंजीनियरी के अम्मीदवारों के लिए 1 पद) ग्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)
- (vi) केन्द्रीय शक्ति 45(7 रिक्तियो म० जा० इंजीनियरी सेवा के लिए धारिक्षित तथा (विद्युत इंजीनियरी 5 रिक्तियां ग्र० ज० जा० के पद) लिए ग्रारक्षित संहित)

2

- (vii) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत्) डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)
- (viji) कर्मशाला श्रधिकारी (वैद्युत) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय
- (ix) सहायक विकास
  श्रीमकारी (इंजीनियरी
  का पद) तकनीकी
  विकास महानिदेशालय
  (वैद्युत इंजीक्यियी
  पद)

- (x) भारतीय आपूर्ति 6\*\*
  सेवा मुप 'क'
  (वैद्युत इंजीनियरी
  पद)
- (xi) सैन्य इंजीनियर सेवा 31(प्र० जा० के उम्मीक्वारों (वैद्युत ग्रीर के लिए 5 ग्रारक्षित रिक्ति ग्रांतिक संवर्ग) ग्रीर श्र० ज० जा० के (वैद्युत इंजीनियरी उम्मीक्वारों के लिए 3 ग्रारपद) क्षित रिक्तियों सहित) ग्रुप क्षि सेवाएं/पद
- (xii) सहायक हंजीनियरी (वैद्युत) माकाशवाणी सिविल निर्माण विभाग स्कंध
- (xiii) कर्मशाला श्रधिकारी 1 (वैद्युत) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय

# वर्ग-IV---इलैक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी गुप 'क' सेवाएं/पद

- (i) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार मेवा (दूर संचार/ इलैक्ट्रामिक इंजीनियरी पद)
- (iii) भारतीय दूर संचार ' सेवा
- (iv) इंजीनियर, बेतार 2 (जिनमें 1 रिक्ति घ्र० जिं० योजना श्रीर समन्वय के लिये ग्रारिक्त है) स्कन्ध/ग्रनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय
  - (v) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा
- (vi) भारतीय आयुद्ध कार**व**ाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलैक्ट्रा-निकी इंजीनियरी पद)
- (vii) भारतीय नौसेना, 15(प्र० जा० के उम्मीदवारों प्रायुद्ध सेवा के लिए 1 प्रारक्षित रिक्ति (इसैस्ट्राधिकी तथा ध०षा०षा० के सिथे वंजीविषयी पर) 1 विश्वत सम्बन्धिक हैं)

- (Viji) केम्द्रीय णक्ति 3 (1 रिक्सि ग्र० जा० के इंजीनियरी पेवा लिए ग्रारक्षित सहित)। (दूर संचार इंजीनियरी पव)
- (ix) सहायक विकास
  श्रिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास
  महानिदेशालय,
  (इलैक्ट्रानिकी दूर
   संचार इंजीनियरी
  पद)
- (x) भारतीय श्रापूर्ति 3 \*\* सेवा ग्रुप "क" (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)
- (x<sup>i</sup>) कर्मशाला श्रधिकारी (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मन्त्रालय

# ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

1

(x<sup>i</sup>i) कर्मशाला श्रक्षिकारी, (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय

विभिन्न सेवाझों और पदों के सामने विश्वार्ध नई रिनित्यां अस्थायी हैं।

उपर्युक्त संख्याश्रों में परिवर्तन दिया जा सकता है। \*रिक्तियां सरकार ने सूचित नहीं की हैं।

\*\*ग्रनसूचित जातियों तथा श्रनुसूचित जनजातियों के जम्मीवयारों के लिए ग्रारक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

टिप्पणी :--उपर्युक्त सेवाभों/पद्यो पर भर्ती नियमावली के परिणिष्ट-1 में निर्धारित परीक्षा योजना (योजनाम्रों) के श्राधार पर की जाएगी।

3. उम्मीदबार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेबाझों/ पदों में से सब के लिए या किसी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदबार एक से अधिक सेवा/पद के वर्ग के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्न भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटिस के पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क केवल एक बार देना होगा और प्रत्येक धर्म के के विवा/पद, जिसके लिए यह आवेदन छर रहा है, के लिए पद्म प्रावेदन छर रहा है, के लिए प्रावेदन छर रहा है, के लिए

विशेष ध्यान 1—उम्मीदवारों ते यह ध्रपेक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाफ्रों/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों, ध्रपने ध्रावेदन-पत्नों में उनका वरीयता कम के ध्रनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहें उतनी वरीयताथ्रों का उल्लेख करें ताकि योग्यताक्रम में उनके रैंक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताथ्रों पर उचित ध्यान दिया जा सके।

विशेष ध्यान 2—उम्मीदवार जिन सेवा/पद से सम्बद्ध वर्ग/वर्गी प्रथात् मिविल इंजीनियरी, यांत्रिकी इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी श्रीर इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके श्रंतर्गत श्राने वाली सेवाश्रों/पदों के बारे में उसके द्वारा निर्दिष्ट वरीयताश्रों में परिवर्तन के श्रनुरोध पर कोई ध्यान तब तम नहीं दिया जाएगा जब तक ऐमे परिवर्तन का श्रनुरोध श्रायोग के कार्यालय में निष्कित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के श्रंदर प्राप्त नहीं हो जाता है। श्रायोग या परिवहन मंत्रालय (रेलवे विभाग) उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनमे श्रावेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाश्रों/पदों के लिए परिशोधित वरीयता निर्विष्ट करने को कहा जाए।

विशेष ध्यान 3—उम्मीदवार केवल उन्हीं सेनाओं श्रौर पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शतों के प्रनुसार पात हों श्रौर जिनके लिए वे प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं श्रौर पदों के वे पात नहीं हैं श्रौर जिन सेवाओं श्रौर पदों से संबंधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान 4 — वे विभागीय उम्मीदवार, जिन्हें प्रायु सीमा में छूट के प्रधीन (देखिए नियम 5(ख) परीक्षा में भाग लेने की अनुमति वी गई है, अन्य मंत्रालय/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दे सकतें हैं। तथापि पहले उन्हें उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार िया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गई वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालय/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 5—नियम 6 के उपबंध के प्रन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं दरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबंध में निर्विष्ट पदों के लिए हैं, और प्रन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं, यदि कोई हों, पर विचार महीं किया जाएगा।

4. परीक्षा में प्रतेश चाहरें वाले उम्मीदवारों को निर्धारित ग्रावंदन-प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, श्रीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को ग्रावंदन करना चाहिए। निर्धारित ग्रावंदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण (रु० 2/-) दो रुपये दें कर ग्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राणि सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीग्रार्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को मई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल ग्रार्डर द्वारा पर चैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ये ग्रावंदन-प्रपन्न ग्रायोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। (रु० 2/-) दो रुपये की यह राणि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि

बे प्रपने प्रावेदनपत्न इंजीनियरी सेवा परीक्षा,

1987 के लिए निर्धारित मुद्रित पत्न में ही

प्रस्तुत करें। इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1987

के लिए निर्धारित ग्रावेदन-प्रपक्षों स इतर प्रपत्नों

पर प्रस्तुत ग्रावेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया

जाएगा।

5 भरा हुआ ग्राबेदन-पद्ध ग्रावश्यक प्रलेखों के साथ सिवन, संघ लोग सेवा ग्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 20 ग्रप्रैल, 1987 (20 ग्रप्रैल, 1987) से पहले की किसी तारीख से ग्रसम, मेघालय ग्ररुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, त्निपुरा, सिनिकम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले और जिनका ग्राबेदन-प्रपद्म उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होता है उन उम्मीदवारों के मामले में 4 मई, 1987 तक या उससे पहले डाक द्वारा ग्रायर भिजवा दिया जाए या स्वयं ग्रायोग के काउंटर पर ग्रावर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी ग्रावेदन

# पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

ग्रसम, मेघालय, श्ररुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले जंबा जिले, के पांची उपमंडल अंग्रमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और बिदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से ग्रायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 20 ग्रप्रैल 1987 से पहले की किसी तारीख से ग्रसम, मेघालय, ग्ररुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, सिक्किम जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश

के लाहौल और स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमेडल अडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (1): -- जो उम्मीववार ऐसे क्षेत्रों के हैं
  जहाँ के रहने वाले प्रावेदन की प्रस्तुती हेतु
  प्रतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें प्रावेदनपत्र के संगत कालम में प्रपने पतों में
  प्रतिरिक्त समय के हकदार इलाके या
  क्षेत्र का नाम (प्रयित् ग्रसम, मेघालय,
  जम्मू तथा कश्मीर, राज्य का लहाखा
  प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना
  चाहिए श्रन्यथा हो सकता है कि उन्हें
  प्रतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (2):— उम्मीदवारों को सलाह वी जाती हैं कि वे प्रपने आवेदन-पत्नों को स्वयं सं० लो० से० आ० के काउण्टर पर जमा कराएं प्रथम रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। धायोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरवायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए श्रावेवन-पत्न के साथ धायोग को 8000 (ध्रस्सी अपये) का शुल्क इस प्रकार भेजना होगा जो सचिव, संध श्लोक सेवा धायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर श्रेय रेखांकित भारतीय पोस्टल धार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा धायोग को स्टेट बैंक धाफ इण्डिया की मुख्य शाखा मई दिल्ली में वेय स्टेट बैंक धाफ इण्डिया की किसी भी धाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक झाफट के रूप में हो। अनुसूचित जातियों/धनुसूचित जनजातियों के उम्मीद-वारों को कोई शुल्क नहीं देना है।

बिदेश में रहने वाले उम्मीववार को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च ध्रायुक्त/राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी, भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा ध्रायोग—परीक्षा शुल्क" के लेखा श्रीर्थ में जमा हो जाए और उन्हें ध्रावेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन भावेदन-पतों में उक्त भ्रपेक्षाएं पूरी नहीं होंगी उन्हें एक दम भस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीद-बारों पर सागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. झायोग यदि चाहे तो उस स्थित में निर्वारित मूल्ल से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संसुष्ट हो कि झाबेदन या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत झाया हुआ बास्तविक बिस्थापित खाकित है या वर्मी से बास्तविक क्य में प्रत्यावर्तित कूलत: चारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद

भारत भाषा था या बहु एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर 7, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवस्बर, 1964 को या उसके बाद भारत भाषा था या भाने वाला है या भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से वास्त-विक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की भ्रवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर खुका था और वह निर्धारित मुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदबार ने निर्धारित शुरुक का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे ध्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ६० 54.00 (चग्यन रुपये) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शतों के प्रनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदबार का ध्रावेदन-पन्न यह सूचना प्राप्त होने पर ध्रस्वीकार कर दिया जाता है कि वह ध्रहेंक परीक्षा में ध्रसफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की ध्रपेक्षाओं का ध्रन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुरुक वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नीचे के पैरा 9 के उपअन्धों को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में श्रायोग को भुगतान किए गए शुल्क की नापसी के किसी वाबे पर न तो निचार किया आएगा और नहीं शुरूक को किसी अन्य परीक्षा या चयन के सिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदथार, 1986 में ली गई इंजीनियरी सेका परीक्षा में बठा हो और अब इस परीक्षा के लिए आयेवन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये बिना ही प्रपना भावेदन पत प्रवक्ष्य भेज देना चाहिए ताकि थह प्रायोग के कार्यालय में निर्धारित तारीख तक पहुंच जाए । यदि वह 1986 की परीक्षा के परिणाम के भ्राधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1987 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रह् कर दी जाएगी और शुक्क लौटा दिया जाएगा बणर्ते कि उम्मीदवारी रह् करने और शुक्क वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1986 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाणन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त हो जाता है।

10. ग्रावेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाव उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के श्रनुरोध पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया जाएगा।

11. परीक्षा की नियमावली के परिणिष्ट 1 में परीक्षा योजना में यथासम्मिलित सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्न और सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैश्वत् इंजीनियरी और इसैक्ट्रानिकी और दूरसंचार इंजीनियरी में से प्रत्येक के दो प्रश्न-पत्नों में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तुपरक परीक्षण और नमूने के प्रश्नों के विस्तृत विवरण के लिए उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका के मनुबंध II को देखिए।

एम० के० कुष्णन, उप सचिव संघ लोक सेवा प्रायोग

# प्रमुबंध 1

# उम्मीदंबारों को अनुवेश

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे धावेदन-प्रपत्न भरने मे पहले नोटिम और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात हैं भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

भावेदन पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा-1 में दिए गए केन्द्रों में किसी एक की जहां वह परीका का इच्छुक है भन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परि-वर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यस्या स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु यवि कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निविष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औषित्य बताते हुए एक पन्न रजिस्टर्ड डाक से अध्यय भेजमा चाहिए कि बह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 23 जुलाई, 1987 के बाद आप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

 उम्मीववार को झावेदन-पल तथा पावती कार्ड झपने हाथ से स्याही से या बाल पाइन्ट पैन से ही भरना चाहिए। झझूरा या गलत भरा हुआ झावेदन-पत्र झस्त्रीकार किया जाएगा।

उम्मीवबार यह ज्यान रखें कि प्रावेंदन-पन्न भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंतराष्ट्रीय अंकों का ही प्रयोग करना है। त्राह शाक्यिमक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पन्न या इसके समकक प्रमाण-पन्न में जन्म की तारीख हिस्सी अंकों में वर्ज हो तो भी उम्मीव-बार यह सुनिक्चित कर ते कि वे आबेदन प्रपन्न में प्रविष्टि करते समय इसको भारतीय अंकों में केवल अंतरिष्ट्रीय रूप में ही जिखें। वे इस वारे में विशेष सावधानी बरतें कि आबेदन-पन्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या आक्षक है तो उनके निर्वेचन में होने वाली आपित या सन्देह के लिए उम्मीववार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीरकार की यह भी क्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा भावेदन-पक्त में उनके द्वारा की गई प्रिक्टियों को बदलमें के लिए कोई पत्न भावि स्वीकार नहीं किया जाएगा । इसलिए उन्हें आयेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए जिशेष सामधानी बरतनी चाहिए।

सभी जम्मीदबारों को चाहें वे पहले सरकारी नौकरी में हों या सरकारी धौद्योगिकी जपक्रमों में या इसी प्रकार के झन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पन आयोग को सीधे भेजने चाहिए। भगर किसी जम्मीदबार ने भपना आवेदन-पन अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में वेर से पहुंचा हो तो उस भावेदन-पन पर विचार महीं किया आएगा भले ही वह नियोक्ता को झाबिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले में ही सरकारी नौकरी में प्राकिस्मक या दैनिक दर कर्मचारी में इतर स्थायी या प्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, भणवा जो लोग उद्यमों के प्रधीन कार्यरत हैं, उन्हें यह परिवचन (श्रंडरटेंकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से प्रपने काय य/विभाग के भ्रष्यक्ष को सुचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए प्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्याम रखना चाहिए कि मायोग को उनके नियोक्ता मे उनके उक्त परीक्षा के लिए मावेदन करने/ परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध मनुमति रोकते हुए कोई पक्ष मिलता है तो उनका म्रावेदनपत्न धस्वीकृत कर दिया जाएगा/ उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

- 3. उम्मीदवार को प्रपने धावेदन-पत्न के साथ निम्न-लिखिस प्रलेख श्रवश्य भेजने चाहिएं:---
  - (1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल धार्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भेजने के प्रपंते दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्नों की प्रमु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति (वेखिए : मोटिस का पैरा 6 ग्रीर 7 ग्रीर नीचे पैरा 6)।
  - (2) भ्रायु के प्रमाण-पन्न की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (3) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की श्रनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि ।
  - (4) शम्मीयवार के शाल ही के पासपोर्ट प्रामार (लगमन 5 से० मी० 27 से० मी०) के फोटो की वो एक जैसी प्रतियां जिस पर शम्मीवशास के इस्ताक्षर हों।

कोटो की एक प्रति को आवेदन-पन्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पन्नक में निर्धारित स्थान पर जिपका देनी चाहिए।

- (5) लगभग 11.5 से० मी०×27.5 से०मी० के दो बिना टिकट लगे हुए लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।
- (6) जहां लागू हो वहां धनुसूचित जाति/भनुसूचित जनजाति का होने का दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (1) जहां लागू हो वहां भाष में छूट के दावे के समर्थन में प्रभाणपत की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (8) उपस्थिति पत्नक (मावेदन-पत्न के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुमा।

टिप्पणी (1):- उम्मीदनारों को ग्रपने ग्रावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (2), (3), (6) श्रीर (7) में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो मरकार के किसी राजपत्नित ग्रधिकारी क्षारा धनुप्रमाणित हों **भ्र**थका उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। ओ उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के ग्राधार पर च्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए ग्रहंता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः विसम्बर, 1987 में घोषित किए जाएंगे उन्हें श्रपने मूल प्रमाण-पत्न साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिएं। जो उम्मीदवार उस समय भ्रपेक्षित . प्रमाण-पन्न मुल रूप में प्रस्तुत नहीं जाएगी और उनका भ्रागे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी (2): श्रावेदन पत्नों के साथ भेजी गई सभी
प्रमाण-पत्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित
प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने
होंगे और तारीख भी देनी होगी।

उपर्युक्त मद (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रशिखों के विवरण नीचे दिये गये हैं भौर मद (6) भौर (7) में बिलिखित प्रशिखों के विवरण पैरा 4, 5 भीर 6 में दिये वसे हैं:—

# (1) (क) निर्धारित सूक्क के खिए रेखांकित मारतीय पोस्टल मार्डर :

प्रत्येक पोस्टल आर्डर मनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए भौर छस पर "सच्चिन, संघ लोक सेवा भ्रायोग को नई विल्ली के प्रमान डाकथर पर देय" लिखा जाना धाहिए।

किसी भन्य डाकघर पर देय पोस्टल भार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल भार्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

सभी पोस्टल मार्डर पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर भौर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर रेखांकित नहीं हैं और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के जनरल डाकघर पर देथ हैं उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित गुरुक के लिए रेखांकित वैंक द्वापट वैंक द्वापट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी गाखा है प्राप्त किया जाए धीर वह सचिव, संघ खोक सेवा धायोध को स्टेट बैंक भ्राफ इण्डिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

टिप्पणी: उम्दीदवारों को अपने आवेदन-पत्न प्रस्कुत करते समय बैंक अपने की पिछली और सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) यायु का प्रमाण-पत्न :--- आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्व-विद्यालय छारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैद्रिकुलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुजित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उसीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथ-पत्न, नगर निगम से सेवा अभिलेख से प्राप्त सम्बन्धी उद्धरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण-पत्न स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

धनुदेशों के इस भाग में आए हुए मैद्रिकुलेशन/उण्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र वाक्यांश के धन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पित प्रमाण-पत्न सम्मिलित है।

कभी-कभी मट्टिकुलेशन/उज्यासर माठ्यसिक परीक्षा प्रयाण-पत में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के कैवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उज्जातर माठ्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की ग्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के मितिरक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसीपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक ग्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि मेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उज्जात माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक भ्रायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि मावेदन पत्न के साथ इन ग्रनुवेशों में यण निर्धारित ग्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो मावेदन पत्न ग्रस्थी-कार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। टिप्पणी 2— एम्मीदवार यह ध्यान मे रखें कि श्रायोग एम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि ग्रावेधन-पन्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न में दर्ज है ग्रीर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी ग्रनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा ग्रीर न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3— उम्मीदबार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और श्रायोग द्वारा उसे अपने धामिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की श्रनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पनः - उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी नाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पन्न उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पन्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवण्य बताना चाहिए और प्रपेक्षित योग्यता से संबद्ध प्रपन्न दाने की पुष्टि में किसी अन्य प्रमाण पन्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

श्रायोग को श्रपना श्रावेदन-पत्न भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के श्रधीन दिए गए प्रमाण-पत्न के प्रपत्न के पैरा 1 में निर्धारित प्रपत्न में राम्बद्ध कालेज/विश्वविद्यालय के प्रिसीपल/राजिस्ट्रार/डीन के लिए इस श्राशय के एक प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए कि उसने श्राहंक परीक्षा उसीण कर ली है श्रौर डिग्री प्रदान किए जाने के लिए श्रावश्यक सभी श्रमेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

टिप्पणी 1:— यदि कोई उम्मीदिवार ऐसी परीक्षा में चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से श्रहेंता प्राप्त हो जाता है पर श्रभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए श्रावेदन कर सकता है। जो उम्मीदिवार इस प्रकार की श्रहेंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी श्रावेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदिवारों को, यदि श्रन्थया पान्न होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह श्रवधि श्रनत्तिम मानी जाएगी श्रीर यदि वे श्रहेंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी श्रीर हर हाल में 30 नवम्बर, 1987 तक नीचे निर्धारित प्रपन्न में प्रस्तुत नहीं करते तो यह शनुमित रद्द की जा सकती है।

श्रहंक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण दर्शाने वाला प्रमाण-पत

\*1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*
सुपुत्र/सुपुत्री\*
छात्र/छात्रा हैं
छात्र/छात्रा हैं
छात्र/छात्रा हैं
छात्र/छात्रा हैं
छात्र/छात्रा हैं
छात्र/मार्च करने के/की\* पात्र हो गए/गई\* है तथा
अेणी मिली है।

\*2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी \* सुपुत्त/ सुपुती \* ' ' मास, 19' ' में वाले/वाली \* है/बैठी \* है भीर उक्त परीक्षा के परिणाम की ......19... तक घोषित हो जाने की संभावना है।

> हस्ताक्षर पदनाम संस्था का नाम स्थान जहां स्थित है

दिनांक :

\*जो मन्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

टिप्पणी 2—नियम 6 के परन्तु क में उल्लिखित योग्यताम्रों के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को
सम्बद्ध कालेज/संस्था/विश्वविद्यालय के प्रिन्सीपल/डीन से यह
दर्शाने वाले प्रमाण पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमें दिए गए विशेष विषयों
में से एक विषय लेकर एम० एस सी० डिग्री परीक्षा या
समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है/परीक्षा दी है।

(4) फोटोग्राफ :— उम्मीदवारों को श्रपने हाल ही के पासपीर्ट श्राकार (लगभग 5 से॰मी॰× 7 से॰मी॰) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिएं। इनमें से एक प्रति श्रावेदन पत्न के पहले पृष्ठ पर श्रीर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ध्यान:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्न के साथ ऊपर पैरा 3(2), 3(3), 3(4), 3(6) और 3(7) में उल्लिखित प्रलेख भादि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो धावेदन पत्न भस्वीकार किया जाएगा और इस अस्वीकृति के विषद कोई धपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता-पिता) धामतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उपमंडल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से ज़िसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में नामिल किया हो, नीचे दिये फार्म में प्रमाण-पन लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि

सम्मीदबार के माता भीर पिता दानों की भृत्यु हो गई दो तो यह प्रमाण-पत्न खंब जिले के घछिकारी से लिया जाना चाहिए जहां सम्मीदबार अपनी शिक्षा में भिन्न किसी धन्य प्रयोजन से भामतीर पर रहता है।

भारत सरकार के श्रष्टीन पदो पर नियुभित के लिए श्रावेदन करने वाले श्रनुसूचित जातियों श्रौर श्रनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म।

प्रमाणित िया जाता है श्री/श्रीमती/कुमारी का गांव/ कस्बा कि प्राप्त मुपुत्र के श्री प्राप्त की गांव/ कस्बा कि प्राप्त कि जाति/जन जाति के के कि श्री कि जिसे निम्न लिखित के श्री श्रीन श्रनुसूचित जाति/ग्रनुसूचित जनजाति के स्पर्ी मान्यता दी गई है।

संविधान (भनुसूचित जातियां) भ्रादेश, 1950@ संविधान (भनुसूचित जनजातियां) भ्रावेश, 1950@ संविधान (भनुसूचित जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) भावेश, 1951@।

संविधान (ध्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) भादेश 1951@

[मनुस्चित जातिया भौर धनुस्चित जन जातिया सूर्य। (भागोधन) 1956, बम्बई पुनर्गठन श्रिधिनियम 1960 पंजाब पुनर्गठन श्रिधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 श्रीर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) श्रिधिनियम, 1971 श्रीर धनुसूचित जातियां तथा धनुसूचित जमजातियां श्रादेश (संशोधन) श्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]।

संविधान (जम्मू भीर कश्मीर) धमुसूर्वित जातिया आदेश, 1956@।

संविधान (ग्रंडमान घोर निकोबार ग्रीपसमूह) अनुसूचित जनजातियां ग्रादेश, 1956@ ग्रनुसूचित जातियां ग्रोर ग्रनु-सूचित जन जातियां ग्रादेश (संशोधन) ग्राधिनियम, 1976 ग्रारा संशोधित\*।

सविधान (दादरा धौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जातिया भादेण, 1962@ ।

संविधान (दादरा भीर नागर हवेली) भ्रनुसूचित जन-जातियां भादेश, 1962@।

संविधान (पांडिचेरी) धनुसूचित जातिया धादेश, 1964@।

संविधाम (धनुसूचित जन जातिया) (उत्तर प्रदेश), धारोचन, 1967@

सविधाम (गाषा, दश्य धीर दियु) धनुस्थित जातिया पार्वेषा, 1968@ । संविधान (गोग्ना, दमन ग्रौर दियुः) प्रनुसूचित जन-भातियां भादेश, 1968@ : संविधान (नागालैंड) श्रनुसूचित जनजातियां भादेश, 1970@ 1 संविधान (सिक्किम) भ्रनुसूचित जातियां भादेण, 1978 । संविधान (सिविकम) अनुसूचित जनजातियां अविश, 1978@। %2. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के ऐसे व्यक्तियों के मामले में लागू है जो एक राज्य/क्षेत्र संघ राज्य **डोज प्रशासन से प्रज्ञजन कर चुके हैं**। यह प्रमाण पक्ष श्री/श्रीमती/कुमारी \*----पाम/ कस्बा\* जिला/मण्डल\*......राज्य\*/संघराज्य क्षेत्र\* ......को जाति/जनजाति\* से सम्बद्ध है जिसे....,राज्य/संघराज्य क्षेत्र में ग्रनुसूचित जाति प्रनूसूचित जनजाति के रूप में मान्यताप्राप्त है के पिता/ माता\*श्री/श्रीमती.....मो जारी प्रमाण पत्र के आधार पर जारी किया जाता है। .....के द्वारा जारी दिनांक, . . . . . . . . . . . . . . या<sup>#</sup> उनका परिवार भाम तौर से गांव/कस्खा<sup>\*</sup>..... जिला/मण्डल • राज्य संघ राज्य क्षेत्र . . . . . . . . . . . . . . . . राज्य क्षेत्र.....में रहर्तें/रहती\* है। हस्ताक्षर..... -पदनाम ...... कार्यालय की मोहर सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र **##[fd . . . . . . .** . . . . . . . . . . . **तारीख........** 

•(ओ सन्द लागू न ही छन्हें कृषया काट वें)।
@कृषया राष्ट्रपति का विशिष्ट मावेश छबृत करें।
%आ पैरा लागू नहीं है उसे कृषया काट दें।

हिष्पणी:--पहां प्रयुक्त "आम तौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो कि रिप्रजेग्टेशन आफ दि पिपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में हैं।

\*\*जाति/जनजाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिये सक्तम प्राधिकारियों की सूची:

(1) जिला मैजिस्ट्रेट/मितिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी किमम्नर/एडिशनल डप्टी किमम्नर/डिप्टी कलै-क्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट र सब डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/ क्वजीक्य्टिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा मिसिस्टेंट किमम्बर । र (प्रथम खेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट मे क्य

- (३) बाफ प्रसीकेस्या मीजस्ट्रेट/एँकिशनल बाक प्रसी-वेंसी मैजिस्ट्रेट प्रेसीकेस्या मैजिस्ट्रेट ।
- (3) रैवेन्यू ग्रफसर जिसका घोड्वा तहसीलवार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब डिवीजनल धफसर जहां उम्मीदवार भौर/या उसका परिवार भामतौर से रहता हो।
- (5) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सिवव/डेबेलपमेंट ग्रफसर लक्षद्वीप ।
- 5. (1) नियम 5(ख) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट के लिये वावा करने वाले सरकारी कर्मचारी को अपने विभाग/कार्यालय के अध्यक्ष से नीचे दिये फार्म में प्रमाण पत्र की मृल प्रति प्रस्तुत करनी चाह्यि।

### 

- (2) नियम 5 (ग)(2) या 5 (ग)(3) के भ्रन्तर्गत निर्धारित भ्रायु सीमा में छूट का दावा करने वाले भ्रौर/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के भ्रधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित भ्रधिकारियों में से किसी एक से लिये गये भ्रमाण पत्न को भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भ्राया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है भौर 1 जनवरी, 1964 भौर 25 मार्च, 1971 के बीच की भ्रवधि के वौरान भ्रवजन कर भारत भ्राया है:—
  - . (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों ध्रयवा त्रिभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के शिविर कमांडेंट।
  - (2) उस क्षत्र का जिला मिजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
  - (3) द्यपने-प्रपने जिलों में णरणायी पृत्रवांस से प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मणिस्ट्रेट :

- (4) स्वयं प्रभारित यव विवाजन का सब-विपीजनक भक्तर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/ निवेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।
- (3) नियम 5(ग) (4) अथवा 5(ग)(5) के अस्तगत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने चाले और/या
  जक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के प्रधीन शृष्क में छूट का दावा
  करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित हो रे वाले
  मूलत: भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयृक्त
  के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण पत्न की एक
  अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिधि प्रस्तुत करनी चाहिये कि
  वह एक मारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964 के भारतश्रीलंका समझौत के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके
  बाद भारत आया है या ग्राने वाला है।
- (4) नियम 5(ग)(6) प्रथम 5(ग)(7) के घन्तगंत विधितित भागु सीमा में छूट का दावा करने वाले भौर/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के भ्रधीन गुल्क से छूट का दावा करने वाले भौर/या करने वाले धर्मा से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय ध्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पश्चनान प्रमाण पन्न की एक धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाव भारत भ्राया है, भ्रथमा छमे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट में लिये गयं प्रमाण पन्न के भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि पह विश्वलाने के लिये प्रस्तुत करनी नाहिये कि वह वर्मा में भ्राया हुआ यास्तविक प्रत्यावित्त व्यक्ति है भीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत भ्राया है।
- (5) नियम 5(ग) (8) अथव 5(ग)(9) के अन्तर्गत मायु मीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा भेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनः स्थापना, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित कार्म पर इस आशय का एक प्रमाण पत्न लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्नु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

And the state of t
उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला प्रमाण पत्र का फार्म *
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रैंक नम्बर
श्रीरक्षा सेवाझों में कार्य
करते हुए विदेशी शज़ देश के साथ संघर्ष में श्रिशांतिग्रस्त
क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और विकलांगता
के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।
<b>इस्ताक्षर,,</b> ,,,,,,

पवनाम ...

विनोक्षः . . . . . . . . . . .

<sup>#</sup>भो भन्य शाय म हो एम् छ।या धाट 🕏

(6) जो मृतपूर्व सैनिक तथा कमीशन थाप्त श्रीक्षकारी
(भायात कालीन सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों भ्रत्पकासीत
सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सिद्द्रत) नियम 5(ग) (14)
5(ग)(15)5 (ग) 16 भवना 5 ग (17) की शती
के भ्रधीन भागु सीमाभ्रों में छूट का दावा करते हैं उन्हें
सम्बद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिखित निर्घारित प्रपन्न में उन
पर लागू होने वाले प्रमाण पत्न की, एक प्रमाणित/ग्रन्प्रमाणित
प्रतिसिपि प्रस्तुत करनी चाहिये।
(क) कार्यमुक्त सेवा निवृत्त कार्मिको पर <i>ला</i> गू
प्रमाणित कियाजाता है कि सं०
र् रुनाम
जिसकी जन्म की तारीखहै,
तक सेना/नौसेना
बायु सेना में सेवा की है भीर वे निम्मलिखित में से एक शर्त
पूरी करते हैं।
· (क) उन्होंने पांच या पांच से मधिक वर्षों तक सैनिक
सेवा की है भौर कार्यकाल के समापन परकदाचार
या भक्षमसा के कारण बर्खास्त या कार्यकाल होने
के झलावा भन्य भाषार पर कार्यमुक्त हुए है।
(ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक घपंगता
या प्रक्षमता के कारणको
कार्य मुक्त हुए हैं।
े सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मोहर
स्थान
(ख) सेश्रारत कार्मिकों पर लागू जिन्हें ৪ मास के भीतर
कार्य मुक्त किया जाना है
प्रमाणित किया जाता है कि सं
<b>रैक</b>
••••••
से सेना नौसेना/वायुसेना में
सेवा फर रहे हैं।
2. उन्हेंसे कार्य मुक्त सेवा निवृत्त
होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल
तक समाप्त होने की संभावना है।
सक्षम प्राधिकारी का नाम
तथा पदनाम
मोहर
स्यान
तारीच
(ग) यह उन सेवारत कार्मिको पर लागू होगा जिल्होंने
पहले ही सेव। की प्रारम्भिक नियुक्ति की धवधि
पूरी करली है सौर यहाई गई सबकि पर कार्य
ने न नोर्ग्य कर कर के उसके न मुख्या और का नामक कर के कि जो कर कर के कि का नाम कर की कि का नाम कर की कि का नाम क

7	qqrt	ग्रंग किया	भाना है	ां कि सं	0		
₹ <b>क</b>			नाम .				
		तिथि.					
वह			मे	मेना/	नौ मेना/	वायु से	ना में
मे <b>वार</b> त	हैं।						
2.	उन्होंने	पहले ही	प्रारम्भिक	ह कार्यं	काल व	ी पt=	वर्ष

2. उन्होंने पहले ही प्रारम्भिक कार्यकाल की पांच वर्ष की सेवा....को पूरी कर ली है ग्रौर ग्रव वे .....तक बढ़ाये गये कार्यकाल पर है।

3. उन्हें सिविल रोजगार हेलु झावेदन पत्न देने के लिये कोई झापित नहीं है झौर उन्हें नियुक्ति प्रस्ताव की प्राप्ति की तारीख से चयन हो जाने पर तीन माह के नोटिस पर कार्य मुक्त किया जायेगा।

> सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम..... मोहर

तारीख .....

प्रमाण पत्न जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निभ्नलिखित हैं:--

(क) कमीणन प्राप्त ग्रिष्ठिकारियों (ग्रापातकालीन कमीणन प्राप्त ग्रिष्ठिकारियों महिन) के भामले में — यल सेना—मिलिटरी मेक्नेटरी, की णाखा, मेना मुख्यालय, नई दिल्ली। नौसेना—कार्मिक निदेणालय, नी सेना मख्यालय, नई दिल्ली। वायु सेना—कार्मिक निदेणालय, (ग्रिष्ठिकारी) खायू सेना मुख्यालय नई दिल्ली।

(ख) नौसेना तथा वायु सेना के जूमियर कमाशन प्राप्त

- प्रधिकारियों/ग्रन्य रैकों तथा समकक्ष प्रधिकारियों
  के मामले में:--सेना--विभिन्न रेजिमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा
  नौसेना---वाण्येना रिकार्ड एन० ई० ग्रार०
  डब्ल्यू० नई दिल्ली।
- (7) नियम 5(ग)(10) या 5(ग)(11) के प्रस्तांत प्रायु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, इसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पक्ष की एक प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विश्वलाने के लिये प्रस्तुत करनी वाहियं कि यह वितनाम से प्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावितित व्यक्ति है पौर वियननाम ने जनाई, 1975 के विश्व प्रायम नहीं पाया है।

- (8) विवम 59 (12) वा 5(1) (11) क भन्तर्गत थायु में छूट नाहुने याले कीनिया, छगांचा सथा संयुक्त गणराज्य संजानिया (भूतपूर्व टांगनिका भौर जंजीबार) से प्रवजन कर भाये हुए या जाम्बिया, मलावी, जरे तथा इबियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करना नाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवजन कर भाषा है।
- (9) नियम 5(ग) (18) या नियम 5(ग) (19) के अन्तर्गत प्रायु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत श्राष्ट्र को छूट चाहने वाले भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से विस्था- पित व्यक्ति को निम्नलिखित में से किसी प्राधिकारी से इस आश्य के मांग पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये कि यह भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 से बीच की अवधि के वौरान, भारत प्रव्यक्त कर कृता था—
- विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्र या राहत शिविरों के शिविर कमोडेंट;
- उस<sup>\*</sup>इलाफे का जिला मैजिस्ट्रेट जिसमें यह फिलहाल रहता हो;
- 3. भ्रपने-भ्रपने जिलों में गरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी भितरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट;
- अपने प्रभारान्त प्रान्त सब-डिवीजन के अन्दर सब-डिबीजनल अफसर;
  - 5. शरणार्थी पुनर्वास का उपायुक्त ।
- (10) बासम में रहते वाले व्यक्तिको, को नियम 5(ग)
  (20) बाबता 5(ग)(21) के संतर्गत मानू सीमा में छूट
  वाह्रता है, उसको सन जिला मैजिस्ट्रेट भयवा सब-डिविजभस धफसर से जिसके क्षेत्राधिकार में वह साधारणतः निवासी
  रहा हो इस भागय के प्रमाण-पन्न की एक भिन्नभाणित सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिमें कि वह 1 जनवरी,
  1980 से 15 धगस्त, 1985 की भवधि के दौरान ग्रसम
  राज्य का प्रवासी रहा था।

### इस्मीदवार द्वारा ध्रस्तुत किये जाने वाले प्रधाण-पञ्च का फार्मे

~	प्रमाणित किया	-				
	<i></i> <del>. </del> 9	3012301	741			
	गवि					
<b>€टेश</b> च				. स्पमण्डल .		٠.
विके		में पहसी	जनवरी,	1980	ij	16
ਪ <b>ਵਵਰ<sub>1</sub></b>	1985 तक की	प्रविष्ठ 🖣	भीराव	· ,,,		

से ये।	. तक श्रमम राज्य के निवासी
	जिला मजिस्ट्रेट
	जिला
	<b>उपमण्ड</b> ल जिला <b>म</b> धिकारी

मोहू र

जारी करने की तारीख

- 6. औ उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(2) (3) (4) और 5(9) में से किसी भी वर्ग के प्रस्तगंत नोटिस के पैरा 7 के धनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है उसको किसी जिला प्रधिकारी या सरकार के राजपन्नित प्रधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से यह दिखालाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है इस ग्रायय का एक प्रमाणित पन्न लेकर उसकी धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिये पातता प्रमाण पन्न प्रवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के रेल शहरी विकास/रक्षा/ऊर्जा/जल संसाधन/संचार वाणिज्य/सूचना और प्रसारण उद्योग मंद्रालय द्वारा धावश्यक पात्रता प्रमाण पन्न जारी कर दिये जाने के बाद ही दिया जायेगा।
- 8. उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख प्रथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्ट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करे, म उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेर बवल करें और न हो कीई फेर बवल करें और न हो कीई फेर बवल करें बीर न हो कीई फेर प्रवल किये गये/मूठे प्रवेख प्रस्तुत करें। प्रवि एंने दो या उससे प्रतिक प्रकेशों या उनकी प्रतियों में काई भ्रमुं अववा विस्वति हो तो विश्वपंति के सम्बन्ध में स्पन्धीकरण प्रस्तुत किये आयें।
- 9. प्रावेदन पत्न देर से प्रस्तुत किये जाने पर घेरी के कारण के रूप में यह तर्फ स्वीकार नहीं किया जायेगा कि धावेदन प्रपत्न ही ध्रमुक तारीख को भेजा गयाचा। ध्रावेदन प्रपत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि धावेदन प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पाल हो गया है।
- 10. भायोग के कार्यासय में प्राप्त प्रत्येक धावेदन पत्न जिसमें देर से प्राप्त धावेदन पत्न भी सम्मिलित है की पावती दी जाती है तथा ग्रावेदन पत्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीद-बार को भावेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी जाती है यदि किसी उम्मीदवार को उक्स परीक्षा के भावेदन पत्न प्राप्त करने के लिये निर्धारित भिस्तम तारीख से एक मास के भन्दर पावती कहीं मिसती है तो इसे तरकाख धायोच से पावती हेतु सम्पर्क करवा चाहिये।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदक पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने आप यह प्रथं नहीं कि आवेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है और श्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके झावेदन पत्न के परिणाम की सूचना यथाणीझ वे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के मुख् होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदार को अपने झावेदन पश्च के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे झायोग तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

12. संघ लोक सेवा श्रायोग में "संघ लोक सेवा श्रायोग की वस्तु पूरक परीक्षार्थी हेतु उम्मीदबार विवरणिका" शीर्षक से एक समूख्य पुस्तिका छापी है। यह पुस्तिका सं० लो०से० ग्रायोग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता देने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

यह पुस्तिका और पिछली परीक्षाओं की नियमायली तथा पारम्परिक प्रकार के प्रश्न पत्नों का उल्लेख करने वाले पैम्प-लैटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविस लाइन्स, दिंल्सी—110054 के पास बिकी के लिये सुलभ है और इन्हें उनसे सीधे मेल आईर दाराया नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" बलाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग विल्खी--110001 और (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउण्टर और (3) गवर्नमेंट प्राप्त इण्डिया बुक बिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकला-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुश्रल पैम्पलैट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

13. धावेदन पन्न से सम्बद्ध पन्न व्यवहार — धावेदन पन्नों से सम्बन्ध सभी पन्न धावि सिचन, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, माहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को भेजे जायें तथा उनमें नीचे लिखा ध्यौरा धनिवार्य रूप से विया जाये:—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार की भ्रावेदन पंजीकरण सं० रोल नम्बर भ्रथवा जन्म की तारीख, यदि भावेदन पंजीकरण सं०/अनुक्रमांक सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीवबार का नाम (पूरा तथा बड़े भक्षरों में)
- (5) प्रावेदन पक्ष में दिया गया पक्ष व्यवशार का पता

विशेष ध्यान (1):--जिन पत्नों श्रादि में यह स्थौरा नहीं होता, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशोष ध्यान (2):—परीक्षा के समाप्त हो जाने के बाद

यदि उम्मीदशार से कोई ऐसा पन्न सूचना

प्राप्त होती है जिस पर उसने श्रपना

नाम और श्रनुक्रमांक नहीं लिखा है तो

ऐसे पन्नों पर कोई ध्यान नहीं दिया

जायेगा और न ही उन पर कोई कार्रवाई

की जायेगी)।

14. पत्ते में परिवर्तन: -- उम्मीदिवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी नाहिये कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भंजे गये पत्र आदि आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर भायोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यशाशीध्र दी जामी धाहिये यश्वपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा प्रयक्त करता है किन्सु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्थीकार नहीं कर सकता।

### धनुबन्ध-II उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

### (क) बस्तुपरक परीक्षण

नियभावली के परिणिष्ट-1 में इंजीनियरी की प्रत्येक ज्ञान विद्या (ग्रर्थात् सिविल, यांत्रिक, वैद्युत और इलैक्ट्रानिकी दूर संचार के श्रन्तगंत) भाग-1 के प्रश्न पल्ल में श्रापंकी परीक्षा "वस्तुपरक परीक्षण" के नाम से जानी जायेगी इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में श्रापंकी उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसके श्रागे प्रश्नांश कहा जायेगा). के लिये कई सुझाये गये उत्तर (जिसको श्रागे प्रत्युत्तर कहा जायेगा) दिये जाते हैं उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिये श्रापंको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य श्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण श्रापको कोई हानि न हो।

### (ख) परीक्षण का स्वरूप

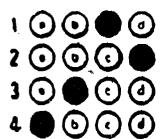
प्रश्न पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3——ग्रादि के क्रम प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी सी, डी, चिन्ह के साथ सुझाये गये प्रत्युक्तर लिखे होंगे। ग्रापका काम एक सही या यि श्रापको एक से ग्रधिक प्रत्योक्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोक्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (ग्रन्त में विये गये नमूने के प्रश्नांश देखे लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिये ग्रापको एक सही प्रत्युक्तर का चुनाव करना

होगा । यदि श्राप एक से ग्रधिक चुन लेते हैं तो श्रापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा ।

### (ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में झापको झलग एक उत्तर पन्नक दिया जायेगा जिसकी एउ नमूना प्रति झापको प्रवेश प्रमाण पत्न के साथ भेजी जायेगी। झापको झपने प्रस्युत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षा पुस्तक में या उत्तर पत्नक को छोड़कर झन्य िसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जांचे जायेग।

उत्तर पत्नक (नियमावली के अन्त में नमूना संलग्न)
में प्रश्नांशों की संख्यायें 1 से 160 तक बार खण्डों में
छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने, ए, बी, सी, डी
चिल्ल बाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षा पुस्तिका
के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के
बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस
प्रत्युत्तर के उत्तर बाले वृत्त को पैंसिल में पूरी तरह काला
बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसाकि (आपका उत्तर
दर्शाने के लिये) नीचे दिखाया- गया है। उत्तर-पत्नक के
वृत्त को काला बनाने के लिये स्याही का प्रयोग नहीं करना
चाहिये।



यह जरूरी है कि:--

- 1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल प्राच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लायें और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिये ग्राप भ्रपने साथ एक बड़ भी लायें।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी मसाबधानी न हो जिससे वह फट जाये या उसमें मोड़ व सिलवट भ्रादि पड़ जाये या वह खगब हो जाये।

### (घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- ग्रापको परीक्षा ग्रारम्भ करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही ग्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की धनुमति नहीं मिलेगी।

- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सींप दें। ग्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की ग्रमुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जायेगा।
- 5. आपको उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। श्रापको कुछ विवरण उत्तर पत्नक पर कूटबढ़ भी करने होंगे। इसके बारे में श्रापके नाम श्रनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजे जायेंगे।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिये गये सभी ध्रनुदेश ध्रापको सावधानी से पढ़ने हैं। इन ध्रनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से ध्रापके नम्बर कम हो सकते हैं। धगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्यु-सर के लिये श्रापको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के श्रनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षण किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को श्रारम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके श्रनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. ग्राप प्रपत्ता प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लायें, ग्रापको ग्रपने साथ एक एवं बीं पेंसिल, एक रखड़, एक पेंसिल शापितर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। ग्रापको सलाह दी जाती है कि ग्राप ग्रपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लायें जिस पर कुछ लिखा न हो। ग्रापको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या ग्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी अरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिये श्रापको एक अलग कागज दिया जायेगा। ग्राप कच्चा काम या शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, ग्रपना रोल नम्बर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे ग्रपने उत्तर पक्षक के साथ पर्यवेक्षक को घापस कर दें।

### (ङ) विशेष श्रनुदेश

परीक्षा भवन में ग्रपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक भ्रापको उत्तर पन्नक देंगे। उत्तर पन्नक पर भ्रपेक्षित [चना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक भ्रापको रीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर भ्राप यह भ्रवण्य देखा लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है भ्रान्यथा, उसे बदलवा लें। परीक्षण पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर भ्रपना भ्रनुक्षमांक लिख दें। भ्रापको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की भ्रनुमित नहीं है जब तक परीवेशक ऐसा करने के लिये न कहें।

### (च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य प्रापकी गति की धपेक्षा शृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि प्राप ध्रपने समय का यथा सम्भव दक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ भ्राप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापर- बाही न हो। भ्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। भ्रापको जो प्रश्न श्रत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर ममय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंत्र समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। श्रापके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार पर ही धापको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तर के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

### (छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी भावस्थक बस्तुएं ले जायें और आपको हाल छोड़ने की अनुमित दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं है।

### नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

नोट---\*सही/सर्वोत्तम (उत्तर विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

### 1. सामान्य श्रध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है?

- (a) रक्त का दाध वायुमण्डल के दाख से कम होता है।
- \*(b) रक्त का दाब वायु मण्डल के वाब से श्रधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की भ्रन्यरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
- (d) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब के भ्रनुरूप घटता-बढ़ता है।

### 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

### 3. স্কৃষি

श्ररहर में फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- \*(a) बृद्धि नियंसक द्वारा छिड्काव
  - (b) दूर-दूर पौधे लगाना
  - (c) सही ऋखु में पौधे लगाना
  - (d) योड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना

4. (रसायन विज्ञान)

 $\mathrm{H_{3}VO_{4}}$  का एनहाड़ाइड निम्नलिखित में से क्या होता

- है ?
- (a) VO
- (b) VO<sub>4</sub> (c) V<sub>2</sub>O<sub>4</sub>
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>

### 5. (भ्रर्थशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- \*(a) सीमान्त राजस्य उत्पाद से मजदूरी कम हो।
  - (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्य उत्पादन दोनों बराबर हों।
  - (c) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से श्रधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हों।

### 6. (वैधुत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को आपेक्षित पैरावैश्वतांक 9 के पैरा-वैश्वत से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त प्रस्तराल में संचरण थेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

### 7. (भूविज्ञान)

बैसाल्ट में 'प्लेजिओक्लेस' क्या होता है।

- (a) भालिगोमलज
- \*(b) लेक्नोडोराइट
- (c) भ्रल्बा**इ**ट
- (d) एनाथाईट
- 8. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और  $d_2y$  dy समीकरण  $-\frac{1}{dx^2}$  dx

को संगत रखने वाला वक परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (a)  $y=a^x+b$
- \*(b) y=aX
- (c) y=aex+bex
- (d)  $y=ae^{x}-a$
- 9. (भौतिकी)

एक स्नादर्श ऊष्मा इंजन 400°K और 300°K तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- \*(b) (4—3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्निश्चित में से क्या होगा?

- (a)  $4^2$
- \*(b) 3
- (c) x
- (d) -5

1 1. (भूगोन)

वर्मा के दक्षिणी भाग की घत्याधिक समृद्धि का कारण निम्निखिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- \*(b) बर्मा की ग्रधिकांश निदयों का खेल्टाई भाग है।
  - (c) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
  - (d) देश के प्रधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।
  - 12. (भारतीय इतिहास)

बाह्यणवाद के संबंध में निम्निलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी शाह्मणवाद के श्रनुयायियों की संख्या बहुत भिक्षक थी।
- (b) श्राह्मणवाद बहुत श्रिष्ठिक कर्मकोड और श्राडंबर से पूर्णे धर्मे था।
- (c) प्राह्मणवाद के अभ्युदय के साथ, बिल संबंधी अप्र कर्म का महत्व कम हो गया।
  - (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए द्यामिक संस्कार निर्धारित थे।
  - 13. (वर्शन)

निम्नलिखित में से निरीक्ष्यरवादी दर्शन समूह कौन मा है ?

- (a) बौद्धा, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वशेषिक, जन और **बौदा, चार्वा**क
- (c) श्रद्धन, वेदांत, सांख्य, चार्वाक, योग
- \*(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, वार्बाक

14. (राजनीति विज्ञान)

"वृत्तिगत प्रतिनिधान" का **ध्रथं** निम्न<mark>लिखित में से क्या</mark>

- \*(a) व्यवसाय के ग्राधार पर विधानमंडल में प्रति-निधियों का निर्वाचन ।
  - (b) किसी समूह या किमी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
  - (c) किसी रोजगार सबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का भुनाव।
  - (d) श्रमिक संधीं द्वारा अत्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।
  - 15. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किसको निर्देशित करती है?

- (क) लक्य संबंधी द्यावश्यकता में वृद्धि भावात्मक।
- \*(b) अन्तर्नोद अवस्था में न्यूमता
  - (c) ध्यावहारिक ग्रधिगम
  - (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम
  - 16 (समाजशास्त्र)

भारत में पंचांयती राज संस्थाओं की निम्न में से कौत-सी उपलब्धि है ?

- \*(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्णों की औपचारिक प्रतिनिधित्य प्राप्त हुआ है।
  - (b) छुग्राछूत कम हुई है।
- (°) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का **लाभ** मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुमा है।

  टिप्पणी:--उम्मीदबार को यह ध्यान रखना बाहिए कि

  उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केबल

  उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह अरूरी

  नहीं है कि ये इस परीक्षा के पाठ्यचर्या के

  श्रनुसार हों।

# ENFORCEMENT DIRECTORATE (FOREIGN CHANGE REGULATION ACT)

New Delhi-3, the 27th January 1987

No. A-11/10/76.—Director of Enforcement hereby appoints Shri A. K. Lawande. Enforcement Officer in this Directortae to officiate as Chief Enforcement Officer on ad-hoc basis for a period of six months in Jaipur Field Unit of this Directorate with effect from 5-1-1987 (Forenoon).

KALI CHARAN Chiti Enforcement Officer (ADMN)

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Dlhi, the 30th January 1987

No. 2/3/87-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Smi K. L. Arora a permanent P.A. as Sr. P.A. in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from the forenoon of 14-1-1987 for a period of three months or until further orders whichever is earlier.

MANOHAR LAL Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 22nd January 1987

No. O.U-2/85-Adm-3.—Shri Mohanl Singh, Section Officer on promotion as JAD(A/Cs)/Audit Officer on ad-hoc basis has taken charge as Audit Officer on 13-1-87 (FN) in Internal Audit Party (North Zone) CRPF, New Delhi.

No. O.II-5/87-Adm-3.—Shri J. L. Bajaj, Subedar Major (Office Supilt.) on promotion as Section Officer has taken charge on 16-1-1987 (FN) in Directorate General, CRPP, New Delhi.

Sd/- JLLIGIBLE.
Deputy Director (Adm)

### DIPECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 20th January 1987

No. E-16013(2)/23/82-Pers.I/115.—In supersession of this Hurs, notification of even number dated 30th October, 1986. Shri D'lip Mitre, IPS (WB: 76) has been relieved of the charge of the post of Commandant, CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the afternoon of 7th January, 1987.

The 23rd January 1987

Ι

No. E-28017/10/84-Pers.II/139.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri S. C. Jana, relinquished change of the post of Commandant, CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur, in the afternoon of 31st December, 1986.

### П

Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri K. N. Saksena, relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit BALCO Korba, Balco Nagar, Distt. Bilaspur, in the afternoon of 31st December, 1986.

### ш

Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri P. K. R. Nair, relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit FACT Cochin Division. Cochin, in the afternoon of 31st December, 1986.

D. M. MISRA Director General/CISF

# MINISTRY OF FINANCE OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Cochin-682031, the 26th December 1986

No. 1/86.—The Collector is pleased to appoint Shri A. Radhakrishna Marar, Inspector of Central Excise to the grade of Supdt. Group 'B' of Central Excise & Customs in the pre-revised scale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200 '-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the post of Supdt. Group 'B' at Central Excise Hqrs. Office Cochin in the Forenoon of 23-7-1986.

No. 2/86.—The Collector is pleased to appoint Shri P. Radhakrishnan (No. II), Inspector of Central Excise & Customs to the grade Supdt. Group 'B' of Central Excise in the prerevised scale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the post of Supdt. Group 'B' as Special Customs Preventive Unit, Kashangad in the Forenoon of 31-7-86.

No. 3/86.—The Collector is pleased to appoint Shri K. Sankaranaravanan, Office Supdt, to the grade of Administrative Officer (Group 'B') in the pre-revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the post of A ministrative Officer. Central Excise Divisional Office Cannauore on ad-hoc basis from 30-3-85, F.N. and on regular basis from 21-7-86 F.N.

No. 4/86.—The Collector is pleased to appoint. Shrimati V. P. Sarojini, Office Supdt., to the grade of Asst. Chief Accounts Officer (Group 'B') in the pre-revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the post of Asstt. Chief Accounts Officer (No. II). Central Excise Hqrs. Office Cochin on ad-boc basis from 5-12-85 F.N. and on regular basis from 21-7-86 F.N.

No. 5 '86 -- The Collector is pleased to appoint Shri S. Jayaraman, Inspector of Central Excise and Customs to the grade of Supdt. of Central Excise (Group 'B') in the prerevised scale of Rs. 650-30-740-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the post of Supdt. (Group 'B') of Central Excise and Custom at Custom House, Kozhikode (SCP Division, Kozhikode) in the Forenoon of 22-9-86.

No. 6/86.—The Collector is pleased to appoint Shri N Sankaran Nair. (No. II). Inspector of Central Excise & Customs to the grade of Sundt. (Group 'B') of Central Excise & Curtoms in the pre-revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the nost of Sundt. (Group 'B') of Central Excise & Customs at Quilon T Range of Central Excise Division. Trivandrum, in the forenoon of 16-10-86.

No. 7/86.—The Collector is pleased to appoint Shri C. Ayyappan Pillai, Inspector of Central Excise & Customs to the grade of Supdt. (Group 'B') of Central Excise & Customs in the pre-revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the post of Supdt. (Group 'B') of Central Excise & Customs at Vandiperiyar Range, Central Excise Division Kottayam in the Afternoon of 14-10-86.

No. 8/86.—The Collector is pleased to appoint Shri N. Madbavan Ezhuthachan, Inspector of Central Excise and Customs to the grade of Supdt. (Group 'B') of Central Excise & Customs in the pre-revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the post of Supdi. (Group 'B') of Central Excise & Customs at Kalamassery II Range, Central Excise Division I, Ernakulam in the forenoon of 3-11-1986.

No. 9/86.—The Collector is pleased to appoint Shri V. E. D'Silva, Inspector of Central Excise & Customs to the grade of Supdt. (Group 'B') of Central Excise and Customs in the pre-revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

2. The Officer accordingly assumed charge of the post of Supdt. (Group 'B') of Central Excise & Customs at Punalur Range of Central Excise Division in the forenoon of 3-11-1986.

No. 10/86.—The Collector is pleased to appoint Shri K. M. Edison, Inspector of Central Excise & Customs, to the grade of Supdt. (Group 'B') of Central Excise & Customs in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/-.

- 2. The Officer accordingly assumed charge of the post of Supdt. (Group 'B') of Central Excise & Customs in the Internal Audit Branch of Central Excise Collectorate, Cochin in the forenoon of 1-12-86.
  - C. No. II, 39/219/85-Estt.I.

M. A. ALLAM Deputy Collector (P & E)

### Jaipur, the 29th January 1987

No. II-3(5)Et.I/86/10.—The Collector is pleased to appoint the following Inspectors of Central Excise & Customs, Jaipur in the grade of Superintendent Group 'B' from the date mentioned against their names in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/-.

S. No. Name				Date of appointment in the grade of Supdt. Grade 'B'	Place of posting on promotion		
S/S	Shri						
	ıdi I.al			5-3-86	C. Ex. Division,		
				(F.N.)	Ajmer.		
2, K.	L. Sharma			7-8-86	C. Ex. Hqrs. Jaipur		
•				(F.N.)			
3. J. I	N. Sharma			26-8-86	C. Ex. Div. Jaipur.		
				(F.N.)			
4. M	idan Singh				C. Ex. Div., Udaipur		
				(F.N.)			
5, S.	C. Verma			30-6-86	C. Ez. Div. Kota		
				(F.N.)	0.5.10		
6, S.	B. Gupta		•	18-9-86	C. Ex. Hqrs., Jaipur		
±				(F.N.)	O E. D. 1.41		
7. K.	C. Patel	•	•	23-9-86	•		
				(F.N.)	pur.		

8. On his termination of deputation as Assistant Registrar Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tr.bunal, Madras Shri V. V. Subramanian has joined as Admn. Officer (Hqs.) at Central Excise Collectorate, Jaipur on 10-7-86 in forenoon.

KISHAN SINGH Deputy Collector (P&E)

# DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS, INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 22nd January 1987

No. 604/A.—S/Shri G. A. Pagare and T. V. Ulahanan are appointed to officiate as Security Officers (Group 'B' Gazetted) in Currency Note Press and India Security Press on ad-hoc basis on usual terms and conditions for the periods as mentioned below:—

- (a) From 3-4-1982 to 24-9-1982
- (b) From 4-7-1984 to 3-4-1985

The date shown as 14-4-1986 in the Notification No. 390/A dated 19-9-1986 stands amended as 15-4-1986.

P. S. SHIVARAM General Manager

#### BANK NOTE PRESS

### Dewas, 24th January 1987

No. BNP,C/5/87.—In continuation of this office's Notification No. BNP/C/59/85 dated 10-9-85 the terms of appointment of Shri Hawaldar Singh as Accounts Officer on deputation is extended upto 30-4-87 (AN) or till such time the eligible persons are available for promotion, whichever is earlier on the same terms and conditions.

M. V. CHAR General Manager

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS & MISC-I

New Dolhi, the 23rd January 1987

No. Admn. II / 2(1) / IX / 2211.—The Director of Audit, Commerce, Works & Misc-I, New Delhi has ordered the promotion of the following Assistant Audit Officers as temporary Audit Officers on provisional basis in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 from the dates shown against each.

S. No.	Nai	ne	Date of promotion			
S/Shri	<del></del>		 			
1. V. Vasudeva	. Murth	у.				31-3-86
2. E.M. Warrio	r.					17-3-86
3. V. D. Vasud	eva .					29-5-86
4. B. K. Das .					_	1-5-86
5. J. P. Mittal-	. 1					15-7-80
6. J. P. Mittal-	Π.					13-6-86
7. Bodh Raj .						8-12-86
8. D. D. Gupta	a .					19-12-80
9, R. D. Math	ur .		-	-		17-12-80
10. B. S. Sharm	a.		•		•	17-12-86 (A.N.)

alai s

### The 28th January 1987

No. Admn.III/2(8)/AAO/84-87/2299.—The Director of Audit, Commerce, Works & Miso-I, New Delhi has ordered the promotion of the following Section Officer's as temporary Assistant Audit Officers (Group 'B' Gazetted) on provisional hasis in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 from the dates shown against each.

S. No.	Name			Date of Promotion
S/Shr	i	 	 	 
1, V. Ka	rupavaram			1-1-8
2. B. P.	S. Tomar .			Do.
3. Raght	ubir Chand			Do.
4. Gulsh	an Lal .			Do.
5. Akhil	Kumar .			Do.
6. Chanc	ler Kumar			D'o

A. C. GARG Joint Director (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700001, the 29th January 1987

No. Admn. I/C/490, 2844-47.—The Director of Audit.

Central, Calcuttal has been pleased to appoint the following Audit Officers of this office in substantive capacity in the Audit Officers' Grade with effect from the date noted against each:—

Sl. Name No.				Date of confirma-
S/Shri		 		 
1. Nalinaksha Roy				. 28-12-85
2. Sudhir Ranjan Roy			,	1-1-86
3. Panchanan Das				1-6-86
4. Ramendra Kumar Sens	arma			1-6-86
5. Rabidas Naskar (SC)				8-7-86
6. Kanta Charan Barman	(SC)		,	1-9-86
7. Arun Baran Choudhury	,			1-10-86
8. Amit Kumar Biswas			_	1-10-186

Sd/- ILLEGIBLE Dv. Director of Audit (A) Central

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERALM ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 21st January 1987.

No. Admn. 1/8-132/86-87/156.—Shri S. Subramaniam-IV, Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit). Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the A.N. of 30-11-1986.

Sd/- ILLEGIBLE Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-1 GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 23rd January 1987

No. I:stt.(A)/GO/3(39)3013.—The Accountant General (Audit)-1, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Asstt. Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit), Gujarat, at Ahmedabad/Rajkot with effect from the dates shown against each until further orders.

S/Shr)	Α.				
I. D. Eswaran .		•	•	8-1-86 (A.N.)	Ahmedabad
2. R. I. Bhavsar	-	-		Do.	Do.
3. V. R. Shah-II				Do.	Do.
4. R. J. Ahya				Do.	Rajkot

The above is provisional and subject to the outcome in the Special Civil Application No. 388 of 1984 in Honourable High Court of Gujarat.

> Sd/- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (ADMN.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I KARNATAKA

Bangalore, the 23rd December 1986

### OFFICE ORDER

No. AG (Au) I/Admn I/A-1/86-87/510.—The Accountant General (Audit) I is pleased to promote Shri K. R. Parthasarathy, Assistant Audit Officer as Audit Officer in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of Seniors, if any, with effect from the date of taking over charge in this office.

Consequent on his promotion as Audit Officer, the option to be exercised for fixation of pay in the higher scale as per Govt, of India, decision (15) below FR 22 (c), Swamy's Compilation (VII Edition) (GIMHA Department of Personnel & A. R. O. M. No. 71/80 Estt. P. I. dated 26th September, 1981) should be exercised by him within one month from the date of promotion.

Sd/- ILLEGIBLE Deputy Accountant General (ADMN.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I MAHARASHTRA

Bombay-20, the 13th January 1987

No. Admn.I/Audit/Genl/AO/I(1)[6.—The Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Asstt. Audit Officers to Officiate as Audit Officers with effect from the date mentioned against their names, until further orders:—

Sr. No.	Name					Date of appointment as A.O.		
1. Shri V	. G. Surve		,			1-12-1986		
	,					(Forenoon)		
2. Shri M	I. N. Khandare					19-12-1986		
						(Forenoon)		
3. Shri R	. N. Ramteke					16-12-1986		
						(Forenoon)		

#### The 20th January 1987

No. Admn.I/Audit/Genl/AAO/2(1)/8.—The Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Assistant Audit Officers (Group B-Gazetted), with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

1. Smt. M. Verghese .			,	1-1-1987
				(F.N.)
<ol><li>Shri P.R. Khanzode .</li></ol>				2-1-1987
				(F.N.)
3. Shri T. P. Mishra .			_	1-1-1987
,				(F.N.)
4. Smt. V. Gopalakrishnan				5-1-1987
,				(F.N.)
5. Shri P. P. Hiwarekar .				1-1-1987
				(F.N.)
6. Smt. Sagaya George			_	1-1-1987
		-	·	(F.N.)
7. Shri S. V. Kathawate .		,		1-1-1987
	•	•	•	(F.N.)
8. Smt. Indira Ramakrishnan	١.			1-1-1987
o, omi, mana Kamakisiman	٠.	•	•	(F.N.)
·			•	(1.14.)

Sd/- ILLIGIBLE Sr. Deputy Accountant General/Admn.

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

### New Delhi, the 22nd January 1987

No. 4501/Admn./130/86.—Director of Audit. Defence Services is pleased to appoint the undermentioned officiating Asstt. Audit Officers to officiate as Audit Officers until further orders from the date noted against each:—

SI. No.	Name & Designation	Office in which appointed	Date from which appointed	
	S/Shri			
	B. K. Khanna, Asstt. Audit Officer	Jt. Director of Audit (Ordnance Factories), Kanpur	13-10-86	
	Om Prakash-I, Asstt. Audit Officer	Dy. Director of Audit. Defence Services, N.C. Jammu.	, 12-11-86	
	A. K. Adhikari, Asstt, Audit Officer	Jt. Director of Audit Defence Services (EC) Patna.	1-12-86	
	Tulsi Das, Asstt. Audit Officer	Dy. Director of Audit Defence Services (NC) Jammu,	*	
	S. N. Singh Asstt. Audit Officer	Director of Audit (Air Force/Navy) New Delhi.	31-12-86 (A.N.	

B. S. GILL Joint Director of Audit Defence Services

### MINISTRY OF DEFENCE

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 28th January 1987

No. 1/G/87.—The President is pleased to confirm the

following officers in the grade of Staff Officers with effect from the dates shown against them:—

Sl. No. Name & Designation			Date of Confirmation
S/Shri			
1. Sabitangsu Prakash Goswami			1-8-83
2. Dhìrendra Nath Saha (SC)	-		1-8-83
3. Dilip Kumar Mitra (II) .	-		1-8-83
4. Barindra Nath Ghosh .	-	-	1-8-83
5. Amiya Kumar Basu			28-2-85

M. A. ALAHAN Jt. Director (G)

#### MINISTRY OF INDUSTRY

THE GOVERNMENT OF A JUNE PROPERTY OF THE TABLE OF A PROPERTY OF A LOCAL OF A PROPERTY OF THE P

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 14th November 1986

No. A-31012(50)/85-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Grade II) (Leather/Footwear) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

S. No. Name of the		cer			•	Date from which appoin- ted in a subs- tantive capacity
S/Shrı			·			
I. K. K. Makkar						31-12-1985
2. M. G. Seshadari				-		31 <b>-12-198</b> 5
3. K. S. Naidu			-			31-12-1985

No. 31013(52)/85-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri P. C. Bhavsar to the post of Asstt. Director (Grade II) (Food Preservation) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from 25-11-1985.

### The 17th November 1986

No. A-31012(47)/85-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Grade II) (Electrical) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

S. No.	, ite. Trible of the one				Date from which appoin- ted in a substan- tive capacity
5/Sh 1 B. S	rî ukumarao		,		 8-11-85
2. M. I	R. Padmanabhan			<del></del>	8-11-85

No. 31012(49) /85-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Grade II) (Chem.) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

S. No. Name of the	ne of	licer			to si	Date from which appointed in a substantive apacity
S/Shri						
<ol> <li>K.S. Rajan</li> </ol>			-			31-12-1985
2. R. Mukhopadhya	y				-	31-12-1985
3. V. G. Wani						31-12-1985
4. P.A.S. Subramani	ผกา					31-12-1985
5. A. Mukherjee					• 1	31-12-1985
6. P. N. Patodia		•		-		31-12-1985

No. A-31013(42)/85-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Grade II) (Mechanical) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

S. No. Name of the of	ficer			Date from which appointed in a substantive capacity		
S/Shri						
1. K. C. Anujan Raja					31-12-1985	
2. R. S. Ganguly				•	31-12-1985	
3. R. N. Nandi					31-12-1985	
4. J. L. Kaul		•			31-12-1985	
5. H. N. De				•	31-12-1985	
6. K. K. Sikka		•			31-12-1985	
7. S. Ardhuman Singh	•		•	-	31-12-1985	
8, P. R. S. Raman	-				31-12-1985	
<ol><li>K. S. Dharamraju</li></ol>	•	-		-	31-12-1985	
10. T. D. Srinivasan ·		•		٠	31-12-1985	
11. N. V. Venkataraman	•		•		31-12-1985	

### The 27th November 1986

No. A. 31013(42)/85-Admn. (G).—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Grade I) (Industrial Management Training) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

Date from which appoin-

S. Ņo.	Name of	Name of the Officer				SI	ted in a substantive capacity	
1	2	<del></del>	• • •		4		3	
S/Sh	ri	-						
1. J. B.	Ramamurtl	ıy				•	31-12-1985	
2. A. P	Bose ·		•	• '			31-12-1985	
3. K. T	f. Sambandh	am					31-12-1985	
4. A. E	C. Sarkar						31-12-1985	
5. S. S	P. Rao						31-12-1985	
6. B. N	1. Sharma						31-12-198:	
	cara Rao						31-12-1985	

1 2						3
		-		_		
8. K., S. Govindaraj	jan				•	31-12-1985
9. V. Sardana ·						31-12-1985
10. L. P. Singh		-	-		•	31-12-1985
11. K. C. Verghese		-			•	31-12-1985
12. M. S. N. Murthy	,					31-12-1985
13. G. M. Ambhore						31-12-1985
	- —					

No. A-31013(35)/85-Admn. (G).—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Gr. 1) (Electrical) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

S. No.	Name of the of	ficer		te st	Pate from Thich appointed in a Pubstantive Pupacity
S/Shri	— — — — — — — — — — — — — — — — — —		 		
1. T. R. F	tajagopalan			•	31-12-1985
2. H. Bha	ttacharya ·				31-12-1985
3, K. K. I	Manchanda				31-12-1985
4. A. Ban	dopadhyay		٠.	- ,	31-12-1985
	ramanian fyer				31-12-1985
6. G. D. C	3ldwani .				31-12-1985

### The 10th December 1986

No. A-31013(15)/85-Admn. (G).—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Director (Gr. II) (Chemical) in the Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against them:—

S. No.	Name of the o	fficer			wi tec su	ate from nich appoin- l in a bstantive pacity
S/Shr	i	1		-		
1. P. R.	Malhan	•			•	31-12-1985
2. S. K.	Chakraborty	•	•	•	•	31-12-1985

### The 18th December 1986

No. A-31013(12)/85-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Sinha to the post of Director (Gr. II) (Metallurgy) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from 31-12-1985.

### The 21st January 1987

No. 12(104)/61-Admn. (G).—On attaining the age of superannuation Shri P. R. Malhan, relinquished charge of the post of Industrial Adviser (Chemical) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from afternoon of 31st December, 1985.

# The 22nd January 1987

No. A-19018(61)/73-Admn. (G).—The President regrets to announce the death of Shri C. L. Sharma. Assistant Director (Grade 1) (Economic Investigation), Small Industries Service Institute. Agra on 9th November, 1986.

No. A-19018(220)/75-Admn. (G).—Consequent on his appointment as General Manager (District Industries Centre) Dadra & Nagar Haveli, Silvasa, Shri C. H. Subramanian, relinquished charge of the post of Deputy Director (Glass/Ceramics) at Branch Small Industries Service Institute, Silvasa on the afternoon of 31-7 1986.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL, PATENTS, DESIGNS & TRADE MARKS

Bombay-400 020, the 16th January 1987

No. CG/F,'14/7(13)/Patents/86-87|163.—The President is pleased to appoint Shri Shrikant Jayacharya Vaidya, as examiner of patents & Designs, (Group 'A' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700-1300 on regular basis in the Patent Office Branch, Bombay, with effect from 27-11-1986 (F.N.). He will be on probation for a period of two years with effect from the said date.

### The 14th January 1987

No. CG/F/1/2(7)/86/162.—Shri M. Rajamanikam is hereby appointed as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 2000-3500 on deputation basis with effect from 12-11-1986 F.N. in the Patent Office Branch, New Delhi.

R. A. ACHARYA Controller General of Patents, Designs & Trade Marks

### JSPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 29th January 1987

No. 558B/A-32013/1-Sr. DDG (Oprn.)/86-19A.—The President is pleased to appoint the following Deputy Director General (Geology), Geological Survey of India, on promotion as Senior Deputy Director General (Operation) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2500-125/2-2750/. in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

- 1. Shri S. K. Srivastava -12-12-86 (AN).
- 2. Dr. H. S. Parcek-15-12-86 (FN),

No. 574B/A-32013/1-Sr. DDG (Oprn.)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Vohra, Deputy Director General (Geology), Geological Survey of India on promotion as Senior Deputy Director General (Operation) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 2500-125/2-2750/\_ in an officiating capacity with effect from the afternoon of 12th December, 1986, until further orders

No. 585B/A-32013/1-Sr. DDG (Oprn.)/86-19A.—The President is pleased to appoint Dr. D. K. Ray. Deputy Director General (Geology), Geological Survey of India, on promotion as Senior Deputy Director General (Operation) in the same Deputrment on may according to rules in the scale of pay of Rs. 2500-125/2-2750/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th December. 1986, uptil further orders.

N. K. MUKHERJEF Sr. Dy. Director Genl. (Oprn.)

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 20th January 1987

No. A-20012/84/70-Exh. (A).—Shri Piare Lal working as Senior Artist in the Directorate of Advertising & Visual Publicity has retired from Government Service on superannuation in the afternoon of 31-12-1986.

S. 1. SINGLA
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st January 1987

No. A-32014/2 86-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Lalit Rishore, Sr. Scientific Assistant (Drugs) to the post of Technical Officer in the Central Drug Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services with effect from the afternoon of the 6th January. 1987 on ad-hoc basis and until further orders.

No. A. 32014/4/86-Admn-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sunder Lal, Research Assistant (PFA) to the post of Technical Officer (PFA) in the Directorate General of Health Services with effect from the furnoon of the 8th Japuary, 1987 on ad-hoc basis and and until further orders.

P. K. GHAI Dy. Director Administration (C&B)

New Delhi-11011, the 28th January 1987

No. A.12025/6/80-NICD/PH(CDL).—The President is pleased to appoint Dr. C. Rajendran in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Director (Mycology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the 20th April, 1985.

No. A. 12025/2/83-NICD/(CDL).—The President is pleased to appoint Dr. (Kum) Raminder Kaur to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th December, 1986 and until further orders.

Smt. JESSIE FRANCIS Dy. Director Administration (PH)

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400085, the 15th January 1987

Ref. No. DPS/D-40/Estt/87-Adm/2201.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri K. P. Doiphode, Asstt. Stores Officer, Central Stores Unit, of this Directorate has retired from Government service with effect from 31-12-86 (AN).

B. G. KULKARNI Administrative Officer

### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 15th January 1987

No. AMD-16/9/85-Rectt./956.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shrl Surject Singh, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc

basis with effect from 19-2-1987 vice Shri O. Officer granted leave,	
Sr	 A. W. KHAN ve & Accounts Officer

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110066, the 12th December 1986

No A.32013/4/86-EC(A)(.).—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the following officers in the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department during the period indicated against each:—

S. No.	Name			Period			
				~	From	To	
S/Sh		-4					
	. Subramaniar	ì		•	1-4-86	30-4-86	
2. H. N	1. Prabhakar	*	•	,	Do.	31-5-86	
3. D. F	ichumani				Do.	До.	
4. H. I	. Chawla	•	•	•	Do.	Do.	
5. G. J	. Mehta			•	Do.	Do.	
6. S. P	. Srivastava	•	٠	•	Do.	Do.	
	. Batra	•	•	-	Do.	Do.	
8. S. P.	Chowdhury	-	•	-	Do.	Do.	
9. Ishv	at Dayal		•		Do.	D٥.	
10. A. N	Iahalingeswara	ı	•		Do.	Do.	
11. F. S	Bhatia ·				Do.	Do.	
12. R. I	I. Mukunth				Do.	Do.	
13, B. K	. Mukherjee				Do.	Do.	
14. Jogii	nder Singh Ma	nn			Do.	D٥.	
15. P. S				•	Do.	Do	
	, Das Gupta			. •	. Do.	Do.	
	. Sharma				Do.	Do	
18. I. S	. Vedi				Do.	Do	
	. Bajaj		٦		Do.	Do.	
	Akolkar				Do.	Do	
	. Ichupunani				Do.	Do	
	vi. Khattermal				Do.	oa	
	. Biswas		٠.		Do.	Do.	
	. Negi			,	Do.	Do	
	nder Singh				Do.	Do	
	K. Sathaye				Do.	Do	
	C. Punnetha				Do.	Do	
28. A. S					Đo,	Do.	
	N. Mani	٠.		_	Do.	Do	
	5. Jolly	٠.			Do.	Do	
	. Bhosale				Do.	Do	
						Do	
32. D. S	i. Ranga Rao				Do. Do.	Do Do	
34. <b>B</b> . C					Do. Do.	Do	
	nek Singh				Do. Do.	Do Do	
	nek Singii V. J. Nambiar				Do.	Do	
	s. Khaira	•	•	•	Do. Do.	Do Do	
	5. Ahluwalia			•		_	
					Do, Do.	Do Do	
	bir Singh			•	Do. Do.	Do	
	L. Kapoor			•		Do	
	), Rastogi		•	•	Do.	Do	
	K. Sandilya		•	•	Do.	Do	
	S. S. Lata	•	•	•	Do.	Do	
	K. Gandotra		•	•	Do.	Do	
	L. Sarkar	•	•	•	Do.	Do	
46. G.		•	•	•	Do.	Do	
47. <b>D</b> . 1	D. Patil	•	•	•	Do.	Do	

S. No. Name				Period		
				From	To	
S/Shri						
48. B. K. Bhasin				1-4-86	30-4-86	
49. R. S. Randhawa 🕟				Dο.	31-5-86	
50. V. C. Kulshreshta				Do.	Do.	
51. Bishwanath Dutta 🕟			•	Do.	Do.	
52. H. P. Ghosh · ·				Do.	Do.	
53. P. T. Gujrati 🕟 🕟		-		Dο.	Do.	
54. M. V. Nambiar				Do.	Do.`	
55. Y. P. Kaushik		٠		Ðο.	Do.	
56. Gopal Misra		•		Do.	Do.	
57. K. M. Suryanarayana	an	٠		Do.	Do.	
58, B. D. Bengali (SC) ·				Do.	Do.	
59. N. Jayaram (SC)			•	Do.	Do.	
60. R. K. Hazare (SC)				Do.	Do.	
61. M. L. Saini				Do.	Do.	
62. K. K. Bhanot				Do.	Do.	
63. S. V. Pillai				Do.	Do.	
64. V. S. Nanda · ·				Do.	Do.	
65. T. K. Ghoshal				Do.	Do,	
66. K. L. Bajaj				Do.	Do.	
67. M. S. Warrier				Do.	Do,	
68. T. S. Nair				Do.	Do.	
69. M. S. Motwany				Do.	Do.	
70. J. A. N. Murthy				Do.	Do.	
71. R. K. Verma				Do.	Do.	
72. S. K. Nayyar			_	Do.	Do.	
73. K. L. Bhatia		j.		Do.	Do.	
74. K. Venkataraman	•	Ċ	·	Do.		
		•		Do.	Do. Do.	
75. N. N. Singh	•	•	•			
76. M. S. Chauhan	•	•	•	Do.	Do.	
77. D. S. Jahagirdar	•	•	'	Do.	Do.	
78. Jagjit Singh		•	,	Do.	Do.	
79. B. S. Khuman	•	٠	•	Do. Do.	Do.	
80. K. C. Goswamy	•	·	•		Do.	
81. Amalendu Dutta	•	-	•	Do.	Do.	
82. D. K. Taneja	•	•	•	Do.	Do.	
83. Harbhajan	•	•	•	Do.	Do.	
84. Laxman Ram (SC)	•	•	•	Do.	Do.	
85. A. N. Paranipo	•	•	٠	Do.	Do.	
86. S. S. Kang	•	•	•	Do.	Do.	
87. H. C. Sachdeva	•	•	•	Do.	Do.	

2. The extension of the period of ud-hoc appointment of the aforesaid officers in the grade of Technical Officer will not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the service rendered on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in the grade or eligibility for promotion to the next higher grade.

M. BHATTACHARGEE Dy. Director of Admn.

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS Indore, the 21st January 1987

No. 1/87.—The following Superintendent of Central Excise Grade 'B' of Central Excise Collectorate, Indore having attained the age of superannuation retired from Government service on the dates as shown against each:—

S. No. Name of the Officer

S/Shri

1. D. S. Agrawal

2. V. S. Shrivastava

Date

(A.N.)

31-12-86

(A.N.)

31-12-86

(A.N.)

S. V. RAMAKRISHNAN Collector مواد عالي ريوان براجعه

### Bombay, the 29th January 1987

F. No. II/3H(a)3/87.—The following Group 'B' Gazetted Officers, Superintendents in Bombay-I Central Excise Collectorate have retired on superannuation on the dates shown against their names:—

Sr. No.	Name and Designation	Date of retirement
	A. N. Sayod,	31-10-86
•	t. C. Ex. (Gr. 'B') R. D. Gundale,	(A.N.) 31-12-86
Supd	t. C. Ex. (Gr. 'B')	(A.N.)

F. No. II/3E(a)3/87.—Shri S. R. Kulkarni. Selection Grade Inspector has, on promotion, assumed charge as Superintendent, Group 'B' in Bombay Central Fxcise Collectorate-I with effect from 28-11-1986 Forenoon.

A. M. SINHA Collector

### Pune, the 23rd January 1987

No. 1/87, Estt.—The following Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed as officiating Superintendent, of Central Excise Grade 'B' in the Collectorate of Central Excise and Customs Pune with effect from the dates shown against their names:—

- S. No., Name and Date of assumption of charge
- 1, Shri P. G. Bandiwadekar-15-9-86.
- 2, Shri B. B. Hugar-18-9-86.

### The 27th January 1987

No. 2/87/Estt.—The following Office Supdt have on promotion assumed as Adm. officer Grade 'B' in the Collectorate of Central Excise and Customs Pune with effect from the date shown against her name:—

S. No., Name and Date of assumption of charge 1, Kum, C, N. Arya—6-10-86,

S. D. MOHILE Collector

Vadodara, the 21st January 1987

No. 1/87.—Shri D D. Desai, Assit. Collector of Central Excise & Customs, Division-II, Baroda, on attaining the ago of 58 years on 20-12-1986, is retired on superannuation in the afternoon of 31-12-1986.

No. 2/87.—Shri B. N. Mistry, Superintendent of Central Excise and Customs (Grade 'B'), Division-I. Baroda on attaning the age of 58 years on 14-12-1986, is retired on superannuation in the afternoon of 31-12-1986.

Smt. VARALAKSHMI RAJMANICKAM Collector

# MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Western India Minerals Association

Bombay-2, the 20th January 1987

No. 622/9733/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Western India Minerals Association has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. RADHAKRISHNAN Addl. Registrar of Companies,

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Parnay Kumar Ranade
 S/o Sh. V. K. Ranade,
 425-L. Model Town lalandhar City,

(Transferor)

(2) Shii Bahadur Singh Batra
 S/o Sh. Harbans Singh Batra,
 44, Defence Colony, Jalandhar City.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1987

Ref. No. A.P. No. 6022.—Whereas, I. B. B. JATDKA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein the inferred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Mo. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961
Jalandhar on 16th June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alorsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the will instrument of transfer with the object of:—

and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a') by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; in the respect to the transfer to the transfer

Kothi No. 44, Defence Colony, Jalandhar as mentioned in the registered sale deed No. 1755 dated 16-6-86 of the Registering authority, Jalandhar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tay Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. B. JAIDKA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th January 1987

Ref. No. CHD/6A 86-87.-Whereas, I,

M. N. A. CHAUDHARY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinniter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Kothi No. 1017, Sector 27B on plot No. 3, Street F situated

at Chandigarli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chondigarh in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of truesfer with the object of the said instrument of

- rat facilitating the reduction or evasion of the blability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Ax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of we said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Smt. Shakti Rani w'o Sh. Vinod Kumar Sharma, Smt. Jaishree w/o Sh. Sham Sunder Sharma, residents of 229, Sector 9C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gur Iqbal Singh, Kaita of the family 3010, Sector 19D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the efficient persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act thail have the sume meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Kothi No. 1017, Sector 27B, Chandigath on Plot No. 3, Street-F (The property registered at S. No. 247 in May, 1986 with the Sub-Registrar, Chandigarh).

> M. N. A. CHAUDHARY Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1987

Thomas Stephen, Verna, Salcete, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Shri Joe Mathias Altinho, Parigim, Goa.

(1) Thomas Jacob and

(Transferce)

### GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th January 1987

C.R. No. 62/DR. 1709/85-86/ACQ/B.—Whereas I,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. 99/1, situated at Deao, Quepeon, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereing the love of the Register and the love of the Register and the love of the Register and love of the Register and the love of the Register and love of

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 5-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

[Registered Decument No. 1709/85-86 Dated 5-5-86]

'Benamolla' All that agricultural property known as situated at Deao, Taluka and Sub-district of Queperm of District Goa, admeasuring about 65,325 Sq. Mtrs. and more fully described in the schedule to the agreement dt. 19-2-1986.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th January 1987

C.R. No. 62/DR. 1702/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sy. Nos. 41,1, 41/3 and 42/2 situated at Utorda Village, Salcete, Coa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Deao, Taluka and Sub-district of Quepeon of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 5-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Sri Marcal Carvalho, Arossim, Goa.
  - 2. Smt. Ilda Mary Rebello, Arossim, Goa.
  - 3. Exequiel Helena Exaitação Carvalho, Panjim, Goa.
  - 4. Sri Manuel Simplicio Carvalho, Panjim, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Maharani Guest House (Unit of Laguna Restaurant) J-16, Haus Khas, New Delhi.

(Transferoc)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1299/85-86

All that landed agricultural property known as 'Novo Aforamento de Fraias' admea uring 32725 sq. Mtrs. situated at Village Utorda, Village panchayat of Utorda—Majorda— Arossim, Taluk and Sub-District of Salecte and District of Goa and more fully described in the schedule to the agreement dt. 24-2-1986.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-1-1987

(1) Iula Gidhar Lal Memorial Federation House, Tansen Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M.s. J. K. Industries Ltd., New Delhi, 'LINK HOUSE'3, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV AGGARWAL KOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delia, the 23rd September 1986

Ref. No. IAC, Acq:1V/3/EE/5-86/21.—Whereas, I, D. K. SKIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1964) (noreinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 1,06,000/- and bearing No. A-2, on 4th lk.or & Garrage No. S-B at 28, Ferozshah Road,

situated at New Berhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcerted and the agreement is registered under has been transperred under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer of L. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi Range IV on May

ror an apparem consideration which is less than the fair market value of the cloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execus the apparent consideration therefor by more than artish per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paints it is not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

- (a) facilitating the teduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Residential Flat No. A-2, on 4th floor & Garrage No. S-8, in the basement floor Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 2B, Ferozshah Road, New Delhi, Area 1844 sq. ft.

> D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-1-1987

\_\_\_\_\_

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMITAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37141 22.—Whereas. I, D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 803, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi Range IV on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Salesworth India (Γ) Ltd., 914, Chiranjiv Tower, New Place, New Delni.

(Transferor)

(2) Sh. Narindra Singh Salkan, Mrt. Saroj Salkan, Mrs. N. S. Salkan & Others, Cinnatoliah Tea Garden, P.O. North Lakhimpur, ASSAM,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the oforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other preson interested in the said immovable preserve, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 808, Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 505 sq. ft.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delbi

Dated: 23-9-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAI HOUSE, 4/14A. ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37FE/5-86/23.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 504 at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of i.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi Range-IV on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following aforesaid property by the Issue o fthis notice under subpersons, namely:—

 Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Atul Kumar Aggarwal, U/e Sh. B. K. Aggarwal, 22-Moti Eal Nehru Nagar, Bhilai, Distt. Durg (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 504, in Amba Deep at 14. K. G. Marg, New Delhi. Area 640 sq. ft.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Aggarwal House.
4/14A, Asaf Ali Road.
New Delhi

Dated: 23-9-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/5-86/24.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 1502 at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi Range-IV on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---13--466GI/86

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mahesh Chandra Aggarwal, Mrs. Meera Agarwal, Shyam Sadan (Near Chandmari Octroi Post), MATHURA (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1502, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, Area 580 sq. ft.

> D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road,

Dated: 23-9-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/5-86/25.--Whereas, I,

D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authorityunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 1006 at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi Range-IV on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not traily extend in the said instrument of transfer. parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Mrs. M. Cyrill & Others, C/O Miss Dolly Nickles, Babanpur Chawni, P.O. Bahadurpur Via Zamania Distt. Gazipur (U.P.)

(Transferor)

(2) Mr. Amrit Lal Sarna & Others, r/o B-4/39, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1006, on 10th floor in 'Amba Deep' at 14, K. G. Marg, New Delhi, area 400 sq.ft.

> D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Dated: 23-9-86.

#### FORM ITNE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECCING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/5-86/26.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovas the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 809, at 14, K. G. Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi Range-IV on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Prakash Associates. 110, Meghdoot, 94, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Anil Mehta, c/o Mr. K. K. Mehta, r/o D-193, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ask. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 809, on 8th floor in Amba Deep, 14, K. G. Marg, New Delhi, Area 450 sq. ft.

> D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 23-9-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sanjay Leekha & Others, D-62, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) A. K. Sud & Others, r/o 2A, Shankracharya Marg, Civil Lines, Delhi.

(Transferec)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/SR-III/5-86/8.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVÁ,

D. R. SRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair value market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri. land Kh. Nos. 115/1 (1-16) 117/1 ((2-6), 118 (4-6), 119 (3-16), 120/1 (1-17), 2044/123 (1-6), 2045/123 (3-8), 125 0-16) situated at with tube-well, Village Bhati, Tehsil Mehrauli New Delhi.

Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi Range-IV on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been cr which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 19 bighas and 11 biswas, Khasra Nos. 115/1 (1-16), 117/1 (2-6), 118 (4-6), 119 (3-16), 120/1 (1-17), 2044/123 (1-6), 2045/123 (3-8), 125 (0-16), with tube-well, village Bhati, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

D. K. SRIVASTAVA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 23-9-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, · MADRAS-600 006

Madras, the 30th December 1986

Ref. No. 2/May 86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14, Second Street, Dr. Thirumoorthy Nagar, Nungambak-

kam, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed horeto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1992 (1) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 211/86 in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mirza Mohammed Jawad Namazi also known as Shayesteh 14, Dr. Thirumurthy Nagar II Street, Nungambakkam, Madras-34,

(Transferor)

(2) Sri N. D. M. Rahmath Aliya sabiha Trust, 25, Krishmachary Road, Madras-34,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land and building No. 14, 2nd street, Dr. Thirumurthy Nagar, Madras-34.

(THOUSANDLIGHTS DOC NO. 211/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-12-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Neelavena and another 25, Annaswami Mudalier Road, Bangalore-42.

(Transferor)

(2) S. Chandrakala, 72, Luz Avenue Mylapore Madras-4.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 30th December 1986

Ref. No. 3/May 86.—Whereas, I,

Λ. R. REDDÝ, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

17. Nageswara lyer Road, Nungambakkam,

situated at Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 245/86 in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapte /.

### THE SCHEDULB

Land and Building at No. 17, Nageswara Iyer Road, Nungambakkam, Madras.

THOUSAND LIGHTS DOC NO. 245/86.

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-12-1986

### PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 30th December 1986

Ref. No. 5/May 86.-Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 15, Jagannathan Road, Nungambakkam, situated at Madras-34.

ment of transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer exceed to better and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Prathima Ramgopal and another 94/1, Kutchery Road, Mylapore, Madras-4.

(2) M/s. Romar Fashions, 2, Errabalu Street, Madras-1.

· (Transferor)

1533

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at No. 15, Jagannathan Road, Nungambakkam Madras-34. (THOUSAND LIGHTS DOC NO. 274 to 277/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-12-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st January 1987

Ref. No. R/May 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T. S. No. 11/41/1A 1B 1A
situated at Sanganoor
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Gandhipuram Doc No. 2396/86 in May 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri A, Venkatachalam Chettiar and another,
 419, 420 Mettupalayam Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri A. Aboobacker, and 4 others, 417 M.T.P. Road, Colmbatore.

(Transieree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building No. T. S. 11/41/1A 1B 1A. (GANDIPURAM DOC NO. 2396/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st January 1987

Ref. No. 10/May 86.-Whereas, 1, A. R. REDDY,

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. F. No. 1/A Anaimalai situated at Tiruppur TK. (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anaimalai Doc. Nos. 19, 402 to 406 408 & 409/86 in May

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

14-466GI/86

(1) Snit. R. M. Mecnambagai 2, Pulabai Desai Road, Sokikulam, Madurai District.

(Transferor)

(2) M/s. Lilly Estates F. 188 Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building in S. F. No. 1/A, Anaimalai.
(ANAIMALAI DOC NO. 10/86, 402 to 406/86 408 & 409/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 30th December 1986

Ref. No. 13/May 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
22. Chinniah Pillai Road, T. Nagar
situated at Madras-17
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras South Doc No. 1413/86 in May 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri V. R. Srinivasan and Othera, 22, Chinniah Pillai Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. Kalpana Sai Krishna, 16 A, Baliah Avenue, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 22, Chinniah Pillai Road, T. Nagar, Madras-17.
THOUSAND LIGHTS DOC NO. 1413/86.

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 30th December 1986

Ref. No. 15/May 86.--Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fteir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16, Saradambal Street, Gokulam Colony, T. Nagar

situated at Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 581/86 in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. G. Vasantha and Others 16, Sardamabal Street, Gokulam Colony, T. Nagar, Madras-17.

Transferor(s)

(2) Smt. Atluri Prabhavathi B/2/2, Gemini Parsn Complex, Madras-6.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION:—The terms and expression in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at No. 16, Saradambal Street, Gokulam colony, T. Nagar, Madras-17.
T. NAGAR DOC NO. 581/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-12-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Sri P. Devarajan,
 Balasubramaniam Colony,
 Mylapore Madras-4.

(2) H. A. Cader and others, 47, Iyaapa Chetty Street, G.T. Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 30th December 1986

Ref. No. 20/May 86.—Whereas,
A. R. REDDY,
Income-tax Act, 7961 (43 of 1961) (hereinalter referred to
Corporation No. 626 situated at 3rd Cross, 3rd Block Koramable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
234 T.T.K. Road Alwarpet Madras-18 situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Offical Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 234 T.T.K. Road, Alwarpet, Madras-18.

Madras Central Doc No. 551/86.

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-12-86

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) Sri K. L. Ramtias, 43-C. Second Avenue, Sastri Nagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Century Constructions, 481, Mount Road, Nandanam, Madras-35.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 30th December 1986

Ref. No. 22/May 86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
3, Thangal Pattni, situated at Kalashetra Road, Thiruvanmur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 1500/86 on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land at No. 3, Thangal Pattai Kalakshetra Road, Thiruvanmiyur Madras-41.

(Madras South. Doc. No. 1500/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-12-86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 30th December 1986

Ref. No. 23/May 86.--Whereas, 1,

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

17/80 Dr. Radhakrishnan Road, situated at Madras-4

17/80 Dr. Radhakrishnan Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 1599/86 on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ihansi Rani, 93-A Block Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

 Sri M. Sivaram, 10, III Cross Street, Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 17/80 Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.

(Madras South. Doc No. 1599/86).

A. R. KEDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 30-12-86

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/5-86/63.—Whereas I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Terrace 6, Block C-11, at Oberoi Apartment Bearing No. Terrace 6, Block C-11, at Oberoi Apartments, 2-Shamnath Marg, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/Registered under the Income-tax Act, 1961 in the office of the I.A.C. Acq. Range-II on May 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Indubala Dhillon,
 Sham Nath Marg, Delhi-110054.

(Transferor)

(2) Smt. Deepa Shorewala & Smt. Kantadevi Gupta, 171, Shivaji Park, Road No. 5, 1st Floor, Mahim, Bombay-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Apartment bearing No. Terrace 6, Block C-11, at Oberoi Apartments, 2-Shamnath Marg, Delhi-110054".

T. K. SAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-1-1987

Seal ;

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION-269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. 1AC/ACQ. VI/37-EE/5-86/64.—Whereas 1,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Rereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. XL-1/IUA Chandrawal Road, Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961
I.A.C. Acq. Range II on May 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to sharker value of the arbresh property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than flitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any lacouse arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) United Properties. 5, Shankracharya Marg Civil Lines, Delhi. (Transferor)

(2) J. K. Gupta, 2944, Kucha Mai Dass Bazar Sita Ram, Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ozzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. XL-I/IUA Chandrawal Road, Delhi. 4975 Sq.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-1-1987

Scal:

#### PORM ITNS

(1) S. L. PAHWA, A-47, Malka Ganj, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AV ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) United Properties,5, Shankaracharya Marg,Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTHON RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/5-86/65.— Whereas I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/m and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. XL-I/IVA, Chandrawal Road, Delhi situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred/Registered under the Income-tax Act, 1961
in the office of the LAC, Acq. Runge-II on May 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds

the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Plot No. XL-I/tUA, Chandrawal Road, Delhi. Plot Area 552 Sq. Yds.

T. K. SAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
4/14-A. And Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the seid Act, to the following persons, namely:—

15 - 46601/86

Date: 15-1-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Jugal Kishore, 28-South Patel Nagar, N. Delhi 2. Sh. Bharat Madan, J-1854, Chittranjan Park, N. Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Sohan Lal Wahi Smt. Urmila Wahi
 Smt. Urmila Wahi
 Sh. Kundan Lal Wahi,
 1/8, West Patel Nagar,
 New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/37FE/5-86,66.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inctome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 1,8, West Patel Nagar, New Delhi situated at

and /or

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred/registered under the Income\_tax Act. 1961 in the Office of the TA.C. Acq. Range-II on May

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"House No. 1/8, West Patel Nagar, New Delhi".

Т. К. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-to-Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facili'ating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :---

Date: 15-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Vijay Mehta, D-37, Naraina Vihar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. M. K. Malhotra & Sons (HUF), C-160, Naraina Indl. Area, Phase-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/37EE/5-86/67.--Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. D-37, Naraina Vihar, New Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-II on May

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely: --

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"D-37, Naraina Vihar, New Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 15-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC, ACQ, VI/37EE/5-86/68.--Whereas, 1,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Buid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 28-C, Alipur Road, Civil Lines, Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred/registered under the Income-tax 1961 in the Office of the LA.C. Acq. Range-H on May

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) I. Sh. Satya Prakash Aggarwal

2. Bina Aggarwal

Sandeep Aggarwal, 28-Alipur Road, Civil Lines, Delhi

(Transferor)

(2) 1. Shri Anil Moolchandani2. Jagdish Moolchandani3. Nceru Moolchandani

Pushpa Mooichandani, 100-Banarsi Dass Estate, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

"28-C, Alipur Road, Civil Lines, Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI. Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 15-1-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, 4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/37EE, 5-86/69.—Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. First Floor, 9-Raj Narain Road, Delhi situated at

Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the LA.C. Acq. Range-II on May

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957)i

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atores: I property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

(1) M.s. Greysham & Co. 1 I, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bhupinder Kaur and Gurbachan Singh Chandhiok, A-39, Oberoi Apartment, Civil Lines Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immog-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"First Floor, 9-Rai Narain Road, Delhi".

T. K. SAW Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Palbi New Delhi.

Date: 15-1-1987

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Savitri Properties Pvt. Ltd. G-5/92, Nehru Place, New Delhi.

(Transfero)

(2) Sh. Susham Singla & Sh. Manoj Singla C/o. M/s. Navyug Store, M-2, Greater Kailash Market-I, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/37EE/5-86/69-A.--Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing

No. Shop No. G-1, Plot situated at No. 15, Preet Vihar, Com-

munity Centre, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act,

has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-II on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Shop No. G-1, of 331 sq. ft. Super Covered Area in Commercial Building at Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid poperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. 1AC/ACQ.VI/37EE/5-86/69-B,-Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Shop No. G-2, Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-II on May

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Savitri Properties Pvt. Ltd. G-5,92, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Susham Singla & Sh. Manoj Singla C/o. M/s. Navyug Store, M-2, Greater Kailash Market-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Shop No. G-2 of 310 sft. Super Covered Area in Commercial Building at Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi,

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SRI/5-86/605.—Whereas, I, T. K. SAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing

No. 7-A, Commissioner Lane now known as Kirpa Narain Marg, Civil Lines, Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument instrumen of ransfer wih he objec of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) S/Sh. Narain and Brijesh Narain sons of late Sh. Kirpa Narain for himself and as Attorney for his brother and three sisters namely Sh. Rajesh Narain, Mrs. Meena, Mrs. Urmila and Mrs. Indira, R/o 32, Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Laxmi Devi w/o Sh. Devinder Kumar R/o 13-D, Kamla Nagar, Delhi

2. Sh. Vivek Dutt S/o Sh. Dharam Dutt, R/o II/1, Court Lane, Rajpur Road, Delhi

Smt. Krishna Gupta W/o Sh. Lila Dhar R/o 2613, Zere Fassil, Naya Bazar, Delhi.

Smt. Sushila Gupta W/o Dr. S. P. Gupta, R/o '125-E, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Property No. 7-A Commissioner Lane now known as Kirpa Narain Marg, Civil Lines, Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 13-1-1987

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SRI/5-86/619.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 220 Block-E Mansrover Garden Delhi situated at

No. 220 Block-F Mansrover Garden, Delhi situated at Delhi

Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 16-466GI/86

(1) S. Bahadur Singh Batra S/o S. Harbans Singh Batra, R/o F-220, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh Bhasin S/o Sh. Gurdial Singh Bhasin and Sh. Parvinder Singh Bhasin S.o Sh. Jaswant Singh Bhasin, Both R/o 8/113, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

"1 1/2 storeyed building on plot No. 220 in Block F, mg. 800 sq. yds. situated at Mansrover Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-1-1987

#### PORM PITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SRI/5-86/621.-Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 2-A and 1 out of property bearing M.C. No. 2, Under-hill Road, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Shakuntla Gupta W/o Sh. V. S. Garg, R,o 2, Underhill Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ganga Devi Saboo W/o Ram Niwas Ji Saboo, R.o. 45/4, Race Course Road, (2) Smt. Damayanti Saboo W/o Shri Narayan Pd. Saboo (3) Dinesh Kumar s.o Sh. D. P. Saboo R/o 3/2, Jeevan Vihar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

"Property No. 2-A and 1 out of property bearing M.C. No. 2, Underhill Road, Delhi, area meas. 425 sq. yds.'

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heretry initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nampely :-

Date: 15-1-1987

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SRI/5-86/622.—Whoreas, I, T. K. SAH,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Private Property No. 1-A out of Property No. 2, Underhill Road, Civil Lines, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Scheduled squeezed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

New Deini for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair arket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration are the consideration and that the consideration consideration and that the consideration are the consideration and that the consideration consideration are the consideration and that the consideration consideration are consideration. consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shakuntala Gupta W/o Sh. V. S. Garg, 2, Underhill Road, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kiran Devi, No. 1 i.e. 642, Katra Hardayal Chandni Chowk, Delhi

Sh. Vinod Kumar Saboo
 Jiwan Vinar, 5-Manav Mandir Road, Malabarhill, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Private Property No. 1-A, out of property No. 2, Under-hill Road, Civil Lines, Delhi, area 425 sq. yds."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. LAC/ACQ.VI/SRI/5-86/623.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 36 on Road No. 66 Punjabi Bagh, Delhi situated

at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on May 1986

consideration which is less than the fair for an apparent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unmely:-

(1) 1. S. Gurbachan Singh and 2. S. Jasbir Singh sons of S. Mehar Singh, R/o 36/66, Punjabi Bagh, New Delhi,

Hissar (Haryana)

(Transferor)

(2) 1. Sh. Suresh Gupta S/o Sh. Mohan Lal Gupta (Deceased) and 2. Smt. Sudha Gupta W/o Suresh Gupta, R/o Outside Nagori Gate;

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Property built on a freehold Plot of land bearing Plot No. 36 on Road No. 66, mg. 361.77 sq. yds., Punjabi Bagh area of Vill: Bassai Darapur Delhi State".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SRI/5-86/630.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Plot No. 32, on Road No. 73, at Punjabi Babh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on May 1986

New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anil Mohan Sehgal S/o Late Shri Manmohan Nath Sehgal, R/o 32/73, Punjabi Babh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bachan Kaur
W/o Sh. Madan Lul Chawla,
Sh. Ashok Chawla &
Sh. Amit Chawla
sons of Sh. Madan Lul Chawla
all R/o 1338, 1339, Fair Ganj, Gali No. 3,
Bahadurgarh Road, Delira.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions und hands as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"House on Plot No. 32, on Roud No. 73, at Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi measuring 1090 sq. yds."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 15-1-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OS THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SRI/5-86/631.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing CCottage No. 4 on back side being part of Property No. 5/ 4-B having covered area 1075 sq. ft. situated at Roop Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Puri Banga,
Associates having its office at 5/4-B,
Roop Nagar, Delhi-7
through its partners (1) Smt. Raj Puri Wyo
Shri K. K. Puri R/o
7/26, Roop Nagar, Delhi &
(2) Shri Vijay Banga, S/o
Shri Banarsi Dass Banga
for himself and as Attorney of his mother
Smt. Kailash Rani, R/o
17/35, Shakti Nagar, Delhi.

(2) Smt. Maha Devi Lata W/o Shri Kishan Lal Lata, 13/26, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by ...., other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Cottage No. 4 on back side being part of property No. 5/4-B having covered area 1075 sq. ft. situated at Roop Nagar, Delhi,

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 15-1-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR-I/5-86/632.—Whereas, I,

Ref. No. 1AC/ACQ.VI/SR-1/3-80/032.—whereas, 13
T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Property No. having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Property, having a fair market value exceeding (College No. 2)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposer of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Puri Banga Associates at 5/4-B Roup Nagar, Delhi through it partners through it partners
(1) Smt. Raj Puri W/o
Shri K. K. Puri, R/o
7/26, Roop Nagar, Delhi and
(2) Shri Vijay Banga, S/o
Shri Banarsi Dass Banga
for himself and as Attorney of his mother
Smt. Kailash Rani, R/o
17/35, Shakti Nagar, Delhi.

(2) 1. Shri Sushil Kumar Jain S/o 1. Shri Sushii Kumar Jani 3/0 Shri Piarey Lal Jain and 2. Smt. Shashi Jain W/o Shri Sushii Kumar Jain, R/o 3/37, Roop Nagar, Delhi,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Cottage bearing Pvt. No. 2 in front side bearing portion of property No. 5/4-B, having covered area 1075 sq. ft. on Ground floor, 1075 sq. ft on first floor and 383 sq. ft. on second floor situated at Roop Nagar, Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Rel. No. 1AC/Acq.VI/SRI/5-86/633.--Whereas, I. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 5/4-B, Roop Nagar, Delhi
situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on May, 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Puri Banga Associates at 5/4-B, Roop Nagar, Delhi through its partners (1) Smt. Raj Puri, W/o Shri K. K. Puri, R/o 7/26, Roop Nagar, Delhi (2) Shri Vijay Banga, S/o Shri Banarsi Dass Banga for himself and as GA of his mother Smt. Kailash Rani, R/o 17/35, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

Shri Ramnik Lal Mordia, S/o Shri Tara Chand and
 Smt. Kiran Devi, W/o Shri Ramnik Lal Mordia, R/o 43, Banglow Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovare defined in Chapter XXA of the said publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential Cottage No. 3 on back side being part of property No. 5/4-B, situated at Roop Nagar, Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VI Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSF, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI/SRI/5-86/635.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. C-4/17, Model Town, Delhi

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the average of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property and I have the fair market value of the property and I have the fair market value of the property and I have the fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property and I have the fair market value of the property and I have the fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the property are seen to be a fair market value of the prope

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17—466GI/86

- Smt. Mewa Devi W/o Late Shri Tek Chand Aggarwal, R/o 1841, Gali No. 9, Gandhi Nagar, Rajgarh Colony, Delhi.
  - Shri Naresh Kumar
     Shri Suresh Kumar
  - 4. Shri Deepak Aggarwal
  - 5. Shri Mohan Lal
  - 6. Shri Sushit Kumar
  - Shri Anil Kumar All Ss/o late Shri Tek Chand Aggarwal R/o 1841, Gali No. 9, Gandhi Nagar, Rajgarh Colony, Delhi
  - Smt. Rashri alias Smt. Radha Devi W o Shri M. L. Gunta R to D-45, Rana Pratup Road, Adarsh Nagar, Delhi and
  - Mrs. Anita Gupta alias Mrs. Muni Devi W/o Shri Ashok Gupta R/o 1.-1/48, Aliganj, Lucknow, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Rani W/o Shri Ram Kishore Goel and 2. Shri Hari Om Goel S/o Shri Ram Kishore Goel R/o C-1/20, Model Town. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice-in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-4/17, Model Town, Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 15-1-1987

Seal;

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR1/5-86/636.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 14/32, East Patel Nagar, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. P. Sachar
 Himself & as GPA of Shri K. G. Sachar, Brig. N. P. Sachar, Shri K. R. Sachar, Shri Y. P. Sachar
 R/o 14/32. Fast Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

1. Shri Inderjit Popli
 2. Shri Ashok Popli
 R/o 14/32, East Patel Nagar.
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Constite or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gametta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

14/32, East Patel Nagar, New Delhi,

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 15-1-1987

#### FORMS ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI'SRI/5-86,'637.--Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 7, Road No. 78, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on May, 1986

New Delhi on May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian locme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Vidhya Dhar, M. C. Verma and J. C. Verma S/o Shri Tara Chand R/o 12/33, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. M/s. Satya Nand Arya (HUF) through its Karta & Manager Shri Satya Nand Arya

 M/s. Narinder Kumar Arya (HUF) through its Karta & Manager Shri Narinder Kumar Arya, R/o Plot No. 7, Road No. 78, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 7, Road No. 78, situated at Punjabi Bagh, area measuring 1057.78 sq. yds. of Village Bassai Daraput, Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Aggarwal House
4/11-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 15-1-1987

# Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mandeep Kumar Syal R/o 7/21, East Patel Nagar, New Delhi.

(1) Smt. Sova Neogi R/o 7/21, East

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI/SRI/5-86/638.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

7/21, East Patel Nagar New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer New Delhi

on Muy 1986

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same menning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); "2-1/2 storeyed H. No. 7/21, East Patel Nagar, New Delhi".

THE SCHEDULE

T. K. SAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1987

(1) Smt. Ushu Tandon, (2) Smt. Anita Tandon (3) Smt. Ranjana Tandon All R/o 40, Kandhari Road. Agra (U.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Balwant Singh S/o Sh. Harnam Singh R/o F-3/3, Model Town, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. 1AC/Acq.V1/SR1/5-86/647.—Whereas, I, T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ks. 1.00.000/- and bearing No. F—13/9, Model Town Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer New Delhi on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurnose of the Indian Income-tax Act, 1922 the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette...

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"1/4th undivided share of property No. F-13/9, Moder Town, Delhi, area measuring 112.5 sq. yds.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Duted: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Usha Tandon, (2) Smt. Anita Tandon (3) Smt. Ranjana Tandon R/o 40, Kandhari Road, Agra

(Transferor)

(2) Sh. Dhanwant Singh S/o Sardar Sardar Singh R/o F-3/3, Model Town, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.VI/SRI/5-86/646.—Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F-13/9. Model Town, Delhi situated at New Delhi and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer New Delhi May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

"1/4th undivided share of property No. F-13/9, Model Town, Delhi area measuring 112.5 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 15-1-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI/SRI/5-86/645.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. F-13/9, Model Town, Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing remons, namely :---

 (1) Smt. Usha Tandon (2) Smt. Anita Tundon and
 (3) Smt. Ranjana Tandon W/o Sh. Kamal Kishore Tandon—All R/o 40, Kandhari Road, Agra—282002 (U.P.).

(Transferor)

2. Mohan Singh S/o Shri Harnam Singh R/o F-3/3, Model Town, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"1/4th undivided share of property No. F-13/9, Model Town, Delhi, area measuring 112.5 sq. yds.

> T. K. SAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Dated: 15-1-1987

#### FORM ITNS

(1) Sont. Raj Rani W/o Sh. Ram Mohan and Smt. Veena Rani W/o Sh. Brij Mohan both 17/o. C-6/3, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Gobind Lal and Mohinder Nath both sons of Late Sh. Gurditta Ramr r/o D-14-A/13, Model Town, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI/SRI/5-86/639.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and beating No.
C-5/5, Model Town. Delhi
situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been trailed to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Property No. C-5/5, Model Town, Delhi, measuring 254.66 .sq. yds. in area.'

> T. K. SAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 15-1-1987

1567

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NFW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC, Acq. VI/SRI/5-86/648.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

F-13/9, Model Town Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer New Delhi on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent considers ion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

18-466GI/86

(1) Smt. Usha Tandon, (2) Smt. Anita Tandon (3) Smt. Ranjana Tandon All R/o 40, Kandhari Road, Agra (U.P.).

(Transferor)

(2) Sh. Tegh Singh S/o Harnam Singh R/o F-3/3, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as area defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"1./4th Undivided share of property No. F-13/9, area measuring 112.5 sq. yds. situated at Model Town, Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Dated: 15-1-1987

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SINGOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DEI HI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IACI ACQ.VI/SR-II/5-86/291,-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 26/13, Punabi Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed he has been transferred/registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May, 1986

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or crasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1) Smt. Mahadevi Lata W/o Sh, K. L. Latu, R/ o 26/13, Punabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Bharosey Lal S/o Sh. Gordhan Dass,
(2) Smt. Shanti Devi Bansal W/o Ram Bharsey, R/o B-3/ 385, Paschim Vihar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mioning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Property No. 26/13, area 555.55 sy. yds. Punabi Bagh, New Delhi.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15- 1-1987

Scal:

and the companies of th

er in de Electric

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC ACQ.VI, SRB, 5-86/292 -- Whereas, I, T. K, SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flot No. 42/20, Punabi Bagh situated New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the effort by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tunisfer as agreed to between the practice has not been truly strated in the practice. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income wising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of S ction 2.9D of the said Act, to the following

persong, namely :-

FORM ITNS———— (1) Sh. Jajpal Singh S/o Sh. Mohan Singh, D-62, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Bhalla W/o Sh. Subhash Bhalla
(2) Smt. Usha Bhalla
W/o Sh. Subhash Bholla (3) Sh. Subhash Bhalla (4) Ashok Bhalla Ss/o Diwan Chand, R/o 32/42, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"1, 2 share of Plot No. 42/20, Punjabi Bagh, Delhi, area measuring 1140,49 s. yds."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting. Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 15-1-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SRII/5-86/293.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Mpl. No. B-2, Khasra No. 1607 and 1651, Naraina, in the

ubadi of Inderpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May, 1986 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

(1) Sh. Jagdish Chander Vaid Sto Sh. B. N. Vaid, R/o B-2, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parveen Kumar Wadhwa S/o Late Sh. Manohar Lal Wadhwa, R/o C-71, Naraina Vihar,

New Delhi and

Smt. Achla Wadhwa

W'o Sh. Parveen Kumar Wadhwa, R/o C-71, Naraina Vihar,

New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) highlitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

"House bearing Mpl. No. B-2, measuring 300 sq. yds. out of Khasra No. 1607 & 1651, situated in the area of Vill. Naraina, in the abadi of Inderpuri, an approved colony, New Dellri."

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date ; 15-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 4961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR-IIF 5-86/294.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 4/41, W.E.A. Karol Bagh, situated at New Delhi

No. 4/41, W.E.A. Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May 1986

at Delhi in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

  11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the 'ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Om Parkash Sahni
 Sh. L. Acharaj Ram Sahni,
 R/o H-77, Kirti Nagar, New Delhi and
 Mrs. Swaraj Kumari
 Wd/o, Sh. Suraj Prakash Sahni,
 W/o Sh. Suraj Sahni and Rajesh Sahni Both sons of Sh. Suraj Prakash Sahni,
 R/o K-88, Kirti Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Man Mohan Singh of M s. Rishi Gagan Construction (P) Ltd., 704, Pragati Tower, Rujendra Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"4/41, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 270 sq. yds."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 15-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1987

Ref. No. 1AC/ACQ.VI/SR-III/5-86/295.—Whereas, I, T. K. SAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15-A/1, W.E.A. Karol Bugh situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Dr. Sudhanshu Chakravorty, 15-A!/1, W.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Denon India Limited, D-41, Mayapuri, Phase-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

"Built up building 15-A/1, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi, measuring 319 sq. yds."

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Icome-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
4/14-A, Asaf Ali Road
New Defhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1987

(1) Shri Justice Brish Ketu Saran Sinha 3, Macdonald Road, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-J-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th January 1987

Ref. No. III-1424/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 865, 868, 1290, Ward No. 2, Circle No. 6, Holding No. 609/358; Thana Kotwali situated at Fraser Road.

(and more fally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Patna on 26-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hansfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) M/s. Nishant Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Mona Cinema, Commercial Complex, East Gandhi Maidan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 16400 Sq. ft. situated at Fraser Road, Patna and morefully described in Deed No. 3788 dated 26-5-86 registered with the D.S.R., Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-1-1987

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

### ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1987

#### New Delhi, the 21st February 1987

No. F. 2/6/86-E.I(B).—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHAN-DIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAU-HATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORTBIAIR, RAI-PUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRI-VANDRUM, UDAIPUR AND VISHAKHAPATNAM commencing on 23rd August, 1987 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 21st February, 1987.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CEN-TRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, COMMISSION MAY, AT THEIR DESCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIR-CUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMIT-TED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories:—

Category I-Civil Engineering

Category II—Mechanical Engineering

Category III-Electrical Engineering

Category IV-Electronics and Telecommunication Engineering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under Category are given below:-

#### Category I—CIVIL ENGINEERING

#### Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Ser-(Civil Engineering vice Posts).
- (iii) Central Engineering Service

28 (includes 3 vacancies reserved for S.C. and 2 for ST. candidates).

(iv) Military Engineer Services 125 (includes (Building and Roads Cadre)

18 cancies reserved S.C. and 10 reserved + for S.T. candidates).

(v) Military Engineer Service (Surveyor of works Cadre) 21 (includes 3 vacancies reserved for Scheduled Caste and 2 reserved for S.T. candidates).

(vi) Central Water Engineering Service (Civil Engineering post).

38 (Includes 11 vacancies reserved for S.C. and 6 for S.T. candidates)

- (vii) Assistant Executive Engineer (Civil) (P & T Civil Engineering Wing).
- (viii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.
- (ix) Central Engineering Services 5\*\* (Roads) Group--'A'

#### Group B-Services/Posts

(x) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio.

#### Category II—MECHANICAL ENGINEERING

#### (Group A-Services Posts)

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineer.
- (ii) Indian Railway Stores Ser-(Mechanical Engineering Posts).
- (iii) Central Water Engineering 7 (Includes 1 vacancy Service (Mechanical Engineering Posts).

reserved for S.C. and one for S.T. candidates).

(iv) Central Power Engineering 2 Service (Mechanical Engineering Posts).

(v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts.)

Group B-Services/Posts

- (xiv) Workshop Officer (Mechani- 4 (includes 1 vacancy cal Engineering Posts) in reserved for S.C. and the Corps of EME Ministry 1 for S.T. candidates). of Defence.
- (vi) Indian Naval Armament 5 (includes 1 vacancy Service (Mechanical Engi- reserved for S.C. and neering Posts). 1 for S.T. candidates).
- Category III-ELECTRICAL ENGINEERING GROUP A-Service/Posts

(vii) Assistant Manager (Facto- 7\*\* ries) (P & T Telecom. Factories Organisation).

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers.
- (vili) Military Engineer Service 31 (includes 4 vacancies (Electrical and Mechanical reserved for S.C. candicadre) (Mechanical Engl- dates and 3 for S.T. neering Posts). candidates).
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts).
- (ix) Workshop Officer (Mecha- 5 (includes 1 vacancy nical) in the Corps of EME, reserved for S.C. and Ministry of Defence. 1 for S.T. candidates).
- (iii) Central Electrical and Me- 4 (includes 1 vacancy chanical Engineering Ser- for S.C. candidates). vice (Electrical Engineering Posts).

(x) Contral Electrical and Me- 2 chanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).

(iv) Indian Ordnance Factories service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts).

(xi) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts).

(v) Indian Naval Armanent 5 (includes 1 vacancy Service (Electrical Engi- reserved for S.C. and 1 for S.T. candidates). neering Posts).

(xii) Assistant Executive Engl- 23\*\* neer (Blect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts Border Roads Engi(vi) Central Power Engineering 45 (includes 7 vacancies Service (Electrical Engineer- reserved for SC and 5 for ST candidates). ing Posts).

ing Service, Group A.

(vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).

(xiii) Indian Supply Service Group 622 'A' (Mechanical Engineering Posts)

19-466GI/86

- (vili) Workshop Officer (Elec- 2 trical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.
  - (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development

- (x) Indian Supply Service, Group 'A' (Electrical Engg. Posts).
- 6\*\*
- (xi) Military Engineer Service 31 (includes 5 vacan-(Electrical and Mechanical cies reserved far S.C. cadre) (Electrical Engineering Posts). dates.)

### Group B-Services/Posts

- (xli) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.
- (xiii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME,
  Ministry of Defence.

# Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNI-CATION ENGINEERING

### Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication / Electronics Engineering Posts).
- (iii) Indian Telecommunication Service.
- (iv) Engineering in Wireless 2 (includes 1 vacancy Planning and Co-ordination reserved for S.C. candi-wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications.
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (vi) Indian Ordnance/Factories
   Service (Engineering Branch)
   (Electronics Engineering posts).
- (vii) Indian Naval Armament 15 (includes 1 vacan-Service (Electronics Engineering posts). Engicy reserved for S.C. and 1 for S.T. candidates),

- (vai) Central Power Engineering 3 (includes 1 vacancy Service (Telecommunication Engineering Posts). 3 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates).
- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics and Telecommunication Engineering Post).
- (x) Indian Supply Service, 3\*\*
   Group 'A' (Electronics Engineering Posts).
- (xi) Workshop Officer (Electronics) (Engg.) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

# Group B-Services/Posts

(xii) Workshop Officer (Electronica Eng.) in the corps of EME, Ministry of Defence.

The vacancies shown against various Services and Poets are temporary.

The above numbers are liable to alteration,

- \*Vacancies not intimated by Government.
- \*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

Note:—Recruitment to the Services/Posts mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in Apendix I to the Rules,

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/Posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/Posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/Posts for which he applies.

N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/Posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

N.B. 2.—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS, COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS IVIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGI-ELECTRICAL ENGINEERING AND ELEC-MERING, TRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEER-ING (CF. PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPLETING WOULD BE CONSIDERED UN-LESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RE-CEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF TRANS-(DEPARTMENT OF RAILWAYS) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO IN-DICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. 3.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. 4.—Departmental candidates admitted to the examination under age relaxation [vide rule 5 (b)] may give their preferences for the services/posts in other Ministries/Departments also. They will, however, be first considered for appointment to services/posts in their own department and only in the event of non-availability of vacancies therein or medical untitness of such candidates for the services/posts under their own departments, they shall be considered for allotment to the services/posts in other Ministries/Departments on the basis of preferences expressed by them.

N.B. 5.—Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other services and posts, if any, will be ignored.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission. Dholpur House, New Delhi-110 011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi-General Post Office. Cheques or Currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postel Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1987. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1987 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 20th April, 1987 (4th May, 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 20th April, 1987 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Asam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangi

Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 20th April, 1987.

- Note (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 8.00 (Rupees eight only) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH USE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from crstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June. 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the

Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 54.00 (Rupees fifty four only) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. If any candidate who took the Engineering Services Examination held in 1986 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1986 Examination, his candidature for the 1987 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him provided that, the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of 1986 examination in the Employment News.
- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question papers in General Ability Test and two papers each in Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering as included in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Test, including sample questions, reference may be made to Candidates Informaton Manual at Annexure II.

M. K. KRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Servee Commission

### ANNEXURE 1

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are cligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATIOON THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION,

Candidates should note that no request for change of Centre will normally be granted. When a candidate however, desires a change in centre, from the one be had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 23rd July, 1987 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An aplication which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindl numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. It any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:---
  - CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
  - (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
  - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational Qualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the tront side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- (vi) Attested/certifled copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (vili) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUB-MIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MEN-TIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFI-CER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTER-VIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CER-TIFICATES MENTIONED ABOVE. RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER 1987. SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUB-MISSION AT THE TIME OF INTERVIEW THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFI-

1580

Note (ii) Candidates are further required to sign the attested/certifled copies of all the certificates sent alongwith application form and also to put the date.

CONSIDERATION.

CATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL

BE CANCELLED AND THE CANDIDATES

WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER

Details of the documents mentioned in item (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and in para 6:--

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:--

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

## (b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union

Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note:-Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

## (ii) Certificate of Age :-

The state of the s

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other documents relating to age like horoscope, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificate mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested /certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1 :-- A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLE-TED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CER-TIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
DATE OF SUMMISSION OF APPLICATION
WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST
FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
OR GRANTED.

NOTE 3 :—CANDDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR, AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para I of the form of certificate given under Note 1 below.

Note 1—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination in the form prescribed below as soon as possible and in any case not later than 30th November, 1987.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination
*) Certified that Shri/Smt./Km.*  son/daughter* of
*2. Certified that Shri/Smt./Km.*  son/daughter* of is expected to appear has appeared* at examination conducte by in the month of 19  and that the result of the above examination is likely to be announced by 19
Signature
Designation————
Name of Institution—

\*Strike out whichever is not applicable.

Note 2.— A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in provise to Rule 6, must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

where situated-

- (iv) Photograph.—A Candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm × 7 vm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance-sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N. B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) 3(vi) and 3(vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarity reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certification.

ficate. If both his raren's are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordicardy to all wive that to the purpose of his own sameship.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*

son/daughter\* of of of of village/town\* in District/Division\*
of the State/Union Territory\* belongs to the Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under:

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951@

Ins amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 19761.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes

Order, 1968@

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@

%2. Applicable in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/ Union Territory Administration.

This certificate is issued on the basis of the Scheduled/Caste/Scheduled Tribes certificate issued to Shri/Shrimati—Father/mother of Shri/Shrimati/Kumari* of Village/town*  in District/Division of the State/Union Territory* who belong to the
caste/tribe which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe in the State/Union Territory*
%3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his her* family ordinarily reside(s) in village/town*
Signature
**Designation
(with seal of office)

State/Union Territory\*

Place .....

Date ......

\*Please delete the words which are not applicable.

@Please quote Specific Presidential order.

% Delete the Paragraph which is not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*List of authorities empowered to issue Caste/Tribe certificates:

Obstrict Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/ist Class. Stipenday Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/extra Assistant Commissioner.

Certified that

†(Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides:
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.
- 5. (i) A Government Servant claming age concession under rule 5 (b) should submit a certificate in Original from the Head of the Department/Office in the following form:—

The form of certificate to be produced by the candidate.

# \*(i) Shri/Shrimati/Kumari holds a permanent post of in the Office/Department of with effect from has been continuously in temporary service on a regular basis under the Central Government in the post of in the

\*Strike out whichever is not applicable

- with effect from -

Suitarfile
Designation
Ministry/Office
Office Stam

 Date
 ......

 Place
 .....

- (ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5 (c) (ii) or 5 (c) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
  - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States;
  - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being he resident:
  - (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts:

- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division bie charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(c) (iv) or 5(c) (v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Ianka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c) (vi) or 5(c) (vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c) (viii) or 5(c) (ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate:-

Certified that Rank No.	Sb <del>rl</del> ,
	was disabled
while in the Defence Service	es, in operation during hostilities
	a disturbed aren* and was re-
leased as a result of such di	

Signature	,	,								,
Designation			-							
Date						_		,	-	

\*Strike out whichever is not applicable

bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India

from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vi) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age concession in terms of Rule (xiv), 5(c)(xv), 5(c)(xvi) or 5(c)(xvii) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form mescribed below from the authorities concerned (A) Applicable for Released/Retired Personnel It is certified that No. - Rank --Name ----- whose date of birth is ---has rendered service from \_\_\_\_\_\_ to \_\_\_\_ in Army/Navy/Air Force and he fulfils ONE of the following conditions :-(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency. (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment Station Date Name and Designation of the Competent Authority SFAL (B) Applicable for Serving Personnel who are due to be released within six months It is certified that No. - Rank -Name — whose date of birth is — ---is serving in the Army/Navy/Air Force from ----2. He is due for release/retirement w.e.t. -is likely to complete his assignment of five years by ----Station Date Name and Designation of the Competent Authority Delhi. SEAL (vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from (C) Applicable for Serving Personnel who have already Vietnam claiming age concession under Rule 5(c)(x) or completed their initial Assignment and are on Ex-5(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a tended Asslonment certificate from the District Magistrate of the area in which It is certified that No --- Rankhe may for the time being be resident to show that he is a

Name——whose date of birth is— is serving in the Army/Navy/Air Force from --- (viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xili) or 5(c)(xili) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(ix) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(e) (xviii) or 5(e) (xix) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Rellef Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- (x) A resident of Assam claiming age concession under Rule 5(c)(xx) or 5(c)(xxi) should produce an attested/certificed copy of a certificate from the District Magistrate or Sub-Divisional Officer within whose jurisdiction he ordinarily resided to the effect that he had been a resident of the State of Assam during the period from 1st January, 1980 to 15th August, 1985.

The form of Certificate to be produced by the candidate:—

This is to certify that Shri/Shrimati/Km.

Son/daughter of had been a resident of the State of Assam in the Village/town

Police Station Sub-Division of District from to

during the period from 1st day of January, 1980 to the 15th day of August, 1985.

Seal

Date of Issue.

- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), (iii), (iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the realisment or state Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Railways/Urban Development/Defence/Energy/Water Resources/Communications/Commerce/Information and Broadcasting/Industry.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission or the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But, if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110 054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporla Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110 001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110 011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700 001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Communications regarding application.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110 011 AND SHOULD INVARI-ABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (i) NAME OF EXAMINATION.
  - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (iii) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINA-TION HAS BLEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IG-NORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THERE-ON.

14. Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OFFORT UNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE II

## CANDIDATES INFORMATION MANUAL

## A. OBJECTIVE 1EST

Your examination in the papers in Section I under each Engineering discipline (viz Civil, Mechanical, Electrical and Electronics & Telecommunication) in Appendix I to the Rules will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers(hereinafter reterred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

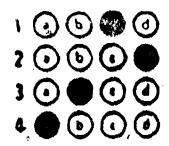
## B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer, if you select more than one, your response will be considered wrong.

### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Responses marked on the TEST booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked a, b, c, d are printed. After you have read each item in the TEST BOOK-LET and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circle on the Answer Sheet.



## IT IS IMPORTANT THAT

- You should bring and use only good quality HB pencil (s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

## D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- No body will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have clapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination submit the Text Booklet and the Answer Sheet to the luvigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL, YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entity in the Auswer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener and a pen containing blue/black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

## E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult

for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the TEST Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

## SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :-- \*denotes the correct/best answer-option)

## 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high an titudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmos-
- \*(b) the cressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner a'ud outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pre soure.

## 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

## 3. (Agriculture)

In arnar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- \*(a) Spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

# 4. (Chemistry)

The anhydride of HaVO, is

- (a) VO<sub>2</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub>O<sub>3</sub>
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>

#### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occures when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal.
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

### 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity or propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
  - (d) C/9

## 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \*(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

## 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d_0y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y=a x+b
- \*(b) y≔a×
- (c)  $y = ae^x + be^{-x}$
- (d) y=aex-a

## 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

### 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be:

- (a) 4ª
- \*(b) 3
- (c) ∞
- (d) ---5

## 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
  - (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

## 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanlsm always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- \*(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

## 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyāna, Cārvākā Mimāmsā.
- (b) Nyāya Vaisesika, Janism and Buddhism, Cārvākā.
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvākā Yoga.
- \*(d) Buddhism Sāmkhya, Mimāmsā.

#### 14. (Political Science)

'Functional representation' means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Union.

#### 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learing.

#### 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- \*(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items
(Questions) have been given merely to serve as
examples and are not necessarily in keeping with
the syllabus for this examination.